वर्ष 72 » अंक 199 » पृष्ठ 12
रीवा, शुक्रवार 18 अप्रैल, 2025
» वैशाख पक्ष 06, विक्रम संवत् 2082
» नगर » मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

मनुष्य अपनी श्रेष्ठ अवस्था में सभी प्राणियों में सबसे श्रेष्ठ होता है; लेकिन जब वह कानून और न्याय से अलग हो जाता है, तो वह सबसे निकृष्ट बन जाता है।
- अरस्तु

नए वक्फ कानून पर सुनवाई : सुप्रीम कोर्ट ने दूसरे दिन भी सीधे-सीधे कोई स्टे तो नहीं दिया, लेकिन कहा कि सरकार अगले सात दिन में जवाब दाखिल करे, लेकिन इस दौरान वक्फ काउंसिल या बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं होगी। अदालत से वक्फ घोषित संपत्ति डी-नोटिफाई नहीं की जायेगी।

सरकार को सशर्त मोहलत

नई दिल्ली, जेएनएन। वक्फ अधिनियम 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन की मोहलत दी है, लेकिन इसके साथ कड़ी शर्तें भी लगाई हैं। अदालत ने साफ निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई तक केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में कोई नई नियुक्ति नहीं होगी, और पहले से अधिसूचित या पंजीकृत वक्फ संपत्तियों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि अदालत यथास्थिति बनाए रखना चाहती है, ताकि इस दौरान किसी भी पक्ष के अधिकारों पर आंच न आए।

सुप्रीम कोर्ट ने अब इस मामले की अगली सुनवाई 5 मई 2025 के लिए निर्धारित की है। तब तक केंद्र सरकार को अपना विस्तृत जवाब दाखिल करना है। कोर्ट के मुताबिक, यह मामला महज धार्मिक या कानूनी नहीं, बल्कि संवैधानिक संतुलन, ऐतिहासिक संपत्तियों की सुरक्षा और बहुलतावादी मूल्यों से भी जुड़ा हुआ है।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दोहराया कि यदि न्यायिक प्रक्रिया चल रही हो, तो उस बीच में कानून या प्रशासनिक कदमों के जरिये स्थितियों को बदला नहीं जाना चाहिए। चीफ जस्टिस संजीव ■ शेष पृष्ठ 7 पर

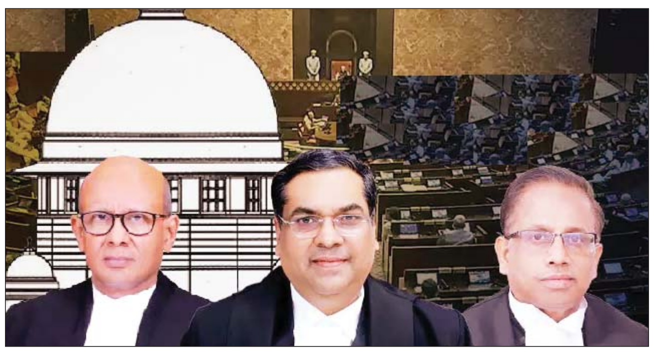

सुप्रीम कोर्ट की गंभीर टिप्पणियां

सीजेआई खन्ना ने कहा, 'हमने कुछ कमियों को इंगित किया है, लेकिन कुछ प्रावधानों में सकारात्मक बातें भी हैं। हम नहीं चाहते कि याचिका पर फैसला आने से पहले कोई ऐसा बदलाव हो, जिससे पार्टियों के अधिकारों पर प्रभाव पड़े।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि, 'इस्लाम के पांच साल के अभ्यास जैसे प्रावधानों पर हम अभी नहीं बोल रहे, लेकिन जब तक मामला लंबित है, तब तक किसी की स्थिति में ऐसा बदलाव न हो, जिससे भविष्य में निर्णय का प्रभाव व्यर्थ हो जाए।'

पिछली सुनवाई में उठी थीं अहम संवैधानिक चिंताएं

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी थी कि वक्फ अधिनियम 2025 के संशोधन संविधान के खिलाफ हैं, और विशेष रूप से 'उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ' की मान्यता को हटाने से ऐतिहासिक मस्जिदों व धार्मिक स्थलों की वैधता पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। सिब्बल ने जामा मस्जिद, दिल्ली का उदाहरण देते हुए कहा था कि सैकड़ों साल पुरानी वक्फ संपत्तियों के दस्तावेज नहीं मिलते, क्योंकि वे अक्सर मौखिक तौर पर वक्फ की जाती थीं, और इनसे किसी प्रकार का सबूत मांगना उचित नहीं होगा। इस पर अदालत ने सरकार से पूछा कि - क्या सभी वक्फ-दर-उपयोगकर्ता संपत्तियां वक्फ नहीं मानी जाएंगी? क्या सरकार कलेक्टर के जांच तक वक्फ स्थिति को नकार सकती है? क्या संसद का कानून अदालतों के पूर्व निर्णयों को पलट सकता है? और क्या अब वक्फ बोर्डों और परिषदों में केवल मुसलमानों को ही सदस्य बनाया जाएगा?

तीन बिंदुओं पर रोक

अदालत ने सुनवाई में प्रस्ताव दिया था कि वह तीन बिंदुओं पर 'अंतरिम आदेश' पारित कर सकती है

- सभी वक्फ संपत्तियां, चाहे उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ हों या विलेख से, इस केस के लंबित रहने तक डि-नोटिफाई नहीं की जाएंगी।
- धारा 2ए में कहा गया है कि किसी संपत्ति को तब तक वक्फ नहीं माना जाएगा जब तक कलेक्टर इसका निर्धारण नहीं कर लेता, इसे लागू नहीं किया जाएगा।
- केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड के सभी गैर-पदेन सदस्य मुस्लिम होंगे, जब तक मामला लंबित है।

एसजी ने दिए आश्वासन

भारत सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को आश्वासन दिया कि

- धारा 9 और 14 के तहत केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में कोई नई नियुक्ति नहीं होगी।
- कोई भी वक्फ संपत्ति, चाहे वह अधिसूचना से घोषित हो या पंजीकरण से, अगली सुनवाई तक डि-नोटिफाई नहीं की जाएगी।
- उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ की गई संपत्तियों पर भी यही स्थिति लागू होगी।

राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकती कोर्ट: उपराष्ट्रपति

धनखड़ बोले- अनुच्छेद 142 न्यूक्लियर मिसाइल

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रपति और राज्यपालों को विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय सीमा निर्धारित करने वाले सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के कुछ दिनों बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका के लिए कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है। संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता है कि वह पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फैसला दे सकता है, चाहे वह किसी भी मामले में हो।

राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के एक समूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका का कार्य स्वयं संभालेंगे, जो 'सुपर संसद' के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता।' उपराष्ट्रपति ने कहा, 'हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें और वह भी किस आधार पर? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। इसके लिए पांच या उससे अधिक न्यायाधीशों की आवश्यकता होती है।' हाईकोर्ट जज के घर से जले हुए नोटों के बंडल मिलने के मामले पर उन्होंने कहा, '14 और 15 मार्च की रात को नई दिल्ली में एक न्यायाधीश के निवास पर एक घटना हुई। सात दिनों तक, किसी को इसके बारे में पता नहीं था। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

सुपर संसद के रूप में काम नहीं कर सकते न्यायाधीश: धनखड़

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रपति द्वारा विधेयकों पर निर्णय लेने की समयसीमा निर्धारित करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के हाल के फैसले पर चिंता जताई और कहा कि भारत ने ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम स्वयं संभालेंगे और एक 'सुपर संसद' के रूप में कार्य करेंगे।

क्या है मामला

बीते सप्ताह उच्चतम न्यायालय ने पहली बार यह निर्धारित किया था कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा विचारार्थ सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर संदर्भ प्राप्त होने की तिथि से तीन माह के भीतर निर्णय लेना चाहिए।धनखड़ ने कहा, 'हाल ही में एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिया गया है। हम कहां जा रहे हैं? देश में क्या हो रहा है? हमें बेहद संवेदनशील होना होगा। यह कोई समीक्षा दायर करने या न करने का सवाल नहीं है। हमने इस दिन के लिए लोकतंत्र का सौदा नहीं किया था। राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से फैसला करने के लिए कहा जा रहा है और यदि ऐसा नहीं होता है, तो संबंधित विधेयक कानून बन जाता है।'

ऑफ बीट

कपल जो है बेशुमार दौलत का मालिक

ब्रिटेन के पूर्व पीएम ऋषि सुनक इन्फोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के दामाद हैं। नारायण मूर्ति की बेटी अक्षता से ऋषि सुनक की शादी हुई है। इस कपल के पास बेशुमार दौलत है। दोनों ने रियल एस्टेट में काफी पैसा लगाया हुआ है। उनके पास कई प्रॉपर्टी हैं। कैलिफोर्निया में एक पेंटहाउस और नॉर्थ यॉर्कशायर में एक आलीशान हवेली है। 2022 में ऋषि और अक्षता की कुल संपत्ति लगभग 73 करोड़ पाउंड (लगभग 6945 करोड़ रुपये) आंकी गई थी। यह किंग चार्ल्स III की संपत्ति से भी ज्यादा है।

विशेष सूचना

विचारों का जन्म...

(पढ़ें सम्पादकीय पेज पर)

आईपीएल में आज

IPL 2025 TATA IPL

पंजाब बनाम बेंगलुरू
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

संक्षिप्त खबरें

मुनाफ पटेल पर जुर्माना

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। मुनाफ ने मैच अधिकारियों के साथ बहस की थी। आईपीएल के बयान के अनुसार, 'पूर्व तेज गेंदबाज ने आचार संहिता के खेल भावना से विपरीत लेवल एक का अपराध स्वीकार कर लिया है।'

राजद विधायक को जेल

पटना, जेएनएन। बिहार की पटना जिला अदालत ने गुरुवार को जबरन वसूली के मामले में राजद विधायक रीतलाल यादव और उनके तीन सहयोगियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यादव और उसके साथियों ने दानापुर अदालत में आत्मसमर्पण किया था। दानापुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राजद विधायक और उनके तीन सहयोगी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बिहार पुलिस ने 11 अप्रैल को पटना में जबरन वसूली के एक मामले की जांच के सिलसिले में राजद विधायक रीतलाल यादव और उनके करीबियों के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। उन्होंने आज कोर्ट में आत्मसमर्पण किया।

प्रदेश के किसानों के लिए नई नीति की घोषणा

पराली नहीं जलाई, तो मिलेगी प्रोत्साहन राशि

प्रति एकड़ 1500 से 3000 रुपए की राशि मिलेगी

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार पराली न जलाने वाले किसानों को एक सौगात देने की तैयारी में है। इसमें किसानों को खेतों में पराली नहीं जलाने समेत 5 शर्तें पूरी करने पर प्रोत्साहन के रूप में 1500 से 3000 रुपए की राशि प्रति एकड़ के हिसाब से दी जाएगी। सरकार ने यह फैसला कृषक कल्याण मिशन (अन्नदाता मिशन) के तहत लिया है। इस मिशन को सरकार ने पिछली कैबिनेट में ही मंजूरी दी है।

इसमें किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूल खेती और फसलों का उचित मूल्य दिलाने की कोशिश की जाएगी। जानकारों का कहना है कि पराली जलाने से पर्यावरण, आम लोगों और जीव-जंतुओं को होने वाले नुकसान होता है। मिट्टी की उर्वरता कम हो जाती है। प्रदूषण और स्वास्थ्य पर असर होने के साथ ही मिट्टी की उर्वरता कम होने से भविष्य में पैदावार कम होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

जानकारों का कहना है कि किसानों को पराली की सफाई कराने में जुर्माने से ज्यादा राशि खर्च करनी पड़ती है। ऐसे में किसान जुर्माने की परवाह नहीं करता रहा है। लेकिन अब सरकार की इस नई योजना ने उन्हे ऐसी चिंता से मुक्त कर दिया है। साथ ही जागरुकता भी आएगी और प्रचलन में आने पर किसान पराली खत्म करने के दूसरे उपाय अपनाने लगेंगे।

ये शर्तें करनी होंगी पूरी

- पराली मुक्त खेती को अपनाना होगा
- कृषि ऋण समय पर भुगतान करना अनिवार्य होगा।
- तिलहन और दलहन के उत्पादन में उर्वरक का कम इस्तेमाल
- कीटनाशकों का कम से कम इस्तेमाल
- कम पानी के उपयोग वाली कृषि पद्धतियों को अपनाना होगा।

पराली जलाने पर सख्त कार्रवाई

प्रदेश में पराली जलाने को लेकर सख्त कार्रवाई के प्रावधान है। इसमें जुर्माना और जेल की सजा भी शामिल है। इंदौर जिले में प्रशासन ने खेतों में पराली जलाने की घटनाओं को लेकर सख्त कदम उठाते हुए पिछले दिनों किसानों पर तगड़ा जुर्माना लगाने के साथ ही खेत मालिकों के खिलाफ केस दर्ज किए हैं। चार दिनों में 770 किसानों पर कुल 16.71 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश भी जारी किया है।

आप नेता पाठक के घर पर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली, जेएनएन। आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक के घर गुरुवार को सीबीआई ने छापेमारी की है। सीबीआई के मुताबिक, यह कार्रवाई विदेशी फंडिंग से जुड़े मामले को लेकर हो रही है। सीबीआई ने बुधवार को आप के खिलाफ एफसीआरए के तहत केस दर्ज किया था। छापेमारी पर आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा है कि गुजरात चुनाव 2027 की जिम्मेदारी मिलते ही दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई की रेड हुई है। ये कोई संयोग नहीं है, बल्कि भाजपा की साजिश है। सीबीआई का आरोप है कि विदेशों में रहने वाले 155 लोगों ने 55 पासपोर्ट नंबरों का इस्तेमाल कर 404 बार में पार्टी को 1.02 करोड़ का डोनेशन दिया। कई डोनर्स ने एक ही पासपोर्ट नंबर का इस्तेमाल किया।

लगातार तीसरे दिन ईडी के समक्ष पेश हुए रॉबर्ट वाड्रा, पूछताछ के बाद बोले

जो जवाब दे चुका हूं, बार-बार वही पूछ रहे

नई दिल्ली, जेएनएन। गुरुग्राम लैंड स्कैम मामले में कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। पूछताछ के बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए वाड्रा ने कहा कि उनसे कोई नया सवाल नहीं पूछा गया, वही सवाल दोहराए गए जिनके जवाब मैं 2019 में दे चुका हूं। वाड्रा ने कहा, 'अगर कल पब्लिक हॉलिडे नहीं होता, तो मुझे अपना जन्मदिन ईडी ऑफिस में ही मनाना पड़ता। कल गुड फ्राइडे है और मैं अपना जन्मदिन परिवार के साथ मनाऊंगा, वरना वे मुझे बुलाते रहेंगे।'

वाड्रा ने पूछा कि भाजपा के किस मंत्री या सदस्य को ईडी ने तलब किया है? क्या भाजपा में सभी अच्छे हैं? क्या उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं है? कई आरोप हैं। वाड्रा ने दावा किया कि उनके खिलाफ ईडी की कार्रवाई तब और तेज हुई जब उन्होंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों के बारे में आवाज उठानी शुरू की।

समन के जवाब में वाड्रा लगातार तीसरे दिन ईडी के समक्ष पेश हुए। वाड्रा ने इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए सरकार पर विपक्ष की आवाज को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

ईडी की निष्पक्षता पर सवाल

वाड्रा ने ईडी की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि गैर-भाजपा दलों के नेताओं के खिलाफ चुनिंदा कार्रवाई की जा रही है। वाड्रा ने कहा, 'यह राजनीतिक प्रतिशोध है। एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। यह गलत है। जब कोई पार्टी अच्छा प्रदर्शन कर रही हो, तो उन्हें परेशान किया जाए, तो एजेंसियों पर भरोसा कैसे होगा?' वाड्रा ने कहा, 'अगर मैं राजनीति में आता, तो भाजपा वंशवाद की बात करेंगे या ईडी का दुरुपयोग करेंगे। यह मुश्किल तब शुरू हुई जब कुछ दिन पहले मैंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों के बारे में सोशल मीडिया पर संदेश दिया।

भाजपा विधायक ऊषा ठाकुर की वोट बेचने वालों को अनोखी नसीहत

मेरी भगवान से सीधी बातचीत, जो लोकतंत्र बेचेगा वह अगले जन्म में कुत्ता-बिल्ली बनेगा

जागरण, महू। अपने विवादित बयानों के पहचानी जाने वाली भाजपा विधायक ऊषा ठाकुर ने दावा किया है कि उनकी भगवान से सीधी बातचीत होती है। साथ ही उन्होंने वोट बेचने वालों को नसीहत दी कि जो भी लोकतंत्र को बेचेगा, वह अगले जन्म में ऊंट, भेड़, कुत्ता-बिल्ली बनेगा।

महू से भाजपा विधायक ठाकुर ने विधानसभा क्षेत्र के हासलपुर में एक भूमिपूजन कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा पर जोर देते हुए कहा कि कुछ हजार के लिए वोट बेचना देश के साथ गद्दारी है। जब हम वोट डालने जाते हैं, तो अकेले होते हैं। किसी ने कुछ ले दे भी लिया तो ले लो, लेकिन वोट डालते समय ईमान मत गवाओ, वोट तो भाजपा को ही देना, जो राष्ट्र, धर्म, संस्कृति की सेवा करती है। भाजपा विधायक ने जोर देते हुए कहा कि जिसने बेईमानी की, वह जो पैसे, साड़ी, दारू लेकर तटस्थ हुए। सब अपनी डायरी में लिख लेना। पक्का वे अगले जन्म में ऊंट-भेड़-बकरी, कुत्ते-बिल्ली बनने वाले हैं क्योंकि इन्होंने लोकतंत्र बेचा है।

अपना वोट बेचना शर्मनाक

महू विधायक ने वोट बेचने वालों को भाजपा सरकारों की योजनाओं का हवाला भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार लाड़ली बहना और केंद्र सरकार किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से लोगों के खातों में हजारों रुपये भेज रही है। बावजूद इसके 1500 या 5000 रुपये में वोट बेचना शर्मनाक है। उन्होंने जल संरक्षण को महत्व देते हुए लोगों से कहाकि जैसे अपने बच्चों का ध्यान रखते हैं, उसी तरह पानी का भी ध्यान रखें। उसे बर्बाद ना करे। टोंटी खुली पड़ी रहती है और पानी सड़कों पर बहता है।

मुर्शिदाबाद हिंसा

ममता सरकार का दावा कानून व्यवस्था नियंत्रण में

कोलकाता, जेएनएन। मुर्शिदाबाद हिंसा पर पश्चिम बंगाल सरकार ने हाई कोर्ट में जवाब दाखिल किया है। इसमें सरकार ने कहा है कि कानून व्यवस्था नियंत्रण में है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने ममता सरकार से हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद की स्थिति पर जवाब मांगा था। मामले में दाखिल याचिकाओं पर कलकत्ता हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो चुकी है और अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। पश्चिम बंगाल सरकार ने हाईकोर्ट में पेश रिपोर्ट में बताया कि अब तक 315 गिरफ्तारियां हुई हैं और स्थिति नियंत्रण में है। कोर्ट ने राज्य से यह भी पूछा कि हिंसा को रोकने में प्रशासन की क्या भूमिका रही और क्या कोई खुफिया जानकारी पहले से उपलब्ध थी।

स्पेस वॉर | मस्क, पेलंटियर और एंड्यूरिल की तिकड़ी ने बनाया ट्रंप का अरबों डॉलर का 'अंतरिक्ष कवच'

आयरन डोम की तर्ज पर अमेरिका बना रहा गोल्डन डोम

वाशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने नए कार्यकाल की शुरुआत के साथ ही एक बेहद महत्वाकांक्षी और विवादास्पद योजना पर काम शुरू कर दिया है। यह योजना है — 'गोल्डन डोम'। यह एक वैश्विक मिसाइल डिटेक्शन और इंटरसेप्शन सिस्टम है, जिसे अंतरिक्ष में तैनात किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य है- पूरी दुनिया में कहीं से भी आने वाली मिसाइलों को सेकंडों में नष्ट करना। यह पहली बार होगा जब अमेरिका अंतरिक्ष में ऐसे हथियार तैनात करेगा जो सीधे जमीन से लॉन्च की गई मिसाइलों को नष्ट ■ शेष पृष्ठ 7 पर

क्या है 'गोल्डन डोम'?

यह योजना इजराइल की 'आयरन डोम' प्रणाली से प्रेरित है, लेकिन उसका एक विशाल और उन्नत संस्करण है। इसका उद्देश्य ऐसी अंतरिक्ष-आधारित सुरक्षा परत बनाना है जो अमेरिका की ओर आने वाली मिसाइलों को अंतरिक्ष से ही गिरा दे। इसमें तीन प्रमुख निजी कंपनियां एलन मस्क की स्पेस एक्स, सॉफ्टवेयर फर्म पेलंटियर और ड्रोन निर्माता एंड्यूरिल शामिल हैं। तीनों के संस्थापक ट्रंप समर्थक माने जाते हैं और मस्क तो 'चीफ ऑफ डीओजीई' के रूप में विशेष सलाहकार भी हैं।

हथियारों की होड़

यह कदम अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक संतुलन को तोड़ सकता है। अमेरिका ने अंतरिक्ष से जवाब दिया, तो अन्य देश भी जवाब देंगे। स्पेस कमांड के प्रमुख जनरल स्टीफन व्हाइटिंग ने पिछले हफ्ते कहा था कि हमें अब खुलकर कहना होगा कि हमें स्पेस फायर और हथियार चाहिए। अगर अंतरिक्ष में युद्ध होता है, तो हमें वहां जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा।

कैसे काम करेगा 'गोल्डन डोम'?

- 1000 से अधिक सैटेलाइट्स पृथ्वी की कक्षा में लगाए जाएंगे, जो दुनिया भर में लॉन्च होने वाली मिसाइलों की निगरानी करेंगे।
- इनके साथ 200 'अटैक सैटेलाइट्स' होंगे, जो इन दुश्मन मिसाइलों पर लेजर या प्रिसिशन मिसाइलों से हमला करेंगे।
- यह सब 2026 तक चालू हो सकता है और 2030 तक पूरी प्रणाली सक्रिय होने की उम्मीद है।

तीन 'गोल्डीलॉक्स' विकल्प

रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ट्रंप को तीन विकल्प प्रस्तुत करने वाले हैं। इनमें छोटा डोम, जो सीमित भूभाग की सुरक्षा करेगा। मध्यम डोम जो वैश्विक निगरानी और चुनी हुई मिसाइलों को गिराने की क्षमता वाला होगा, और बड़ा डोम जिसमें पूरी पृथ्वी पर मिसाइल ट्रैकिंग और जवाबी हमला क्षमता शामिल होंगे।

लागत और एलन मस्क की भूमिका

स्पेस एक्स इस प्रोजेक्ट पर 10 बिलियन डॉलर (करीब 83,000 करोड़ रुपए) से अधिक निवेश करेगा। कुल मिलाकर यह सैकड़ों अरब डॉलर की परियोजना हो सकती है। एलन मस्क ने 'गोल्डन डोम' को सब्सक्रिप्शन मॉडल में चलाने का प्रस्ताव रखा है, यानी सरकार इसे खरीदेगी नहीं, बल्कि उपयोग के लिए शुल्क चुकाएगी। यह मॉडल सरकारी खरीद प्रक्रिया को बायपास कर सकता है, जिससे काम तेजी से हो सकेगा।

त्रिभाषा विवाद: अब महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी अनिवार्य

अंग्रेजी-मराठी के साथ हिंदी भी पढ़ेंगे बच्चे

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए राज्य के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को अनिवार्य विषय बना दिया है। यह बदलाव खासतौर पर मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों के लिए लागू किया गया है, जहां पहले सिर्फ दो भाषाएं, मराठी और अंग्रेजी पढ़ाई जाती थीं।

महाराष्ट्र सरकार ने फैसला लिया है कि राज्य के मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ना अनिवार्य होगा। पहले इन स्कूलों में केवल दो भाषाएं ही पढ़ाई जाती थीं, यानी मराठी और अंग्रेजी। अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत, महाराष्ट्र में तीन भाषा फॉर्मूला लागू किया जा रहा है। इस फॉर्मूले के अनुसार, छात्रों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी। एक उनकी मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा (जैसे मराठी), दूसरी अंग्रेजी और तीसरी अब हिंदी होगी।

सरकार ने यह भी बताया है कि राज्य के बाकी स्कूलों, जैसे उर्दू, गुजराती या अन्य माध्यम के स्कूल में पहले से ही तीन भाषाएं पढ़ाते हैं, क्योंकि वहां मराठी और अंग्रेजी अनिवार्य होती हैं।

यह है नई व्यवस्था

1. फाउंडेशनल स्टेज (5 साल): इसमें प्री-प्राइमरी (3 साल) + कक्षा 1 और 2 शामिल हैं।
2. प्रारंभिक चरण (3 साल): कक्षा 3 से 5 तक।
3. मिडिल स्कूल (3 साल): कक्षा 6 से 8 तक।
4. माध्यमिक शिक्षा (4 साल): कक्षा 9 से 12 तक।

एनआरसी से घर वापसी पर बच्चों को दी जायेगी पोषणयुक्त न्यूट्री बास्केट

बच्चों में पोषण की कमी दूर करने कलेक्टर का नवाचार

जागरण, सतना। सतना जिले में जिला अस्पताल सहित रामपुर बघेलान, उचेहरा, कोठी, नागौद और मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की एनआरसी में भर्ती पोषण की कमी वाले बच्चों को 15 दिवस उपचार के बाद छुट्टी पर घर वापस जाते समय 1 माह के लिए पोषणयुक्त न्यूट्री बास्केट प्रदान की जायेगी। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सतना जिले में बच्चों में पोषण की कमी को दूर करने के लिए यह नवाचार प्रारंभ किया है। प्रारंभिक रूप से यह व्यवस्था 3 माह के पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में लागू की जा रही है। जिसमें प्रत्येक न्यूट्री बास्केट में अनुमानित लागत 1000 रूपये की पोषण सामग्री दी जायेगी। जिसमें मूंग दाल 2 किलो, आंवला कैण्डी 500 ग्राम, घी 200 ग्राम, गुड 1 किलो, मूंगफली 1 किलो के साथ न्यूट्री बास्केट में बच्चे की मां को पोषण संबंधी आवश्यक शैक्षणिक सामग्री भी होगी। जिले की 6 एनआरसी में कुल 70 बेड के हिसाब से प्रतिमाह 140 बच्चों के मान से 3 माह तक सीएसआर मद से न्यूट्री बास्केट प्रदान करने के प्रावधान किये गये हैं। नवाचार के प्रोजेक्ट का उद्देश्य कुपोषण की रोकथाम एवं एनआरसी में भर्ती हेतु प्रोत्साहन, मुख्य रूप से बच्चों में प्रोटीन डिफिसियेंसी को कम करना और समाज में स्वास्थ्य के संदेश को प्रसारित करना होगा। वर्ष 2024-25 के आंकडों के हिसाब से एनआरसी के बेड संख्या 70 के हिसाब से 1680 बच्चों को भर्ती का लक्ष्य के विरूद्ध 1307 बच्चे भर्ती हुए जिसका उपलब्धि प्रतिशत 78 प्रतिशत रहा। बच्चों के भर्ती होने का गैप 22 प्रतिशत परिलक्षित हुआ। अभिभावकों में एनआरसी के प्रति सकारात्मक रूझान पैदा करने और पोषण आहार की घर वापसी के बाद भी निरंतरता बनाये रखने 1 माह का पोषण युक्त आहार न्यूट्री बास्केट दी जायेगी। इससे एनआरसी में भर्ती रहे बच्चों में लामा की स्थिति भी कम होगी और एनआरसी में लक्ष्य अनुरूप बच्चे भी भर्ती हो सकेंगे। न्यूट्री बास्केट में मुख्य रूप से प्रदायित सामग्री में बच्चों को प्रोटीन, वसा, आयरन तथा विटामिन सी की पूर्ति करने का प्रयास किया जायेगा। एनआरसी में भर्ती होने वाले बच्चों के लिए न्यूट्री बास्केट का नवाचार मंगलवार से प्रारंभ किया जा रहा है।

नरवाई जलाने वाले 30 किसानों के विरूद्ध दर्ज हुई एफआईआर

सतना। नरवाई नहीं जलाने किसानो को बार-बार चेतावनी दिये जाने के बाद जब किसान अपनी आदतो से बाज नही आ रहे थे तो कलेक्टर ने इस मामले में नरवाई नही जलाने के आदेश जारी किए थे लेकिन किसानो ने कलेक्टर के आदेश का भी उल्लंघन कर दिया। इस मामले में चौकीदार और पटवारी द्वारा सिविल लाइन थाना में शिकायत दर्ज कराई गई। जिसके बाद 30 किसानो के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

इन पर हुई एफआईआर : जिन किसानो के विरूद्ध एफआईआर दर्ज हुई है उसमें बृजेश गर्ग, विवेकानंद गर्ग, शैलेस गर्ग, कृष्ण कुमार मिश्रा, बद्री प्रसाद पाण्डेय, देवराज सिंह, द्वारिका अग्रवाल, रामप्रसाद सिंह, गयाप्रसाद पाण्डेय, आशीष गर्ग, देवराज सिंह, सभी निवासी तूमिन, मनीष गर्ग, शंकर प्रसाद, सीता प्रसाद, हिमांशू गर्ग, राजकुमार, महीप गर्ग, बृजकुमार गर्ग, रजनीश गर्ग, सतीश गर्ग, राकेश गर्ग, उमेश गर्ग, ब्रजेन्द्र नाथ गर्ग, रामभगत, रामचन्द्र, सुखदेव, मारकंड प्रसाद, आवेन्द्र, अजय गर्ग, व ऋषि गर्ग सभी निवासी भूमकहर के विरूद्ध सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

मेल व फीमेल केटेगरी में कम्प्यूटर साईंस डिपार्टमेंट ने जीते फाईनल मैच

जागरण, सतना। विट्स महाविद्यालय का यह सतत् प्रयास रहा है कि वह छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद व अन्य विधाओं में भी आगे बढ़ने का मंच प्रदान कर सके। इसी कड़ी में स्पोर्टस कमेटी के तत्वाधान में विट्स बैडमिंटन लीग का आयोजन किया गया जिसमें 6 टीमों ने अपनी सहभागिता दर्ज की। प्रतियोगिता का फाइनल मैच विट्स प्राचार्य डॉ पी के शुक्ला, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अखिल प्रताप सिंह, एसोसिएट एकेडमिक डीन पंकज शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। प्राचार्य डॉ पी के शुक्ला ने अपने उद्बोधन में सभी प्रतिभागियों के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए आगामी प्रतिस्पर्धाओं के लिए उन्हें शुभकामनायें दी। क्रीडा प्रभारी रविशंकर द्विवेदी ने बताया कि विट्स बैडमिंटन लीग मेल केटेगरी का फाइनल मैच व्हीआईएमआर व कम्प्यूटर साईंस इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के मध्य खेला गया जिसमें कम्प्यूटर साईंस इंजीनियरिंग के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत दर्ज की। वहीं फीमेल केटेगरी का फाइनल मैच भी व्हीआईएमआर व कम्प्यूटर साईंस इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के मध्य खेला गया जिसमें कम्प्यूटर साईंस इंजीनियरिंग की टीम विजेता व व्हीआईएमआर की टीम उपविजेता रही। इस अवसर पर सभी विजेता व उपविजेता टीमों को मेडल व स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया गया। व्हीआईएमआर के वैभव सिंह व कम्प्यूटर साईंस की वंशिका केशवानी के उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते उन्हें बेस्ट प्लेयर के खिताब से सम्मानित किया गया। विट्स बैडमिंटन लीग के सफल आयोजन में क्रीडा अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, अनुरोध तिवारी, प्रकाश तिवारी समेत स्पोर्टस कमेटी के स्टूडेंट्स कोआर्डीनेटर्स अमन तिवारी, कृष्णा शुक्ला, तनीषा अग्रवाल, सान्या सिंह परिहार, सुमेन्द्र सिंह परिहार, वैभव सिंह परिहार इत्यादि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रामाकृष्णा कॉलेज के विद्यार्थियों ने बनारस भ्रमण किया

जागरण, सतना। श्री रामाकृष्णा कॉलेज भरहुत नगर के वाणिज्य संकाय के 50 बच्चों का प्रतिनिधिमंडल बनारस यात्रा पर गया। वाराणसी के ऐतिहासिक और शैक्षणिक स्थलों का भ्रमण किया, जिसमें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, दशाश्वमेध घाट की दिव्य गंगा आरती, काशी विश्वनाथ मंदिर, माँ अन्नपूर्णा मंदिर त्रिदेव मंदिरए तुलसी संग्रहालय,संकटमोचन हनुमान मंदिर और सारनाथ शामिल थे। बनारसी साड़ियों और स्थानीय खानपान जैसे कि कचौड़ी.जलेबीए कुबेर का पानए काशी चाट और पहलवान की लस्सी जयपुरिया होटल के भोजन ने छात्र छात्राओं को खूब आकर्षित किया। साथ हीए यहां के संकरे गलियारों में घूमना और प्राचीन मंदिरों के दर्शन करना एक अनोखा अनुभव रहा। बनारस की यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहींए बल्कि एक सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक अनुभव भी है। यह शहर अपनी परंपराओंए भक्ति और कला के लिए सदियों से विश्वभर में प्रसिद्ध है जो बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करता रहेगा।इस यात्रा में प्रमुख रूप से वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता अगस्तमुनि त्रिपाठी,डॉ आशीष तिवारी संजीव निगम दीपाली शुक्ला सहित प्राध्यापक और बच्चे रहें।

फेयरवेल पार्टी में छात्र-छात्राओं ने मचाया धमाल

जागरण, सतना। श्री रामाकृष्णा कॉलेज ऑफ फार्मेसी करही में फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। कॉलेज के चेयरमेन श्री शम्मी पुरी और सभी विद्वानों ने मां सरस्वती के चरण कमलों में द्वीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

टेक्निकल विंग डायरेक्ट डॉ अग्निवेश अग्निहोत्री ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस फेयरवेल पार्टी में विद्यार्थी अपनी योग्यता और ज्ञान का परिचय देते हुए अपने सीनियर्स को खुशी के साथ विदा कर उनके सुखद भविष्य की कामना कर रहे हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को इस फेयरवेल के सफल आयोजन के लिए बधाई दी और नई राहें और नई दिशा में जाने की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। डीन फार्मेसी डॉ अमित पांडे ने कहा कि फार्मेसी कोर्स के बाद कई तरह के करियर के अवसर उपलब्ध हैंए जिनमें फार्मासिस्ट, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव, क्लीनिकल रिसर्च एसोसिएट, और फार्मास्युटिकल कंपनियों में विभिन्न पदों पर काम करना शामिल है। हम सभी आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। साथ ही विद्यार्थियों को कॉलेज में संचालित एमफार्मा कोर्स की जानकारी भी दी गई। जूनियर्स अपने सीनियर्स को विदाई देकर उनके भविष्य की मंगल कामना कर रहे हैं। यह उनका भावनात्मक लगाव है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कॉलेज प्रबंधन समिति द्वारा छात्र.छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पार्टी में बीफार्मा से मिस्टर फेयरवेल आदित्य सिंह और मिस फेयरवेल समृद्धि अग्रवाल को चुना गया। डीफार्मा से मिस्टर फेयरवेल शिवम सिंह और मिस फेयरवेल स्वाति रैकवार रहें। जबकि बीफार्मा से मिस ब्यूटीफुल ज्योति और मिस्टर हैंडसम जयप्रकाश। वहीं डीफार्मा मिस ब्यूटीफुल वंदना और मिस्टर हैंडसम सतेंद्र रहें। एकेडमिक में बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए बीफार्मा स्टूडेंट शिद्रा अफरोज को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

छात्र-छात्राओं को महंत दिव्य जीवनदास महाराज ने वितरित की पुस्तकें व गणवेश

जागरण, सतना। महंत शत्रुघन दास विद्या मंदिर केशवगढ चित्रकूट में अध्ययनरत छात्र- छात्राओं को विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी महंत दिव्यजीवन दास महराज के द्वारा निशुल्क पुस्तकें एवं गणवेश का वितरण किया गया . कुछ दिन पूर्व विद्यालय का परिक्षा परिणाम घोषित हुआ थाए परिक्षा परिणाम में अच्छे नंबर लाने वाले सभी छात्र छात्राओं को विद्यालय प्रबंधन द्वारा टिफिन सेट वितरण कर उत्साह वितरण किया गया . इस अवसर पर उपस्थित समाजसेवी शारदा द्विवेदी ने कहा कि प्राइवेट विद्यालय शिक्षा के नाम में अभिभावकों को लूट रहे हैए वहीं चित्रकूट केशवगढ का यह विद्यालय इस क्षेत्र के गरीब परिवारों के लिए बरदान साबित हो रहा है . इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अनिल कोटार्यए मंजू मैडम सहित समस्त विद्यालय स्टाप उपस्थित रहा . श्री महराज जी ने जल्द ही विद्यालय स्टाप को निशुल्क यूनीफार्म दिलाने की घोषणा की. तथा इस विद्यालय के कुछ छात्रों का परिक्षा परिणाम 90 प्रतिशत से अधिक आया हैए इसी प्रकार सभी बच्चों का परिणाम का लक्ष्य लेकर सभी को काम करना होगा . कार्यक्रम का समापन सर्व मंगल सामूहिक मंत्र से हुआ ।

शि.गो.शो.वा.काई डिस्ट्रिक्ट कराते चैंपियनशिप 20 को

जागरण, सतना। शि.गो. शो.वा.काई डिस्ट्रिक्ट कराते एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ हेमंत कुमार डेनियल एवं कमेटी के द्वारा यह जानकारी दी गई की 20 अप्रैल को शि.गो.शो.वा.काई डिस्ट्रिक्ट चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है यह प्रतियोगिता 20 अप्रैल 2025 दिन रविवार को सनातन धर्म परिसर कृष्णा नगर में आयोजित की जा रही है मध्य प्रदेश कराते संगठन के दिशा .निर्देशों का पालन करते हुए प्रतियोगिता संपन्न की जाएगी सतना जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन के अध्यक्ष शंभू चरण दुबे माया कराते क्लब के अध्यक्ष डॉ हेमंत कुमार डेनियल, उपाध्यक्ष विकास जौली, सचिव शिहान गुड्डू कनौजिया सर, टेक्निकल एडवाइजर सेन्साई चाहत केसरवानी, शिव चरित्र कुशवाहा एइम्तियाज भाई ,राम अवतार त्रिपाठी ,रुकमणी मिश्रा, मीनाक्षी नेमा, प्रशांत श्रीवास्तव ,वीरेंद्र सहायक सक्सेना, अमर कछवाहा, राजेश खत्री ,सुनील बाल्मीकि ,सतीश चौधरी ,रवि कुमार रुसिया कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हैं।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

सतना। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने गुरूवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

पहले किसानों को मुआवजे का हो भुगतान फिर निर्माण : रश्मि सिंह

सतना । ऊंचेहरा बिहटा में नहर निर्माण, विभाग द्वारा मनमानी ढंग से कराए जाने के विरोध किसानों की शिकायत पर डॉक्टर रश्मि सिंह स्थल पहुंचकर वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर तत्काल कार्य रुकवाकर किसानों के हित में निर्णय लिए जाने को कहा। और ठेकेदार द्वारा अवैध खनन कराए जाने को लेकर डॉक्टर रश्मि सिंह ने नाराजगी व्यक्त कर ऊंचेहरा एसडीएम से कार्यवाही के लिए कहा। ग्रामीणों की शिकायत रही कि नक्शविहीन गांव होने की वजह से ठेकेदार द्वारा मनमानी ढंग से नहर निर्माण कार्य किया जा रहा है। और किसानों से बिना पूछे ही अवैध खनन किया जा रहा।डॉक्टर रश्मि सिंह द्वारा किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए कहा गया जब तक किसानों का मुआवजा का भुगतान नहीं होगा और सही ढंग से कार्य नहीं होगा तक कार्य बंद रहेगा। प्रमुख रूप से प्रशासनिक अमला एवं सैकड़ों किसान उपस्थित

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री आज विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे

सतना। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल प्रवास के तीसरे दिन 18 अप्रैल को प्रात: 10.30 बजे विकासखण्ड मझगवां में मंदाकिनी नदी उद्गम स्थल भटवां ग्राम पंचायत तथा दोपहर 12 बजे नागौद में अमरन नदी उद्गम के स्थल (झिगोदर) में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पूजन एवं जन चर्चा कार्यक्रम में शामिल होंगे। मंत्री श्री पटेल दोपहर 1.45 बजे उचेहरा पहुंचकर अमर शहीद वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी जी की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम और दोपहर 3 बजे मैहर जिले के एकलव्य छात्रावास में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन में सम्मिलित होंगे। तदुपरांत मंत्री श्री पटेल सायं 5.30 बजे मैहर में मां शारदा देवी के दर्शन एवं पूजन करेंगे और सायं 6 बजे कार द्वारा मैहर से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

लेट कर कलेक्ट्रेट का घेराव करने पहुंचे कर्मचारी मांगा न्याय

सतना। सरकारी विभागों में काम करने वाले तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के अस्थाई आउटसोर्स कर्मचारियों ने न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर क्रांति आंदोलन का आगाज करते हुए कलेक्ट्रेट का घेराव कर 15.20 साल से चले आ रहे अन्याय को समाप्त कराने की मांग । अस्थाई कर्मचारी राजभान रावतए नत्थू कुशवाह भीषण गर्मी में सड़क पर पेट के बल चल कर न्याय की गुहार लगाने कलेक्ट्रेट पहुंचें। अस्थाई कर्मचारी मोर्चा के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ अमित सिंह के नेतृत्व में कर्मचारियों ने सिविल लाइन के चौपाटी पर सभा कर रैली निकाली और नौकरियों में लागू की गई अस्थाई आउटसोर्स प्रथा को समाप्त कराने के लिए जोरदार नारेबाजी की गई और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। पंचायत चौकीदार संघ के अध्यक्ष राजभान रावत एवं सहायक पटवारी सर्वेयर संघ के प्रदेश अध्यक्ष मनीष प्रताप सतनामी, मीटर वाचक संघ के अरुण गौतम,नगर निगम के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी मनीष पांडे, सहित टेली मेडिसिन लैब टेक्नीशियन आदि कामगार क्रांति आंदोलन मे शामिल हुए। वहीं आम आदमी पार्टी के मैहर जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंहए आम आदमी पार्टी सतना के जिला उपाध्यक्ष महिंद्र वर्धन सिद्धार्थ पप्पू एवं सुखेन्द्र सिंहएकर्मचारियों के बीच पहुंचकर आंदोलन का समर्थन करते हुए अन्याय के खिलाफचल रहे आंदोलन में हर कदम पर साथ देने का भरोसा दिया और वेतन संबंधी मांगों को भोपाल में उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाने और हल कराने की बात कही।

जनपद अध्यक्ष को धमकी देने का आडियो वायरल, एसपी से की शिकायत

अमरपाटन जनपद सीईओ पर अध्यक्ष ने लगाये आरोप

जागरण, सतना। जनपद पंचायत अमरपाटन में अध्यक्ष और सीईओ के बीच चल रहा विवाद थमने का नाम नही ले रहा। इसी बीच गुरूवार को सोशल मीडियॉ में एक आडियो वायरल हुआ है। जिसमें जनपद सीईओ अध्यक्ष को धमकी भरे लहजे में गोली चलने की बात कह रहे है। हालांकि आडियो की पुष्टि पुलिस करेगी मगर जनपद अध्यक्ष माया विनीत पाण्डेय ने पूरे मामले की शिकायत मैहर एसपी सुधीर अग्रवाल से की है। उन्होने एसडीओपी प्रतिभा शर्मा को भी शिकायत पत्र सौपते हुये सुरक्षा की मांग की है।

आडियो में कही ये बाते : वायरल आडियो में जो बात सामने आई है उसमें कहा जा रहा है कि गोली कहीं भी चल सकती है। चाहे वह टिकुरिया टोला हो या फिर जनपद अमरपाटन । जनपद सीईओ यह भी कहते सुने जा रहे है कि उनके विरूद्ध सम्पत्ति को लेकर जो शिकायत अध्यक्ष पति द्वारा की गई है वह ठीक नही है।

इनका कहना है: जनपद अध्यक्ष अमरपाटन माया विनीत पाण्डेय द्वारा सीईओ के विरूद्ध गोली चलाने की धमकी दिये जाने की शिकायत दर्ज कराई गई है। जिसकी जांच एसडीओपी को दी गई है। जांच कराकर कार्यवाही की जायेगी।

सुधीर अग्रवाल एसपी मैहर

जनपद अध्यक्ष द्वारा सीईओ के विरूद्ध की गई शिकायत की जांच मिली है जल्द ही जांच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जायेगी।

प्रतिभा शर्मा एसडीओपी अमरपाटन

कार्यालय नगर पालिक निगम सतना (म.प्र.)

N.I.T क्र 02 (E.T)/ रा.शा / न.पा.नि/2025-26 सतना दिनांक 16.04.2025

//निविदा आमंत्रण सूचना//

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सतना के क्षेत्रान्तर्गत धवारी आदिम जाति छात्रवास प्रथमतल की निर्मित दुकानों को मासिक किराए पर आबंटन हेतु लम्प-सम्प दर पर ऑनलाइन निविदा बुलायी जा रही है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	एन.आई.टी क्र व दि.	टे.क.	नाम/ स्थान	दुकान क्रमांक	साईज वर्गफिट	निर्धारित न्यूनतम मासिक किराया	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	02 /01 16.04.2025	2025_UAD _417224_1	धवारी आदिम जाति छात्रवास प्रथमतल की निर्मित दुकान	03	173.00	3,006/-	1000/-
2	02 /02 16.04.2025	2025_UAD _417225_1		08	173.00	3,006/-	1000/-

शर्तें :- 1. निविदा प्रपत्र वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर दिनांक 17.04.2025 समय 17:30 से दिनांक 16.05.2025 समय 17:30 बजे तक आनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेगा। 2. निविदा में संशोधन की सूचना वेबसाईट पर ही प्रकाशित की जावेगी, समाचार पत्र पर संशोधन की सूचना प्रकाशित नही की जावेगी।

सहायक आयुक्त
नगर पालिक निगम सतना म.प्र.

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना (म. प्र.) 485334

(मध्य प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित)
NAAC 'A++' ग्रेड विश्वविद्यालय

प्रवेश सूचना : 2025–26 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर, स्नातक एवं डिप्लोमा के नियमित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एम.पी.ऑनलाइन माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं

कृषि संकाय: प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश:– स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एम.एस–सी. एजी (कृषि प्रसार, मृदा विज्ञान, सस्य विज्ञान, उद्यानिकी–सब्जी विज्ञान, जैवरसायन)

कला संकाय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एम. एस. डबल्यू.,एम.एफ.ए.(पेंटिंग, एप्लाइड आर्ट, स्कल्पचर), एम.लिब.आई.एससी.,एम.ए. (ड्राईंग–पेन्टिंग), .एम.ए. (हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, राजनीति विज्ञान, इतिहास (संस्कृति व पुरातत्व), समाजशास्त्र, एप्लाईड–मनोविज्ञान, खेल एवं मनोविज्ञान, योग, एम.पी.ए. (तबला), स्नातक पाठ्यक्रम: बी.लिब.आई.एससी. बी.ए.(मानव चेतना और योग विज्ञान), बी.ए. (बी.ए.आनर्स/रिसर्च), बी.एस.डब्ल्यू., बी. एफ.ए.(पेंटिंग, एप्लाइड आर्ट, स्कल्पचर), बी.पी.ई.एस.(बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट), बी.पी.ए. (बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट–वोकल एवं तबला); डिप्लोमा/पी.जी. डिप्लोमा– पी.जी. डिप्लोमा. (योगा एण्ड नैचुरोपैथी) डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र, डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड, डिप्लोमा इन ज्योतिष

विज्ञान और पर्यावरण संकाय– स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एम.एस–सी. (प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रिमोट सेंसिंग एण्ड जीआईएस, पर्यावरण विज्ञान आद्यौगिक रसायन, भौतिकी, एप्लाइड भूविज्ञान, गणित, कम्प्यूटर सांइस), स्नातक पाठ्यक्रम: बी.एस–सी., (बी–एस.सी. आनर्स/रिसर्च), बी.सी.ए., (बी.सी.ए. आनर्स/रिसर्च), बी.एस–सी (एवीएशन सांइन्स), बी.एस–सी. (एरोनॉटिकल सांइन्स), बी.सी.ए. डिप्लोमा/पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम: डी.सी.ए., पी.जी.डी.सी.ए.

ग्रामीण विकास और व्यवसाय प्रबंधन संकाय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एम.कॉम., एम.ए. ग्रामीण विकास, एम.बी.ए. (कृषि व्यवसाय प्रबन्धन), एम.बी.ए. (ग्रामीण प्रबन्धन),एम.बी.ए. (लघु व्यवसाय प्रबन्धन), स्नातक पाठ्यक्रम: बी.बी.ए. (बी.बी.ए. आनर्स/रिसर्च), बी.बी.ए. (बी.बी.ए. आनर्स/रिसर्च–एवीएशन एण्ड हास्पीटेलिटी), (बी.बी.ए. आनर्स/रिसर्च– एवीएशन मैनेजमेन्ट), (बी.बी.ए. आनर्स/रिसर्च–एअरपोर्ट मैनेजमेन्ट), बी.कॉम. (बी.कॉम. आनर्स/रिसर्च), बी.कॉम. (बी.आइ.एफ.ए.), पी.जी. डिप्लोमा:– पी.जी.डी.एम.– एल.एस.सी.एम. (लोजेस्टिक एण्ड सप्लाई चैन मैनेजमेन्ट, डिजिटल बैंकिंग, ई.एक्स.आई.एम. (एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट मैनेजमेन्ट), टी.एच.एम. (टूरिज्म एण्ड हास्पिटलिटी मैनेजमेन्ट), आई.आर.एम. (इन्सोरेन्स एण्ड रिस्क मैनजमेन्ट),

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय:– स्नातक पाठ्यक्रम: बी. टेक. (फूड टेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, इन्फॉरमेशन टेक्नोलोजी, सिविल इंजीनियरिंग), बी. टेक. लैटरल इण्ट्री (थर्ड सेमेस्टर में– फूड टेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, इन्फॉरमेशन टेक्नोलोजी, सिविल इंजीनियरिंग) डिप्लोमा : डिप्लोमा इन केबिन क्रू, डिप्लोमा इन एअर पोर्ट ग्राउन्ड आपरेशन, डिप्लोमा इन ड्रोन आपरेशन,

दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र–स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एम.वोक. (कृषि संचालन और प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी) स्नातक पाठ्यक्रम: बी.वोक. (खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी)

- राज्य/केंद्र स्तरीय निकाय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश– बी.टेक. (सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी, सिविल इंजीनियरिंग, कृषि इंजीनियरिंग), एम.बी.ए. (कृषि व्यवसाय प्रबंधन, ग्रामीण प्रबंधन, लघु व्यवसाय प्रबंधन), बी.एड., एम.एड., बी.एल.एड., बी..एस–सी. (कृषि) आनर्स
- एन.टी.ए. के माध्यम से प्रवेश:– बी.ए.बी.एड., बी.एस.सी.बी.एड. बी.कॉम.बी.एड.

नोट–उपरोक्त सभी व्यावसायिक पाठ्यकमों में प्रवेश केन्द्रीय/राज्य स्तर के प्रवेश निकाय के माध्यम से किया जाता है। रिक्त सीटों को स्थानीय परामर्श द्वारा भरा जायेगा। बी.टेक. एवं एम.बी.ए. पाठ्यकमों की रिक्त सीटों में प्रवेश हेतु एम.पी. ऑन लाइन माध्यम से पंजीयन जारी रहेगा ।

महत्वपूर्ण तिथियां एवं आवेदन शुल्क

ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन पत्र की लिंक ओपन की उपलब्धता	–17 अप्रैल, 2025
आवेदन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि	–25 जून, 2025
सामान्य/ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए आवेदन/पंजीकरण शुल्क	–रू 600.00
मध्यप्रदेश के एससी/एसटी और सभी महिला अभ्यर्थियों के लिए आवेदन/पंजीकरण शुल्क	–रू 300.00
एम.पी. आनलाइन पोर्टल शुल्क	–रू. 150.00

प्रवेश परीक्षा : एम.एस.सी.(कृषि) प्रवेश परीक्षा केंद्र : विश्वविद्यालय परिसर , दिनांक – 30 जुलाई 2025

निर्देश
- उम्मीदवार एमपी ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से या इंटरनेट का उपयोग करके एमपी ऑनलाइन पोर्टल https://mgcgv.mponline.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।
- विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए निर्देश पात्रता , शुल्क आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं (web: www.gramodayachitrakoot.ac.in)
- स्नातकोत्तर में प्रवेश All India Common Entrance Test (CUET) 2025 एवं विश्वविद्यालय में प्रचलित प्रवेश प्रकिया के माध्यम से भी किया जायेगा।
- अन्य जानकारी के लिए छात्र निम्नलिखित नंबर पर संपर्क कर सकते हैं 07670–265394, 9695574093

कुलसचिव

सीधी जागरण
दैनिक जागरण रीवा 18 अप्रैल 2025 www.dainikjagranmpcg.com
11 राज्य 31 संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

सूर्य उदय - अस्त
06.24 अस्त : आज
05.40 उदय : कल

शहर का तापमान
38.0 0 अधिकत
22.0 0 न्यूनतम

कलेक्टर के प्रयासों से स्वीकृत हुए 25 हजार आवास

जागरण योजना

जिले में स्वीकृत किए गए 25879 प्रधानमंत्री आवास

कलेक्टर पीएम आवास की कर रहे हैं सतत निगरानी

जागरण, सीधी

जिले में आवासहीन परिवारों को पक्के आवास देने की प्रक्रिया कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर प्रारंभ हो गई है। जिला पंचायत एवं जनपद पंचायतों के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार कर ली गई है। जिसके तहत जिले में 25 हजार 879 आवास स्वीकृत किए गए हैं। जिन 25538 पात्र हितग्राहियों के पीएफएमएस से खाता सत्यापित हो चुके हैं उनके खातों में प्रथम किस्त की राशि भेजी जा चुकी है। जिले में जिन हितग्राहियों का विगत वर्ष प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना के तहत सर्वे हुआ था उन सभी पात्र हितग्राहियों को पीएम आवास वर्ष 2024-25 में दिया जा रहा है। जिले में जो पात्र हितग्राही प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना के सर्वे में छूट गए थे उनका नए सिरे से 20 अप्रैल तक सर्वे किया जाएगा। 17 अप्रैल तक आवास प्लस के नए सर्वे के तहत 1 लाख 47 हजार 342 हितग्राहियों का पंजीयन ग्राम पंचायतों से प्राप्त सूची के आधार पर किया गया। वहीं 3 हजार 719 हितग्राहियों के द्वारा ऑनलाइन पंजीयन किया गया है। जिले का कोई भी आवासहीन व कच्चे मकान धारक हितग्राही पक्के आवास से वंचित नहीं रहेंगे। सभी पात्र हितग्राहियों को पीएम आवास योजना के तहत आवास दिए जाएंगे। उक्त योजना से अपात्र व्यक्तियों को लाभान्वित न कर दिया जाए इस बात की सतत निगरानी की जा रही है। हालांकि अपात्र हितग्राहियों को पात्र करने के नाम पर ग्राम पंचायतों में के सरपंच, सचिवों के द्वारा 5 से 10 हजार रुपए सुविधा शुल्क लेने की बात सामने आ रही है। हितग्राही इसलिए चुप रहते हैं कि यदि वह शिकायत किए तो सरपंच, सचिव उनकी किस्त रुकवा देंगे। सरपंच, सचिव आवास प्लस के सर्वे के नाम पर भी ग्रामीण जनों से सुविधा शुल्क की मांग करते हैं। हालांकि जिला सीईओ इन सब बातों की सतत निगरानी कर रहे हैं।

पीएम जनमन आवास

रामपुर नैकिन	816
मझौली	1499
सिहावल	390
कुसमी	1366
सीधी	1441
कुल	5522

5522 आदिवासी परिवारों को मिला पीएम जनमन आवास

जिले में प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान पीएम जनमन के तहत 5522 परिवारों को आवास स्वीकृत हो चुके हैं। उक्त योजना के तहत 6116 आदिवासियों के सर्वे हुए थे। जिनमें से 5746 व्यक्तियों के नाम पंजीकृत किए गए थे। जिसमें से 5522 के आवास स्वीकृत हो चुके हैं। जिनमें 5449 आदिवासियों के खाते में आवास की प्रथम किस्त जा चुकी है तो वहीं 4789 द्वितीय, 7364 तृतीय किस्त भी जारी की जा चुकी है। जिले में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 2266 आदिवासियों के पक्के आवास बन चुके हैं। जिनमें सबसे ज्यादा कुसमी और सबसे कम सिहावल में बने हैं।

कुल पीएम आवास

रामपुर नैकिन	6269
मझौली	2685
सिहावल	7394
कुसमी	653
सीधी	8878
कुल	25879

आवास के नाम पर पैसा मांगने वालों पर होगी एफआईआर

प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना के तहत स्वीकृत हुए आवास स्वीकृत कराने के नाम पर व किस्त देने के नाम पर यदि कोई सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक या अन्य किसी व्यक्ति के द्वारा पेसे की मांग की जाती है तो उसकी शिकायत सीधे संबंधित जनपद के सीईओ अथवा जिला पंचायत सीईओ के पास हितग्राही कर सकते हैं। जांच के दौरान दोषी पाए गए सरपंच-सचिव अथवा रोजगार सहायकों के खिलाफ सीधे पुलिस प्रकरण दर्ज कराया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना में हितग्राहियों से कहीं-कहीं सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक सुविधा शुल्क की मांग कर रहे हैं। जिन हितग्राहियों के आवास स्वीकृत हो चुके हैं उनसे यदि कोई पैसे की मांग करता है। आवास प्लस सर्वे के नाम पर यदि कोई पैसे की मांग करता है तो इसकी शिकायत सीधे स्थानीय प्रशासन से की जा सकती है। प्रधानमंत्री आवास योजना में कलेक्टर के निर्देश पर पूरी तरह पारदर्शिता बरती जा रही है।

नरवाई प्रबंधन रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जागरण, सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कृषि विभाग के नरवाई प्रबंधन रथ को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नरवाई प्रबंधन रथ जिले के विभिन्न गांवों में जाकर किसानों को नरवाई जलाने के नुकसान और प्रबंधन के उपायों के बारे में जानकारी देगा और नरवाई न जलाने के लिए प्रेरित करेगा। कलेक्टर श्री सोमवंशी ने कहा कि इस नरवाई प्रबंधन रथ का उद्देश्य जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकना, पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना, खेतों की मिट्टी उपजाऊ बनाये रखना एवं जन धन हानि को रोकना है। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, कृषि विभाग के उप संचालक कृषि श्री संजय श्रीवास्तव, सहायक कृषि यंत्री सीधी योगराज सावरकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री श्रीवास्तव ने किसान भाइयों से अपील की है कि नरवाई जलाने से भूमि में अम्लीयता बढ़ती है, जिससे मृदा को अत्यधिक क्षति पहुँचती है। सूक्ष्म जीवाणुओं की सक्रियता घटने लगती है एवं भूमि की जलधारण क्षमता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। किसान भाई कम्बाईन हार्वेस्टर से कटाई के साथ ही भूसा बनाने की मशीन को प्रयुक्त कर यदि भूसा बनायेंगे तो पशुओं के लिए भूसा मिलेगा और फसल अवशेषों का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहेगी और पर्यावरण भी सुरक्षित होगा।

सहकारिता एवं उद्योग स्थायी समिति की बैठक 24 को

जागरण, सीधी। उप आयुक्त सहकारिता तथा सचिव सहकारिता उद्योग एवं स्थायी समिति ने जानकारी देकर बताया है कि सहकारिता एवं उद्योग स्थायी समिति जिला पंचायत सीधी के सभापति की सहमति से स्थायी समिति की बैठक दिनांक 23 अप्रैल 2025 को 12 बजे दिन से जिला पंचायत सीधी के सभागार में आयोजित की गई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत हो रही सफाई

जागरण, सीधी। राज्य शासन द्वारा तालाबों, जलाशयों, नदियों एवं अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण संवर्धन तथा पुनर्जीवन हेतु विशेष रूप से जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने जानकारी देकर बताया है कि जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले की मछुआ सहकारी समितियों द्वारा भी तालाबों, जलाशयों तथा जल स्त्रोतों के आसपास साफ-सफाई कर अपना योगदान दिया जा रहा है। उपरोक्त क्रम में आज मछुआ सहकारी समिति कुसियरा विकासखण्ड सीधी के सदस्यों द्वारा कुसियरा तालाब में साफ-सफाई का कार्य उत्साह पूर्वक किया गया।

रॉयल पब्लिक स्कूल के छात्रों ने किया अस्पताल का भ्रमण

जागरण, सीधी। रॉयल पब्लिक स्कूल चुरहट के विद्यार्थियों ने विद्यालय प्रबंधन के नेतृत्व में शासकीय अस्पताल का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक कार्यप्रणाली से अवगत कराना और उनमें सामाजिक संवेदनशीलता एवं सेवा भावना का विकास करना था। अस्पताल पहुंचने पर छात्रों का स्वागत डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा किया गया। इसके पश्चात उन्हें अस्पताल के विभिन्न विभागों जैसे ओपीडी बाह्य रोगी विभाग, इमरजेंसी, प्रसूति गृह, शिशु वार्ड, पैथोलॉजी लैब, एक्स-रे रूम, सोनोग्राफी यूनिट, ऑपरेशन थिएटर तथा फार्मेसी विभाग की सैर करवाई गई। इस दौरान विशेषज्ञ डॉक्टरों ने विद्यार्थियों को एक्स-रे मशीन, अल्ट्रासाउंड सोनोग्राफी, ईसीजी, ब्लड टेस्टिंग उपकरण एवं ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी दी। अस्पताल में डॉ. शिवेंद्र पटेल, भूपेंद्र सिंह, राकेश प्रजापति लैब टेक्नीशियन, चंद्रकांत तिवारी फार्मासिस्ट एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे एवं विद्यालय की ओर से संचालक राजेश कुमार गुप्ता, उप प्राचार्य राजेंद्र पटेल, दीपक सिंह, तौसीफ राजा, प्रवीण विश्वकर्मा, प्रीतेश कच्छवाहा, राहुल मिश्रा, स्मिता सिंह, साधना पटेल, पारुल पाण्डेय उपस्थित रहे।

सीधी पहुंची ग्रेट सम्राट अशोक समाज प्रवर्तन बाइक यात्रा

जागरण, सीधी। जबलपुर से विभिन्न जिलों में भ्रमण करती हुई ग्रेट सम्राट अशोक प्रवर्तन बाईक यात्रा में डॉ. देवबोधी सीधी पहुंचे। 20 अप्रैल तक उनकी यह यात्रा सीधी जिले के विभिन्न तहसीलो में भ्रमण कर समाज को जागरूक करने के साथ ही धर्म का प्रचार-प्रसार करेगी। राष्ट्रीय देशप्रेमी, कलाकार, मैजिशियन, नाटक, फिल्मों में अभिनव कर चुके डॉ. देवबोधी बहुआयामी प्रतिभा के धनी है। फिल्म अपहरण एवं मैजिशियन भैरवनाथ जो कि मुम्बई रंगभूमि से रजिस्टर्ड है उसमें अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं। देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, अंधश्रद्धा निर्माण, पर्यावरण संरक्षण तथा महापुरूषों के विचारों से लोगों को अवगत कराने के साथ ही डॉ. देवबोधी लोगों में भाईचारा स्थापित करने का कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के समस्त जिलों में 254 दिन भ्रमण करने वाली बाईक यात्रा जबलपुर से 23 जनवरी 2025 को महान सम्राट अशोक समाज प्रवर्तन संदेश लेकर रवाना हुई। प्रदेश के सभी जिलों में भ्रमण करने के पश्चात 12 अक्टूबर को भोपाल में एकता महाधिवेश में बाईक यात्रा का समापन होगा। अभी वर्तमान में जबलपुर से नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिण्डोरी, अनूपपुर, शहडोल, कटनी, मऊगंज, सिंगरौली होते हुये यह बाइक यात्रा सीधी पहुंची।

शहर/ग्रामीण अंचल की खबरें

रो.स. चदैनिया पर दर्ज होगा आपराधिक मुकदमा

जागरण, सीधी। प्रदेश सरकार द्वारा भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए नए-नए प्रयास किया जा रहे हैं कि भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जा सके लेकिन वही कुछ भ्रष्टाचारी ऐसे हैं जो सरकार की मंशा पर पानी फिरते हुए अपने व्यक्तिगत हित के लिए आम जनमानस के विकास कार्यों में अवरोध पैदा कर अपना स्वयं का विकास कर रहे हैं। प्रदेश के सीधी जिले के रामपुर नैकिन विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चदैनिया के रोजगार सहायक मनीष सिंह एवं उनके सह्योगी सह्देव गुप्ता द्वारा ऐसा खेल खेला गया कि सभी नियमों को बरकरार करते हुए हितग्राहियों की राशि स्वयं डकार गए। इस संदर्भ में ग्राम पंचायत के उप सरपंच धर्मेंद्र सिंह ने विभागीय कर्मचारियों को कई बार सूचित कियाकि इस प्रकार का भ्रष्टाचार हमारे ग्राम पंचायत में हुआ है लेकिन ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक एवं उनके सह्योगियों के ऊपर जिला प्रशासन किसी भी प्रकार की कार्यवाही ना कर सका। अंततः उप सरपंच धर्मेंद्र सिंह ने न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी चुरहट में इस भ्रष्टाचार के संदर्भ में परिवाद पत्र भारतीय न्याय दंड संहिता की धारा 166, 420, 467, 468, 200 के तहत दायर किया जिस पर न्यायिक मजिस्ट्रेट ने विगत दिनांक 28ण03ण् 2025 को परिवाद पत्र स्वीकार करते हुए चुरहट पुलिस को आदेश दिया कि प्रतिवेदन को ध्यान में रखते हुए प्रतिवादी के आवेदन के संदर्भ में अन्वेषण संबंधी आदेश किया जाना नया उचित प्रतीत होता है। अतः परिवाद पत्र की प्रति सलगन कर इस आशय का ज्ञापन थाना चुरहट को प्रेषित हो की कथित परिवाद के संबंध में विधिवत प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध कर अन्वेषण उपरांत अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें। न्यायालय के आदेश को एक माह के नजदीक होते हुए आ रहे हैं लेकिन अभी तक चुरहट पुलिस द्वारा अपना अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय के समक्ष पेश नहीं किया है।

गणेश स्कूल चुरहट में मनाया विश्व धरोहर दिवस

जागरण, सीधी। जिले के चुरहट स्थित श्री गणेश स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, अमरपुर में गुरुवार को विश्व धरोहर दिवस की पूर्व संध्या पर विविध कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के बीच चित्रकला, गायन, नृत्य और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बच्चों को पुरातत्व व ऐतिहासिक धरोहरों को संजो कर रखने की सलाह दी। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों के सुरक्षित रख रखाव का संकल्प ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के संचालक नीरज शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। श्री शर्मा ने इस दिन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को भारत में स्थापित विश्व धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से निश्चित रूप से विद्यार्थी विश्व की प्राचीनतम संस्कृति से अवगत हो पाएंगे एवं आयोजित प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता का विकास होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजकपूर चितेरा कला शिक्षक, अवतार कृष्ण संगीत शिक्षक और अंकिता सेन नृत्य शिक्षिका ने विशेष भूमिका निभाई। इस अवसर पर राहुल त्रिपाठी, पूर्णिमा सिंह, ब्रिजेश सिंह, सोनाली तिवारी, शेजल पाण्डेय, दीक्षा सिंह एवं प्रेरणा तिवारी सहित समस्त स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित थे।

तुअर फसल का उपार्जन 10 जून तक

जागरण, सीधी। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जिले के समस्त किसान भाईयों से अपील है कि वे अपने नजदीकी पंजीयन केन्द्र पर ई-उपार्जन पोर्टल पर खरीफ2025 में तुअर फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य 7550 पर विक्रय हेतु तुअर फसल का 20 अप्रैल 2025 तक पंजीयन करवाकर सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ लेवें। किसान तुअर फसल का पंजीयन जिले के निर्धारित 42 पंजीयन केन्द्रों पर कार्यालयीन समय में ई-उपार्जन पोर्टल पर निःशुल्क पंजीयन केन्द्रों-गिरदावरी किसान एपध्कियोस्क कॉमन सर्विस सेन्टर लोकसेवा केन्द्र पर किसान गिरदावरी एप से पंजीयन करवा सकते है। किसान के विगत वर्ष के पंजीयन में उल्लेखित आधार नबर, बैंक खाता, मोबाइल नंबर में किसी प्रकार के परिवर्तन संशोधन की आवश्यकता होने पर संबंधित दस्तावेज प्रमाण स्वरूप (जिनको देखकर पंजीयन किया जा सके) पंजीयन केन्द्र पर लाने होंगे।

कार्यालय जनपद पंचायत मझौली, जिला सीधी (म.प्र.)

क्रमांक/601/ज.पं./2025 मझौली, दिनांक 16.4.2025

विज्ञप्ति

इस कार्यालय के विज्ञप्ति क्रमांक 594 दिनांक 16.4.2025 के द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार जनपद पंचायत कार्यालय एवं क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न स्थलों पर वित्तीय वर्ष 2025-26 में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लिये आवश्यक टेंट सामग्री, माइक, डी.जे. सिस्टम, फोटोकापी, फोटोग्राफी/वीडियो सूटिंग, लंच पैकेट, मौर-मौरी, साड़ी-पेटीकोट-ब्लाउज, कुर्ता-पायजामा, वाहन किराये पर देने हेतु इच्छुक व्यक्ति/व्यवसायी जनपद पंचायत कार्यालय में दिनांक 21.04.2025 से 28.04.2025 तक कार्यालयीन समय 11.00 बजे सुबह से 03.00 बजे दोपहर तक (शासकीय अवकाश को छोड़कर) निविदा आवेदन पत्र शुल्क जमा कर बंद लिफाफे में निविदा जमा कर सकते हैं, बंद लिफाफा में प्राप्त निविदाओं को दिनांक 02.05.2025 को समय 02.00 बजे दोपहर समिति के द्वारा खोली जावेगी शेष शर्ते पूर्ववत रहेगी। निविदा की शर्ते कार्यालय में देखी जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत मझौली
जिला सीधी (म.प्र.)

जंगल में भीषण आग, वनरक्षक पर लापरवाही के आरोप

लापरवाही और ग्रामीणों को प्रताड़ित करने के लागाए गए गंभीर आरोप

जागरण, सीधी

जिले के कुसमी जनपद पंचायत अंतर्गत संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र के रूदा गांव में हाल ही में एक भीषण आगजनी की घटना ने पूरे जंगल को खाक कर दिया। जंगली जीव-जंतु, वनस्पतियां और पर्यावरणीय संतुलन को भारी क्षति पहुंची है। लेकिन इस दुखद घटना के बीच एक और गंभीर मामला सामने आया है। ग्रामीणों द्वारा वनरक्षक कालीरमन सिंह पर लापरवाही और उत्पीड़न के आरोप लगाए गए हैं। गांव के सरपंच बंशलाल सिंह ने खुलकर आरोप लगाए कि आगजनी की घटना के दौरान जब पूरा गांव जंगल बचाने की कोशिश कर रहा थाए तब वनरक्षक कालीरमन सिंह ने न तो आग बुझाने में कोई सहयोग दियाए न ही कोई सक्रियता दिखाई। इसके विपरीत उन्होंने बाद में ग्रामीणों को ही अनर्गल मामलों में फंसाने की कोशिश की। सरपंच ने बताया कि वनरक्षक का रवैया शुरू से ही तानाशाही भरा रहा है। वह ग्रामीणों को बिना कारण परेशान करते हैं और उन पर फर्जी कार्यवाहियां कराते हैं। रेंजर स्तर तक इसकी कई बार शिकायत की जा चुकी हैए लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। अगर अब भी प्रशासन ने हमारी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया, तो हम ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर होंगे, सरपंच बंशलाल सिंह ने चेतावनी दी। ग्रामीणों ने बताया कि जंगल उनकी जीवनरेखा है और उसे बचाने के लिए वे हमेशा आगे रहते हैं। लेकिन जब सरकारी पदों पर बैठे लोग ही अपने कर्तव्यों से विमुख हो जाएं और जनता को प्रताड़ित करने लगें, तो यह व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और क्या कालीरमन सिंह पर कोई कार्रवाई होती है या नहीं। फिलहाल ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है और संजय टाइगर रिजर्व की छवि पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

खाद्यान्न वितरण का लाभ लेने ई-केवाईसी अनिवार्य

ई-केवाईसी के लिए 30 अप्रैल तक चलेगा विशेष अभियान

जागरण, सीधी

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 अंतर्गत सीधी जिले में सम्मिलित 1044825 में से 777867 हितग्राही सदस्यो के ई-केवाईसी किए जा चुके है एवं सीधी जिले में 266953 हितग्राही सदस्यो की ई-केवाईसी दिनांक 30 अप्रैल 2025 तक करने के निर्देश भारत सरकार द्वारा दिये गये है। समय-सीमा में समस्त पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी नहीं होने पर शेष रहने वाले हितग्राहियों को वितरित खाद्यान्न पर भारत सरकार द्वारा अनुदान भुगतान कर रोक लगाया जाना संभावित है। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने निर्देशित किया है कि एनएफएसए अंतर्गत सम्मिलित शेष समस्त पात्र हितग्राहियों के ई-केवाईसी का लक्ष्य समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु गठित दल अनुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित की जाए। दिनांक 30 अप्रैल 2025 तक ई-केवाईसी करने का विशेष अभियान चलाया जाए। ई-केवाईसी से शेष हितग्राहियों की सूची पीओएस मशीन, स्थानीय निकाय जेएसओ लॉगिन पर उपलब्ध है, जिसका प्रिंट निकाल कर ग्राम पंचायत कार्यालय तथा उचित मूल्य दुकान पर प्रदर्शित कराया जाए। ई-केवाईसी करने हेतु गठित दल द्वारा ग्रामवार व मोहल्लेवार कैम्प लगाकर हितग्राहियों के ई-केवाईसी किए जाए एवं ग्राम व मोहल्ले में शेष समस्त हितग्राहियों के ई-केवाईसी करने के उपरांत ही अन्य ग्राम व मोहल्ले में कैम्प आयोजित किए जाए। ई-केवाईसी के दौरान परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु होने, स्थाई रूप से प्रवास पर जाने (विवाह आदि कारणों से) एवं डुप्लीकेट होने पर एम राशन मित्र पोर्टल पर स्थानीय निकाय के लॉगिन से विलोपन हेतु प्रविष्टि की जाए। पात्र हितग्राहियों को ई-केवाईसी कराने हेतु जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उचित मूल्य दुकानों पर लगाई गई पीओएस मशीन से पात्र हितग्राहियों के ई-केवाईसी करने की निःशुल्क सुविध उपलब्ध है। पात्र हितग्राहियो के डाटाबेस में त्रुटिपूर्ण अन्य व्यक्ति का आधार नम्बर दर्ज होने पर सही आधार नम्बर दर्ज करने की सुविधा पीओएस मशीन में उपलब्ध है। त्रुटिपूर्ण आधार नम्बर के स्थान पर सही आधार नम्बर दर्ज करने की सुविधा एक समय के लिए दी गई है। उचित मूल्य दुकान के विक्रेता द्वारा हितग्राही के किए गए ई-केवाईसी का सत्यापन एम राशन मित्र पोर्टल पर जेएसओ लॉगिन से किया जाये। ई-केवाईसी से शेष हितग्राहियों की सूची पीओएस मशीन स्थानीय निकाय जेएसओ लॉगिन पर उपलब्ध है, जिसका प्रिन्ट निकालकर अभियान हेतु नियुक्त दल के सदस्यों को संबंधित कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई जाए। ग्राम एवं मोहल्ले में ई-केवाईसी से शेष हितग्राहियो की संख्या तथा स्थानीय परिस्थिति अनुसार कैम्प आयोजन की अवधि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा निर्धारित की जाए।

कलेक्ट्रेट परिसर में पक्षियों के लिए पानी की हुई व्यवस्था

जागरण, सीधी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से सम्बध्द रश्मि दिव्यांग सेवा समिति के द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए पानी हेतु सकोरे वृक्षों पर टागे गए। सकोरों में पानी डाल कर शुभारम्भ कृष्णकांत द्विवेदी साशी निकाय सदस्य मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, डॉ अजय मिश्रा सामाजिक कार्यकर्ता एवं संचालक ज्योत्सना ग्रुप सीधी, पंकज पांडे, जितेंद्र गुप्ता, शिवदत्त उर्मलिया जिला समन्वयक द्वारा किया गया। सकोरे की व्यवस्था होने से बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझेगी और उन्हें पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। जिला समन्वयक मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद शिवदत्त उर्मलिया ने कहा कि गर्मियों के मौसम में घर के बाहर, छत पर या बालकनी में पक्षियों के लिए पानी जरूर रखें।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत हो रही विभिन्न गतिविधियां

जनपदवार ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजन हेतु कैलेण्डर जारी

जागरण, सीधी

मप्र शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल के निर्देशों के परिपालन में पूरे जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण एवं संवर्धन के तहत चिन्हित कार्यों को अभियान अवधि में संपादित करने, पूर्व से प्रचलित कार्यों का पूर्ण कराने तथा नवीन कार्यों को स्वीकृत करने के साथ-साथ जन भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक म.गा.रा.ग्रा.रो.गा. योजना जिला सीधी द्वारा समस्त जनपदों में ग्राम पंचायतवार कार्यक्रम आयोजन हेतु दिनांक 17 अप्रैल 2025 से 29 जून 2025 तक तिथि निर्धारित करते हुए जिला एवं खण्ड स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी हेतु शैलेश कुमार पाण्डेय परियोजना अधिकारी मनरेगा जिला पंचायत सीधी को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का गठन किया है जो प्रतिदिवस समस्त जनपदों के अति. कार्य. अधिकारीध्सहायक यंत्री/उपयंत्रियों से संपर्क कर प्रगति की जानकारी संकलित कर रहा है तथा प्रगति की समीक्षा प्रतिदिवस मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा की जा रही है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा बताया गया कि शासन के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा अमृत सरोवर, तालाब, खेत तालाब, लघु तालाब, चौक डेम/स्टाप डेम, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग, कुंआ, रिचार्ज साफ्ट सहित अन्य जल संरक्षण के कार्य किये जावेंगे। इस अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ-साथ जल संसाधन विभाग, उद्यान विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग, पशु पालन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, उद्योग विभाग, पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग, जन अभियान परिषद तथा जन संपर्क विभाग सहभागी हैं।

जालपा वार्ड के सामुदायिक भवन में नवनिर्मित द्वितीय तल का हुआ लोकार्पण

पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए रियायती दर पर उपलब्ध होगी बेहतर सुविधा

जागरण, कटनी। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए बुधवार को जालपा देवी वार्ड में 55 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक भवन के द्वितीय तल का लोकार्पण जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में स्थानीय वयोवृद्ध श्रीमती सत्यवती खंपरिया से कराया जाकर नगारिकों को सामुदायिक भवन सौंपा गया। कार्यक्रम में महापौर द्वारा जालपा देवी वार्ड में लगभग 8.10 लाख रूपये से अधिक की लागत से निर्मित होने वाले विभिन्न विकास कार्यों की सौगात भी नागरिकों को दीं गई। नागरिकों को सामुदायिक भवन के विस्तार की सौगात देने पहुंची महापौर ने बताया कि नागरिकों को पारिवारिक छोटे-मोटे कार्यक्रमों को रियायती दर पर सुविधापूर्ण तरीके से संपन्न करानें हेतु निगम प्रशासन द्वारा जालपा देवी वार्ड में 55 लाख रूपये की लागत से प्रथम तल पर एक बड़ा हॉल सहित छत पर कमरे रसोई घर का निर्माण कराया गया है। यह सामुदायिक भवन महिलाओं एवं पुरूषों के प्रथक प्रथक अत्याधुनिक लेट बाथ, टाइल्स, एडजेस्ट स्लाईडिंग खिड़कियो सहित फ्लर्ड लाईट की सुविधा से परिपूर्ण है। चारों और से ओपन स्पेस होनें के कारण भवन में वेंटीलेशन की भी पर्याप्त सुविधा है। कार्यक्रम के दौरान पार्षद डॉ रमेश सोनी और स्थानीय नागरिकों ने इस जनोपयोगी सौगात के लिए महापौर श्रीमती सूरी का पुष्पमाला से स्वागत कर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इस भवन के माध्यम से न्यूनतम शुल्क पर अच्छी सुविधा मिलने की बात कही। पार्षद श्री सोनी ने बताया कि जालपा देवी वार्ड में नागरिकों की सुविधा हेतु पूर्व में निगम प्रशासन द्वारा लगभग 40 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन के भूतल का निर्माण कराया गया था। नागरिकों की आवश्यकता और सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए वर्तमान में इस भवन में प्रथम तल के निर्माण कार्य के अतिरिक्त पूर्व निर्मित भूतल के कक्षों की दीवारों में टाइल्स, वेंटीलेशन हेतु एडजास्ट एवं लाइटिंग आदि का कार्य कराए जाने से नागरिकों को और भी बेहतर सुविधा इस सामुदायिक भवन के माध्यम से मिल सकेगी।

निर्माण कार्यो की दी सौगात : सामुदायिक भवन लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान जालपा देवी वार्ड पहुंची महापौर श्रीमती सूरी ने वार्ड के नागरिकों को अन्य निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की सौगात देकर उन्हें और भी खुश कर दिया। इस दौरान महापौर ने जालपा देवी वार्ड में 2.35 लाख की लागत से मुक्ति ध्वज निर्माण सहित दो स्थलों पर सीसी नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों की मौजूदगी में उत्साहपूर्ण माहौल में किया। जालपा देवी मंदिर पहुंच मार्ग में मुक्ति ध्वज का निर्माण होने से जहां चौराहे का सौदर्यीकरण होगा। वहीं 4.25 लाख रूपये की लागत से वार्ड निवासी लच्छू सिंधी के मकान से गौतम मोहल्ला तक एवं 1.50 लाख रूपये की लागत से रमेश सोनी के घर से रमाशंकर जी के घर तक नाली निर्माण कार्य किया जाएगा। इस दौरान महापौर ने निर्माणाधीन स्थलों का निरीक्षण कर नागरिकों से सुगम यातायात एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था हेतु नाली के ऊपर की पट्टी, रेलिंग, चीप आदि को स्वेच्छा से अलग कर निर्माण कार्य के दौरान निगम प्रशासन का सहयोग प्रदान करने का आग्रह भी किया।

जिला अस्पताल के शिशु वार्ड में लगे तीन दर्जन कैमरे नहीं हुए चालू

कटनी। शासकीय अस्पताल परिसर के एमसीएच बिल्डिंग में कुल 28 कैमरे लगे हैं सभी कैमरे बंद हैं। एमसीएच बिल्डिंग के बंद पड़े सभी 28 सीसीटीव्ही कैमरे संबंधित से चालू कराये जाने पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर तक ने पत्राचार किया है लेकिन जिला अस्पताल प्रबंधन द्वारा लापरवाही के चलते आज तक इस ओर कोई कदम नहीं उठाया गया।

नोटिस अंतर्गत धारा 138 लिखित परकाम्य अधिनियम

अजीत सिंह पिता श्री महेन्द्र सिंह उम्र 39 वर्ष ग्रा.पो. बहेराडाबर थाना तह. जिला मऊगंज म.प्र. ... नोटिसतादा

बनाम

प्रमोद कुमार मिश्रा पिता उग्रभान मिरा उम्र 44 वर्ष निवासी ग्रा.पो. पटेहरा थाना मऊगंज तह. हनुमना जिला मऊगंज म.प्र. ...नोटिसग्रहीता

मेरा पक्षकार मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर लैखिक एवं मौखिक जानकारी देते हुए नोटिस देने एवं सक्षम न्यायालय में मामाला प्रस्तुत करने हुतु अधिकृत किया है। तदानुसार आपकी ओर नोटिस सूचना भेजी जा रही है।

नोटिस के आधार निम्न है :

यह कि मेरा पक्षकार हाईवा वाहनों का रजिस्ट्रड स्वामी है एवं मटेरियल सप्लाई का कार्य करता है। आप नोटिस ग्रहिता शासकीय विभागों में ठेकेदारी का कार्य कारते हैं। आप द्वारा समय-समय पर आवश्यकतानुसार मेरे पक्षकार से मटेरियल लिया जाकर विभागों से बिल भुगतान पश्चात मेरे पक्षकार का भुगतान कर दिया जाता रहा है। आप द्वारा पुन: मेरे पक्षकार से 8,00,000 (आठ लाख) का मटेरियल लिया जाकर केनरा बैंक शाखा मऊगंज का चेक भुगतान हेतु दिया गया था जो चेक आपके खाते में राशि न होने से दिनांक 24.03.2025 को क्लियर नहीं हुआ, जिसकी सूचना आपको दूरभाष के माध्यम से दी गई, लेकिन आप द्वारा भुगतान में कोई रूचि नही दिखाई जा रही है। रजिस्टर्ड नोटिस भी आपके पते पर भेजी गई, किन्तु इस टीप के साथ वापस हो गई कि "प्राप्तकर्ता" घर पर नहीं मिले।

अत: दैनिक समाचार पत्र प्रकाशन के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि आप 15 दिवस के अन्दर मेरे पक्षकार की राशि अदाकर रशीद प्राप्त कर लेवे, अन्यथा आपके विरूद्ध सक्षम न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया जावेगा, नोटिस की द्वितीय प्रति मेरे कार्यालय मे रखी हुई है, किसी भी कार्यालयीन समय में देखी व पढ़ी जा सकती है।

नोटिसदाता
अरूण कुमार मिश्रा (अधिवक्ता)
अपर जिला एवं सत्र न्यायालय मऊगंज

RN 82216

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 56/विशेष विवाह/2025
रीवा, दिनांक 6/02/2025

इश्तहार

आवेदक पुष्पेन्द्र कोरी तनय श्री नीलेश कोरी, उम्र-24 वर्ष, निवासी-ग्राम त्योंधरी नं. 1, थाना व तहसील-अमरपाटन जिला सतना म.प्र. आवेदिका प्रीती कोरी पिता श्रीराम आशीष कोरी, उम्र-24 वर्ष, निवासी-ग्राम व पो.-पैपखरा, थाना चोरहटा, तहसील हुजूर जिला रीवा म.प्र. के द्वारा उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत विवाह अनुष्ठान हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, अंकसूची की छायाप्रति, निवास प्रमाण पत्र एवं 100/-रु. चालान प्रस्तुत किया गया है, जो विचाराधीन है। अत: उक्त विवाह अनुष्ठान के सम्बंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति स्वत: अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि को उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

पेशी दिनांक-19/5/25

विवाह अधिकारी
जिला रीवा (म.प्र.)
आर.एन. 82219

नाम सुधार सूचना

मैं रीता देवी पति स्व. श्री देवतादीन साकेत आयु 50 वर्ष निवासी ग्राम डाडी बजरंग सिंह, पो. फूल तह. नईगढ़ी जिला रीवा म.प्र. की स्थायी निवासी हूँ। मेरा आधार नं. 874966941056 है और शपथ पूर्वक कथन करती हूँ की मेरे पति देवतादीन साकेत के नाम से एच.डी.एफ.सी. इंश्योरेंस में पॉलिसी नं. 23461055 है जिसमे नामनी के रूप में मेरा नाम श्रीमती रीता साकेत पति श्री देवतादीन साकेत दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड, पेड कार्ड एवं बैंक खाता में मेरा नाम रीता देवी अंकित है जोकि सही एवं सत्य है। मेरे पति श्री देवतादीन का निधन 16.02.2025 को हो गया है। उक्त पॉलिसी की समस्त राशि मेरे बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया जाये।

श्रीमती रीता देवी

कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा संभाग रीवा (म.प्र.)

दूरभाष 07662-256635 ई-मेल jddpirew-mp@nic.in
क्रमांक/प्रशिक्षण/2025/189 रीवा, दिनांक 15/04/2025

विज्ञप्ति/निविदा

रीवा संभाग अंतर्गत समस्त हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल में राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशानुसार वर्ष भर शिक्षकों का आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण संभाग स्तर पर दिया जाना है यह प्रशिक्षण आवसीय होंगे। अत: दरी, गद्दा, तकिया एवं अन्य सामग्री तथा भोजन एवं नाश्ता व्यवस्था हेतु पंजीकृत फर्मो से सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। संबंधित फर्म विज्ञापन जारी दिनांक से दिनांक 05.05.2025 तक कार्यालय समय 6.00 बजे तक सीलबंद निविदा कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा संभाग रीवा में प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा दिनांक 07.05.2025 को कार्यालय समय में गठित समिति के निगरानी में संबंधित फर्मो के समक्ष खोली जायेगी।

संयुक्त संचालक लोक शिक्षण
रीवा संभाग रीवा (म.प्र.)

खनिज के अवैध परिवहन और भंडारण करने पर हुई कार्यवाही

छतरपुर। जिला प्रशासन छतरपुर द्वारा जिले में अवैध रूप से खनिज भण्डारण और परिवहन पर लगातार कार्यवाहियां कर शिकंजा कसा जा रहा है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल द्वारा विगत बुधवार को 5 अनावेदकों के खिलाफ अवैध रूप से उत्खनन, परिवहन व भंडारण करने पर खनिज विभाग में दर्ज प्रकरणों में प्रतिवेदन के आधार पर कुल 1 लाख 66 हजार 322 रुपए राशि की पेनाल्टी अधिरोपित कर सम्बन्धित को पेनाल्टी राशि जमा कराने के आदेश दिए गए है। जिसके अंतर्गत सभी अनावेदक के वाहन ट्रेक्टर द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण परिवहन करते पाए जाने पर वाहन जब्त कर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन, तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के नियम 18 (2) के उप-नियम (1) के प्रावधानों के अंतर्गत निराकरण के लिए प्रतिवेदन प्राप्त हुआ था। उक्त सम्बन्धित पर प्रकरण दर्ज कर संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। जिसके जवाब अनावेदक वाहन चालकों ने उपस्थित होकर दिए और बगैर ईटीपी खनिज उत्खनन, परिवहन व भंडारण के अपराध को स्वीकार किया। उपरोक्त प्रकरणों में कलेक्टर श्री जैसवाल द्वारा सम्बन्धित के विरुद्ध पेनाल्टी राशि अधिरोपित कर अनावेदक वाहन चालकों द्वारा अर्थशास्ति व प्रशनन की राशि का भुगतान कर देने के उपरांत प्रकरण का प्रशमन कर वाहन मुक्त करने का खनिज विभाग को निर्देश दिया है।

नाम सुधार सूचना

मैं राघवेन्द्र कुमार साकेत पिता स्व. श्री देवतादीन साकेत आयु 28 वर्ष निवासी ग्राम डाडी बजरंग सिंह, पो. फूल तह. नईगढ़ी जिला रीवा म.प्र. का स्थायी निवासी हूँ। मेरा आधार नं. 234069425172 है और शपथ पूर्वक कथन करता हूँ की मेरे पिता श्री देवतादीन साकेत के नाम से एच.डी.एफ.सी. लाईफ इंश्योरेंस में पॉलिसी नं. 20884927 है जिसमे नामनी के रूप में मेरा नाम राघवेन्द्र साकेत पिता श्री देवतादीन साकेत दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड, पेड कार्ड एवं बैंक खाता में मेरा नाम राघवेन्द्र कुमार साकेत अंकित है जोकि सही एवं सत्य है। मेरे पिता श्री देवतादीन का निधन 16.02.2025 को हो गया है। उक्त पॉलिसी की समस्त राशि मेरे बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया जाये।

राघवेन्द्र कुमार साकेत

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उग्र प्रदर्शन, बैरिकेड तोड़ कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए छतरपुर कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड तोड़ दिए और अंदर घुसकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस की शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई का विरोध था। कांग्रेसजनों का कहना है कि भाजपा सरकार सत्ता का दुरुपयोग करते हुए विपक्ष को दबाने का प्रयास कर रही है। इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष महाप्रसाद पटेल ने कहा कि, यह प्रदर्शन राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा विपक्ष के साथ दुर्भावनापूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है, और छतरपुर के कांग्रेस कार्यकर्ता इसके खिलाफ हैं। हम लोग ऐसे ही शांत नहीं बैठेंगे। पूर्व विधायक नीरज दीक्षित ने भी भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि ईडी का दुरुपयोग करके विपक्ष को डराया जा रहा है। लोकसभा में जो भी जनता के मुद्दे उठाए जाते हैं, सरकार उन्हें दबाने का प्रयास करती है। इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की और केंद्र सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। इस मौके पर अनीस खान, प्रवक्ता संतोष तिवारी, दीपांशु यादव, सरमनलाल मिश्रा, सुशील शिवहरे, राजेश असाटी, हरनारायण यादव, राकेश सिंह, दिलीप क्षत्रिय, अदित सिंह, मनीष मिश्रा, अवधेश सोनकिया, आदर्श रावत, रमेश दुबे, महिला कांग्रेस की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

In The Court Of I Civil Judge Class-I, District, Court Rewa
Presiding Officre : अरुण सिंह
(आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक)
(MJC SUC/0000031/2024)
राजकुमारी कोल..........आवेदक
बनाम
सेनानी 35वीं भार वाहिनी विसबल मण्डला..........अनावेदक
Process Id-/2025
पेशी दिनांक 07/05/2025

प्रेषिती- 1. हर आम व खास पता-जिला रीवा म.प्र. 2. आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजकुमारी कोल पता ने मृतक श्री सौखीलाल कोल निवासी बगदरा पो. मनकहरी अजिगरहा मार्ग सगरा रीवा जिला रीवा म.प्र. की राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 07 मई 2025 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 07 मई 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 07 अप्रैल 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मुहर
अरुण सिंह
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश
वरिष्ठ खण्ड रीवा (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें:- यदि किसी कारणवश उक्त तिथ को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
आर.एन. 82218

कार्यालय वनमंडलाधिकारी, वनमण्डल सा० रीवा (म.प्र.)
जयन्ती कुंज, झिरिया, रीवा
E-Mail- dfot.rwa@mp.gov.in , Phone- 07662- 251335

क्रमांक/भण्डार/ 3394 रीवा, दिनांक 15.04.25
प्रति,

ई-निविदा सूचना

मुख्य वन संरक्षक कार्यालय रीवा/वनमण्डल कार्यालय रीवा अन्तर्गत एवं विभिन्न परिक्षेत्रों में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उपयोग होने वाली स्टेशनरी एवं कम्प्यूटर से संबंधित सामग्री की आपूर्ति हेतु ई-निविदा एम0पी0 टेण्डर पोर्टल में www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है:-

Tender Sale Start Date -	16.04.2025	Time 02:00 PM
Bid Submission Start Date -	16.04.2025	Time 02:30 PM
Bid Submission Closing Date -	22.04.2025	Time 03.00 PM
Bid Opening Date -	23.04.2025	Time 04:00 PM

1. इच्छुक व्यापारीगण/संस्था ई-निविदा संबंधी संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाइट पर प्राप्त करें। निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र प्राप्त हो सकेगा।
2. निविदा प्रपत्र शुल्क एवं एवं ई.एम.डी. की राशि ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त की जायेगी। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
3. उक्त निविदा हेतु निर्धारित फार्म एवं विस्तृत शर्तों की जानकारी www.mptenders.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

G-11675/25

(लोकेश निरापुरे भा.व.से.)
वनमण्डलाधिकारी
वनमण्डल (सा.) रीवा

कार्यालय वनमंडलाधिकारी, वनमण्डल सा० रीवा (म.प्र.)
जयन्ती कुंज, झिरिया, रीवा
E-Mail- dfot.rwa@mp.gov.in, Phone- 07662- 251335

क्रमांक/भण्डार/ 3404 रीवा, दिनांक 16/04/25
प्रति,

ई-निविदा सूचना

वनमण्डल रीवा अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए विभिन्न परिक्षेत्रों (रीवा, सेमरिया, सिरमौर, अतरैला, डभौरा, चाकघाट, मऊगंज एवं हनुमना) अंतर्गत शासकीय कार्यों के उपयोग हेतु/वन सुरक्षा/सघन गश्ती एवं वरिष्ठ अधिकारियों के वन भ्रमण हेतु मासिक किराये पर वाहन लेने बावत् ई-निविदा एम0पी0 टेण्डर पोर्टल में www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है:-

Tender Sale Start Date -	16.04.2025	Time 02:30 PM
Bid Submission Start Date -	16.04.2025	Time 03:00 PM
Bid Submission Closing Date -	22.04.2025	Time 03.00 PM
Bid Opening Date -	23.04.2025	Time 04:00 PM

1. इच्छुक व्यापारीगण/संस्था ई-निविदा संबंधी संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाइट पर प्राप्त करें। निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र प्राप्त हो सकेगा।
2. निविदा प्रपत्र शुल्क एवं एवं ई.एम.डी. की राशि ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त की जायेगी। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
3. उक्त निविदा हेतु निर्धारित फार्म एवं विस्तृत शर्तों की जानकारी www.mptenders.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

G-11674/25

(लोकेश निरापुरे भा.व.से.)
वनमण्डलाधिकारी
वनमण्डल (सा.) रीवा

कार्यालय संयुक्त संचालक नगरीय एवं विकास रीवा संभाग रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/यां.प्र./2025/687 रीवा दिनांक 15/04/2025

।। निविदा सूचना ।।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि, कार्यालय संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास रीवा संभाग रीवा (म.प्र.) द्वारा मोबाइल टेस्टिंग लैब हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	धरोहर राशि रुपये में	निविदा फर्म शुल्क	श्रेणी	समयावधि कार्यादेश से
1	2	3	4	5	6	7
1.	01 नग वाहन Mahindra Bolero Pickup 1.7 Ton किराये पर लगाया जाना है (रीवा संभाग हेतु); 01 नग वाहन Mahindra Bolero Pickup 1.7 Ton किराये पर लगाया जाना है (शहडोल संभाग हेतु) (कुल 02 नग वाहन)	6.00 लाख	6000.00 रु.	2000.00 रु.	-	15 दिवस के अंदर

शर्ते :- 1. निविदा प्रपत्र का मूल्य वेवसाइट http: www.mptender.gov.in पर भुगतान करने के उपरांत निविदा (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगें। **2.** ऑनलाईन निविदा प्रपत्र 17.04.2025 से 05.05.2025 सायं 5.00 बजे तक खरीदे जा सकेगें। **3.** ऑनलाईन बिड सबमिट करने की अंतिम तिथि 05.05.2025 सायं 6.00 बजे तक है। **4.** निविदा दिनांक 06.05.2025 को दोपहर 12.00 बजे खोली जावेगी। **5.** रीवा एवं शहडोल संभाग हेतु टेण्डर आई.डी. 2025_UAD_417459_1 पर डाली जा सकती है। वाहन किराये पर 01 वर्ष के लिये रखा जाना है। अवधि बढ़ाई या घटाई जा सकती है। **6.** संबंधित निविदाकार को अपनी दरें GST (Goods & Services Tax) छोडकर प्रस्तुत करना होगा। **7.** समस्त दस्तावेज आनलाईन ही प्राप्त किये जायेंगे। **8.** निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत के सभी अधिकार कार्यालय प्रमुख को रहेंगे। **9.** वाहन किराये पर लगाए जाने हेतु निविदा में वाहन की दर प्रतिवाहन की दर से प्रस्तुत किया जावे।
नोट : 1. निविदा मे किसी भी प्रकार के संशोधन की स्थिति में केवल ऑनलाईन संशोधन किया जायेगा समाचार पत्रों में नहीं।

संभागीय कार्यपालन यंत्री
नगरीय प्रशासन एवं विकास
रीवा संभाग रीवा (म.प्र.)

कार्यालय जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)
प्रथम वार्षिक ई-निविदा आमंत्रण वर्ष 2025-26

केन्द्रीय जेल रीवा एवं सर्किल के अंतर्गत आने वाली जिला जेल -सीधी, शहडोल, उमरिया, सिंगरौली, अनूपपुर सब जेल ब्यौहारी, बुढ़ार, मऊगंज एवं त्योंथर में परिरुध्द बंदियों के उपयोग हेतु केन्द्रीय जेल रीवा में संचालित उद्योग इकाई के बुनाई अनुभाग पॉवर लूम /हैण्डलूम में कपड़ा निर्माण हेतु लगने वाले विभिन्न प्रकार के सूत क्रय करने हेतु प्रथम वार्षिक ई-निविदा वर्ष 2025-26 www.mptenders.gov.in पर दिनांक- 08/05/2025 को सायं 05:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारीगण ई-निविदा फार्म एवं ई-निविदा से संबंधित संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाइट से प्राप्त करें। ई-निविदा सम्बंधी तिथि विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	विवरण	दिनांक/ समय	स्थान
1.	प्री- बिड मीटिंग	21/04/2025 प्रात: 11:00 बजे	केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)
2.	ई- निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि (निविदा फार्म का मूल्य रुपये 05.00 लाख तक रुपये 500.00 एवं रुपये 05.00 लाख से अधिक रुपये 1000.00 लेखा शीर्ष 0056 जेलें 800 अन्य प्राप्तियों में जमा की जावेगी।)	07/05/2025 सायं 05:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
3.	ई- निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	08/05/2025 सायं 05:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
4.	सेम्पल /नमूना जमा करने की अंतिम तिथि	09/05/2025 सायं 05:00 बजे तक	केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)
5.	तकनीकी निविदा एवं आवश्यक दस्तावेज खोलने की अंतिम तिथि	10/05/2025 प्रात: 11:00 बजे	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
6.	वित्तीय ई- निविदा खोलने की तिथि	13/05/2025 प्रात: 11:00 बजे	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।

नोट:- व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि ई- निविदा के नियम व शर्तों का पालन करना अनिवार्य है तथा निविदा की समस्त जानकारी www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर प्राप्त की जा सकती है।

G-11678/25

जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

आवश्यकता है

दीपाली टाइल्स को रिसेप्सनिष्ट की योग्यता ग्रेजुएट टैली अनिवार्य वेतन 7000 रूपये प्रतिमाह शाप टाइम सुबह 10 से शांय 7:30 तक संपर्क सूत्र
मो. 9406752516, 8770797938
पता: न्यू बस स्टैण्ड टी.वी.एस. एजेन्सी के बगल में रीवा (म.प्र.)
RN 80567 (19.4)

लेकसिटी हॉस्पिटल
LAKECITY HOSPITAL — CARING PARTNERS
बी-27, कस्तूरबा नगर, चेतक ब्रिज के पास, भोपाल (म.प्र.)
e-mail: lakecityhospital@gmail.com | www.lakecityhospital.net
www.youtube.com/dranandjayantkale
+91 9111933376, +91 95229 69980
जले मरीजों के विकृतियों (contracture) जैसे हाथों की उंगलियों का टेढ़ापन, अंगूठे का चिपकना, कलाई में विकृति, कोहनी का चिपकना, कंधे का चिपकना, गर्दन का चिपकना, पैरों की उंगलियों के विकार, टखने का चिपकना, घुटने का चिपकना, इत्यादि के ऑपरेशन/प्लास्टिक सर्जरी
डॉ. आनंद जयंत काले एम.एस.,एमसीएच (प्लास्टिक सर्जन)
जन्मजात कटे होंठ तालू के मुफ्त ऑपरेशन
Smiletrain योजना के अंतर्गत 3000 से ज्यादा सफल ऑपरेशन किए जा चुके हैं
SmileTrain
जन्म से कटे होंठ और कटे तालु के मुफ्त ऑपरेशन
● जले मरीजों का इलाज मुफ्त
● जले मरीजों के विकार, विकृतियों के आपरेशन मुफ्त
ReSurge International
जले मरीजों के विकारों के आपरेशन मुफ्त ऑपरेशन
जले मरीजों के विकार विकृतियों के चिन्हित ऑपरेशन रीसर्ज के अंतर्गत नि:शुल्क किए जा रहे हैं

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज महिला मोर्चा ने मनाया राम हनुमान जन्मोत्सव

कटनी। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज महिला मोर्चा कटनी द्वारा भगवान राम का जन्मोत्सव हनुमान जयंती उत्सव एवं हिन्दू नवसम्वत्सर का स्वागत अभिनंदन वंदन सामूहिक शंखनाद के साथ किया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रदीप मिश्रा एसडीएम कटनी, अध्यक्ष बी.के.भार्गव उद्योगपति समाजसेवी एवं अध्यक्ष कटनी चूना उत्पादक संघ, विशिष्ठतिथि डॉ.सुनील बाजपेई प्राचार्य शासकीय तिलक महाविद्यालय कटनी, डॉ श्रीमती माधुरी गर्ग व्याख्याता तिलक कॉलेज कटनी श्रीमती मंजूषा गौतम समाजसेवी अधिवक्ता, सुश्री मीरा भार्गव सुदर्शना, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज महिला मोर्चा, श्रीमती सुशीला शर्मा समाजसेवी के आतिथ्य में भार्गव गार्डन प्रेम वाटिका में सम्पन्न हुआ।

कार्यालय अधिष्ठाता बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल (म.प्र.)

E-mail – deanshahdol@gmail.com PH:- 07652-243000 Website- www.gmcshahdol.org
क्रमांक/169/ टेंडर/ बी.एम.जी.एम.सी./2025 शहडोल, दिनांक 03/04/2025

बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय शहडोल हेतु वाहन मासिक/ दैनिक किराये पर लिए जाने हेतु निविदा सूचना

बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय शहडोल में वाहन मासिक/दैनिक किराये पर लिए जाने हेतु निविदा MP E-TENDER के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक निविदाकार अंतिम दिनांक 28.04.2025 शाम 4.00 बजे तक MP E-TENDER के माध्यम से आनलाइन ई-निविदा जमा कर सकते हैं।

निविदा के संबंध में अधिक जानकारी एवं अपलोड करने की प्रक्रिया www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है।

G-11672/25

अधिष्ठाता
बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
शहडोल (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला-रीवा (म.प्र.)

।। निविदा सूचना ।।

क्रमांक-561/ई-टेंडर/फायर शाखा/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 15/04/2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रर्यकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं emd	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_417072_1	Fabrication/Installation And Supply Work OF 01 NOS Quick Reaction Eire Vehlck.	18.70 लाख	5000/- 14025/-	16.05.2025 17:30 बजे तक

नोट : निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकरण ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

CHIEF OPERATING OFFICER
MUNICIPAL CORPORATION
REWA (M.P.)

कार्यालय जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)
प्रथम वार्षिक ई-निविदा आमंत्रण वर्ष 2025-26

केन्द्रीय जेल रीवा में संचालित उद्योग इकाई में लगने वाले कच्चा माल एवं अन्य आवश्यक सामग्री क्रय करने हेतु प्रथम वार्षिक ई-निविदा वर्ष 2025-26 www.mptenders.gov.in पर दिनांक- 08/05/2025 को सांय 05:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार ई- निविदा फार्म एवं ई- निविदा से सम्बंधित संपूर्ण जानकारी वेबसाईट www.mptenders.gov.in से प्राप्त करें। निविदा की कार्यवाही विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	विवरण	दिनांक/ समय	स्थान
1.	प्री- बिड मीटिंग	21/04/2025 प्रात: 11:00 बजे	केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)
2.	ई- निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि (निविदा फार्म का मूल्य रुपये 05.00 लाख तक रुपये 500.00 एवं रुपये 05.00 लाख से अधिक रुपये 1000.00 लेखा शीर्ष 0056 जेलें 800 अन्य प्राप्तियों में जमा की जावेगी।)	07/05/2025 सायं 05:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
3.	ई- निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	08/05/2025 सायं 05:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
4.	तकनीकी निविदा एवं आवश्यक दस्तावेज खोलने की अंतिम तिथि	10/05/2025 प्रात: 11:00 बजे	केन्द्रीय जेल रीवा(म०प्र०)
5.	वित्तीय ई- निविदा खोलने की तिथि	13/05/2025 प्रात: 11:00 बजे	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।

नोट:-
1. ई-निविदा संबंधित समस्त कार्यवाही जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल रीवा (म.प्र.) द्वारा की जावेगी।
2. निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि ई-निविदा के नियम व शर्तों का पालन करना अनिवार्य है तथा निविदा की समस्त जानकारी www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर प्राप्त की जा सकती है।

G-11658/25

जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से बना रही सक्षम

जागरण मंडला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि माँ नर्मदा नदी का क्षेत्र प्राकृतिक सौन्दर्य से भरा हुआ है। नर्मदा नदी के जल से महाकौशल, मालवा और गुजरात का क्षेत्र सिंचित होता है। मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। उन्होंने कहा कि विश्व के पहले नदी जोड़ों अभियान के अंतर्गत केन बेतवा नदी, लिंक परियोजना प्रारंभ की गई जिससे बुंदेलखण्ड की धरती हरी-भरी हो गई है। पानी के आभाव में होने वाले पलायन को रोकने के लिए नदी जोड़ो अभियान अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदी जोड़ो अभियान के तहत राजस्थान और मध्यप्रदेश के जिले सिंचित होंगे। प्रदेश में किसानों के विकास के लिए नया सवेरा आएगा और खेतों में फसलों की हरियाली लहराएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को ग्राम पंचायत टिकरवारा में 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को 1552.38 करोड़ रूपए, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 56.68 लाख हितग्राहियों को 340 करोड़ रूपए, 25 लाख बहनों को सिलेंडर रिफलिंग राशि, 57 करोड़ रूपए अंतरित तथा मुख्यमंत्री विवाह/निकाह योजना कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुष्पवर्षा कर नव विवाहित वर-वधुओं को दाम्पत्य जीवन में प्रवेश करने व उनके उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद प्रदान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह गोंड़वाना की धरती वीरों की धरती रही है। यहां रानी दुर्गावती, राजा शंकरशाह, रघुनाथशाह, रानी अवंती बाई की वीरगाथाएं प्रचलित है। रानी दुर्गावती ने अपने राज्य में जल संचय का अद्भुत कार्य किया है। उन्होंने जल संचय के लिए असंख्य ताल-तलैयों का निर्माण किया। जननायक भगवान बिरसामुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत हर महीने बहनों के खातों में 1250 रूपए की राशि अंतरित कर रही है। बहनों के खातों में जब यह पैसा आता है तो वह उसका सदुपयोग करती है, इससे वह आर्थिक और सामाजिक रूप से सक्षम हो रही हैं। इसी प्रकार से एलपीजी की 25 लाख बहनों को 57 करोड़ रूपए की राशि सब्सिडी दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से सभी गरीब परिवारों के लिए पक्के मकान बनाए जाएंगे। जिन हितग्राहियों के नाम छूट गए हैं उनके नाम जोड़ने के लिए पुनः सर्वे कराया जायेगा और उन्हें पक्का मकान बनाने के लिए राशि दी जायेगी। किसानों को उन्नत और समृद्ध बनाने के लिए बिजली कनेक्शन से लेकर सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे। किसानों को सोलर पंप के लिए सब्सिडी प्रदान की जाएगी। किसानों के खेतों में सोलर पंप से सिचाई होने पर बिजली बिल के झंझट से उन्हें मुक्ति मिल जायेगी। उन्होंने कहा कि सोलर पंप से अधिक बिजली उत्पादन होने पर सरकार किसानों से बिजली खरीदेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गौपालकों की हरसंभव मदद की जायेगी। उन्होंने कहा कि 25 गाय पालने वाले गौपालकों को 25 प्रतिशत की राशि प्रदान की जायेगी। गौपालकों का दूध सहकारी समितियों के माध्यम से खरीदा जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 16 संस्कारों में विवाह एक प्रमुख संस्कार है। विवाह संस्कार के माध्यम से वर-वधु नव दाम्पत्य जीवन में प्रवेश करते हैं। मुख्यमंत्री विवाह/निकाह योजना के माध्यम से मंडला जिले में 1100 से अधिक वर-वधु दाम्पत्य जीवन में बंध रहे हैं। उनके विवाह कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक सहित हजारों नागरिक शामिल होकर साक्षी बने हैं। इस योजना के तहत प्रति जोड़े के लिए 55 हजार रूपए प्रदान किए जाते हैं। इस योजना के तहत प्राप्त राशि से वर-वधु अपनी मनपसंद की चीजें खरीद सकते हैं। मुख्यमंत्री विवाह/निकाह योजना से आज पूरा मंडला जिला आनंद से भरा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अभिभावकों से कहा कि अपने बच्चों के लिए पैसों की बचत जरूर करें, अपने बच्चों को खूब पढ़ाएं। उन्होंने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा प्राप्त करने के लिए संघर्ष किया। सामाजिक समरसता, समता एवं न्यायपूर्ण समाज के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने जीवनकाल में संघर्ष करते हुए प्रधानमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर पहुंचे हैं।

सभी विकासखंडों में एक वृंदावन गांव बनाया जायेगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पुरातन संस्कृति को सहेजने के लिए हर विकासखंड में एक वृंदावन गांव बनाया जायेगा। जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी पुरातन परंपराओं से परिचित होगी और इससे जुड़कर समाज को आगे लेकर जायेगी। इसी तारतम्य में खरगौन में टंट्या मामा विश्वविद्यालय प्रारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम कर रही है, जिसके तहत महिलाओं को स्थानीय निकाय के चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया है। महिलाओं को संपत्ति रजिस्ट्री में 2 प्रतिशत शुल्क की छूट दी गई है। तेंदूपत्ता श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिमानक बोरा 4 हजार रूपए कर दिया गया है।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में दिखा लोक संस्कृति का रंग

मुख्यमंत्री विवाह/निकाह योजना कार्यक्रम में लोक संस्कृति का रंग दिखा जहां मंडला जिले के प्रसिद्ध सैला नृत्य की अद्भुत प्रस्तुति की गई, वहीं गुदुम बाजा ने सभी को आकर्षित कर दिया। अलीराजपुर से पहुंचे नृतक दल की नृत्य शैली व भाव-भंगिमा से क्षेत्र के लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा। विवाह समारोह में पंडवानी गायन की छटा भी देखी गई। विवाह समारोह पूरी तरह से लोकरंग में रंगकर सबको उत्साहित किया। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि आज का दिन उत्सव का दिन है। प्रदेश की लाड़ली बहनों के खातों में 1250 रूपए की राशि अंतरित की गई है। आज आयोजित मुख्यमंत्री विवाह/निकाह योजना के तहत नव दंपत्तियों ने गृहस्थ जीवन में प्रवेश लिया है। उनके वैवाहिक समारोह में मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और नागरिकगण शामिल हुए। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने बताया कि प्रदेश सरकार ने आवागमन को सुगम बनाने के लिए सड़कों और पुल-पुलियों का निर्माण किया है। प्रदेश सरकार विकास और जनकल्याण के लिए सतत प्रयासरत है। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि मंडला जिले में सिचाई क्षमता बढ़ाई जायेगी। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष पैकेज देने की बात कही। उन्होंने कहा कि जिले में हो रहे विकास कार्यों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का महत्वपूर्ण योगदान है। आज आयोजित कार्यक्रम में वर-वधु गृहस्थ जीवन में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए नव वर-वधुओं को सुखद व उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर जिले की विभूतियों शुचि उपाध्याय, विनिता मरकाम, पुष्पेन्द्र बघेल, रोशनी बघेल और पूजा श्रीवास को सम्मानित किया गया तथा मुख्यमंत्री विवाह/निकाह योजना के हितग्राही, लाड़ली लक्ष्मी योजना के स्वीकृति पत्र, स्व सहायता समूहों को लाभांश राशि का वितरण सहित अन्य हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक डॉ. चैनसिंह वरकड़े, विधायक श्री नारायण सिंह पट्टा, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, नगरपालिका मंडला अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, नगरपालिका नैनपुर अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, नगर पंचायत बम्हनी बंजर अध्यक्ष श्री मीना हरदहा, जनपद पंचायत मंडला अध्यक्ष श्री सोनू भलावी, जनपद पंचायत अध्यक्ष नैनपुर श्रीमती ओमवती उइके, कमिश्नर जबलपुर श्री अभय वर्मा, आईजी श्री संजय कुमार सिंह, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिवकुमार वर्मा सहित नागरिकगण शामिल थे।

ग्राम खम्हेरा में जनकल्याणकारी शिविर रहा सफल 128 में से 120 मामलों का हुआ त्वरित समाधान

जागरण डिंडोरी। जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत खम्हेरा में आयोजित खंड स्तरीय जनकल्याणकारी शिविर ने ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। शिविर में विभिन्न विभागों से कुल 128 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 120 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जिससे लाभार्थियों ने राहत की सांस ली।

स्वास्थ्य विभाग की शानदार भूमिका

स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत कुल 66 सामान्य जांचों के आवेदन प्राप्त हुए, जिनका मौके पर ही समाधान किया गया। इसके अतिरिक्त हाइपरटेंशन के 25, डायबिटीज के 14, मोतियाबिंद के 11, और कैंसर व सिकल सेल के एक-एक मामलों में भी तुरंत कार्रवाई की गई।

अन्य विभागों की स्थिति

जनपद पंचायत को राशन पर्ची से संबंधित एक आवेदन मिला जिसे तत्काल निपटाया गया। महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, और अन्य विभागों से कोई आवेदन नहीं आया।

प्रशासनिक उपस्थिति और समन्वय

इस शिविर में अनुविभागीय अधिकारी श्री रामबाबू देंवागन, जनपद पंचायत बजाग के सीईओ, तहसीलदार श्री भरतसिंह बट्टे, जनपद पंचायत सीईओ श्री एमएल धुर्वे समेत विकासखंड के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और ग्रामीणों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाने में सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन और ग्रामीणों को त्वरित राहत देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ है।

हर साल हो संपत्तिकर की वसूली

जागरण ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत बकाया संपत्ति के लिए देखा जाए तो लगभग एक करोड रुपए के आसपास होगा लेकिन उसकी वसूली बहुत ही धीमी गति से हो रही है लोगों द्वारा बताया गया कि संपत्ति कर की वसूली हर साल नहीं होती जिसके कारण से टैक्स बढ़ता जाता है और इकट्ठा टैक्स देने में हम लोगों को दिक्कत जाती नगर परिषद में हर वार्डों के प्रभारी बने हुए हैं यदि वार्ड प्रभारी हर साल संपत्ति कर समय से वसूल कर तो लोगों को देने में कोई दिक्कत नहीं जाएगी और संपत्ति कर पूरी वसूली होने से नगर परिषद की आर्थिक स्थिति भी ठीक होगी उससे और भी विकास कार्य कराए जा सकेंगे नगर वासियों ने कलेक्टर से शीघ्र संपत्ति घर की वसूली कराए जाने की मांग की है।

22 जनवरी के बाद नहीं हुआ पंचायतों में लेबर भुगतान

जागरण ब्यौहारी। जनपद पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत में 22/01/25 जनवरी के बाद लेबरों का भुगतान नहीं किया गया है जिसके कारण से ग्राम पंचायत को अब काम कराने के लिए लेबर ढूंढे नहीं मिल रहे हैं ग्राम पंचायत पपड़ेरी के सरपंच नारायण सिंह वैश्य ने बताया कि हमारा करीब ढाई लाख रुपये लेबर भुगतान बकाया ।

मध्य प्रदेश में भी लागू हो छत्तीसगढ़ जैसा पत्रकार सुरक्षा कानून

जागरण मंडला। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ इस समय संकट में है। इस स्तंभ को चकनाचूर करने के लिए मध्य प्रदेश के मंडला जिले में लगातार साजिश की जा रही है। लगातार पत्रकार साजिश का शिकार हो रहे हैं। पत्रकारों के साथ मारपीट की घटनाएं झूठे केस में फसाने और कई तरह से प्रताड़ित करने की घटनाएं अब आम बात हो गई है। जो पत्रकार जनहित में जिले में काम कर रहे हैं। जन समस्याओं को प्रकाशित कर शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षण करा रहे हैं सरकारी योजना में हो रही गड़बड़ी को उजागर कर रहे हैं उन्हें जिले में निशाना बनाया जा रहा है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश के मंडला जिले की जनपद पंचायत नैनपुर क्षेत्र की पंचायत में एक पत्रकार के साथ सामूहिक रूप से मारपीट की गई और झूठा आरोप लगाकर शिकायत की और आपस में राजीनामा करने का दबाव बना लिया। मंडला के पत्रकारों ने जिले के पुलिस अधीक्षक को इस आशय का ज्ञापन सौंपा है कि सही जांच पड़ताल की जाए और दोषियों पर कार्यवाही की जाए साथ में मांग की गई है कि पत्रकारों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिस तरह से निकटवर्ती राज्य छत्तीसगढ़ में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हुआ है। उसी तरह से मध्य प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून लागू किया जाए। पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देने के दौरान पत्रकार आलोक जैन, सावन सिंह ठाकुर, राजेश यादव, सुरेन्द्र श्रीवास, विजय साहू, हरवंश ठाकुर, शंभू शुक्ला, टीकाराम चौधरी, संजय ताम्रकार, प्राशांत पटेल मौजूद रहे।

भारत की विद्या परम्परा-अतीत से वर्तमान तक पुस्तक का लोकार्पण

जागरण ब्यौहारी। पंडित रमकिशोर शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के प्रोफेसर द्ववारा पुस्तक लिखी गई इसमें प्राचीन परंपराओं के बारे में बताया गया है भारत विद्या परंपरा अत्यंत प्राचीन, समृद्ध और बहुआयामी रही है। यह परंपरा केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं रही, बल्कि जीवन के समग्र विकास का माध्यम रही है। वैदिक काल से ही भारत में ज्ञान को विद्या अमृतमश्नुते यानी विद्या अमरत्व प्रदान करती है — इस भावना से प्रेरित होकर के डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी के द्वारा भारत की विद्या परम्परा अतीत से वर्तमान तक नामक पुस्तक का संकलन किया गया।

इस पुस्तक के संकलन में विगत आठ महीनों का अथक प्रयास गुरुजनो एवं माता- पिता के आशीर्वाद स्वरूप एवं प्रो. किरण सिंह,डॉ आर. सी. त्रिपाठी प्रो. एम. एस. बड़ा, प्रो. कुलदीप सिंह रावत, डॉ. राजकमल प्रजापति, प्रो. सुमन रानी, प्रो. जागृति कटारा, डॉ पुष्पा भामदरे, डॉ सुतिक्षण तिवारी आदि अग्रजों के द्वारा मार्गदर्शन एवं दिशानिर्देशन से यह पुस्तक आज मूर्त रूप में विद्यमान हो पाई हैं 7 और आज पुस्तक का लोकार्पण दिनाँक 15/04/25 को शासकीय महाविद्यालय बेओहारी में कुलसचिव पंडित शम्भूनाथ शुक्ल विश्विद्यालय शहडोल डॉ आशीष तिवारी जी के द्वारा किया गया 7कुलसचिव महोदय ने अपने उदबोधन में भारत की विद्या परंपरा- जो नई चुनौतियों और संभावनाओं के बीच खड़ी है। तकनीकी,नवाचार, डिजिटल शिक्षा, और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा पर भी बल दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) जैसे प्रयास भारत की विद्या परंपरा को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।भारत की विद्या परम्परा केवल ज्ञान का संचय नहीं, बल्कि समाज का कल्याण और ब्रह्म के साक्षात्कार की प्रक्रिया रही है। इसकी निरंतरता ही भारत की सांस्कृतिक पहचान और बौद्धिक गरिमा की धरोहर रही हैं कुलसचिव महोदय के द्वारा मुख्य रूप से नई शिक्षा नीति 2020 एवं उच्च शिक्षा विभाग म. प्र. शासन भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में सहयोग दे रहा है । ऐसे समय में डॉ त्रिपाठी जी के द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों के लिए भी भारतीय ज्ञान परम्परा को जानने में उपयोगी सिद्ध होगी इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आर.के. तिवारी जी के द्वारा आर्शीवचन प्राप्त हुआ 7कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार से डॉ. आर.सी.त्रिपाठी, डॉ. मोहित लाल वर्मा, प्रो.जागृति कटरा,डॉ. पुष्पा भामदरे, श्री बंश बहादुर सिंह, श्रीमती पार्वती सोनी एवं महाविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

विपक्षी नेताओं पर प्रवर्तन निदेशालय की दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई के विरोध में न्याय और लोकतंत्र की रक्षा हेतु कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

जागरण मंडला। आज जब भारत 75 वर्षों से अधिक पुराने लोकतंत्र की विरासत का दावा करता है, तब देश के भीतर एक खतरनाक प्रवृत्ति लगातार गहराती जा रही है, केंद्र सरकार द्वारा सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग की। विशेष रूप से विपक्षी नेताओं को निशाना बनाकर बदले की भावना से की जा रही कार्रवाई, लोकतंत्र की आत्मा को निरंतर घायल कर रही है! हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी के विरुद्ध नेशनल हेराल्ड प्रकरण में प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) द्वारा आरोप पत्र दाखिल किया गया है। यह न केवल अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि स्पष्ट रूप से यह केंद्र सरकार की राजनीतिक प्रतिशोध की संकीर्ण मानसिकता का भी प्रतीक है। जिस परिवार ने इस देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर किया, जिनके अपने बलिदान हुए, उस गांधी-नेहरू परिवार को केंद्र की सत्ता में बैठी भाजपा सरकार बार-बार अपमानित करने का असफल प्रयास कर रही है। 2014 से लगातार यह देखा जा रहा है कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ ईडी, सीबीआई, आईटी जैसी एजेंसियों का मनमाना उपयोग किया जा रहा है! इससे यह स्पष्ट है कि यह एक राजनीतिक हथियार के रूप में एजेंसियों को प्रयोग करने की रणनीति है।

हम महामहिम से निम्नलिखित मांग करते हैं

आप भारत के संविधान के संरक्षक हैं, कृपया इस गंभीर प्रकरण में स्वतः संज्ञान लें और केंद्र सरकार से जवाब तलब करें कि बिना किसी मूल शिकायत के किस आधार पर वर्षों पुराने प्रकरण को पुनः खोलकर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है? राजनीतिक प्रतिद्वंदिता की आड़ में लोकतंत्र को कुचलने की साजिश को रोका जाए। देश की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बचाने हेतु भी आप तत्काल हस्तक्षेप करें।

एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर अग्रणी महाविद्यालय परिचर्चा सम्पन्न

जागरण बैढ़न। भारतीय जनता पार्टी संगठन के द्वारा बैढ़न के अग्रणी महाविद्यालय मे एक राष्ट्र एक चुनाव संबंधित परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह परिचर्चा भारतीय जनता पार्टी की और से गठित समिति के संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल चतुर्वेदी की अगुवाई में सम्पन्न हुई। परिचर्चा मे मुख्य रूप से समिति के सह संयोजक एडवोकेट प्रदीप शाह मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता आर एन शाह तथा समिति के सदस्य अशोक शाह उपस्थित रहे। इस परिचर्चा मे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो एम यू सिद्दीकी की विशेष उपस्थिति रही। परिचर्चा मे महाविद्यालय छात्र छात्राओं ने बड़ी संख्या मे हिस्सा लिया तथा अपनी जिज्ञासाओं को समिति के समक्ष रखा। समिति के सदस्यों ने एक राष्ट्र एक चुनाव के महत्व तथा आवश्यकता पर बारीकी से छात्रों को बताया तथा वर्तमान परिस्थितियों मे राष्ट्र को एक चुनाव की आवश्यकता क्यों है इस पर ध्यानाकर्षण किया। बड़ी संख्या मे उपस्थित छात्रों ने इस मुहिम को अपना समर्थन दिया तथा एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान को देश मे लागू करने के पक्षधर दिखाई दिये। सभी ने राष्ट्रीय प्रगति तथा विकसित भारत की रफ्तार बनाए रखने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव कराने के लिए सरकार को अपना प्रस्ताव भेजने की सहमति प्रकट की।

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान को मिल रहा उत्साहपूर्ण जनसमर्थन

जागरण डिंडोरी। जल संरक्षण को लेकर जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था, प्रस्फुटन समिति के सदस्यों और मेंटर्स द्वारा जिले में एक प्रेरणादायक पहल चलाई जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत डिंडोरी जिले के गांव-गांव जाकर जल स्रोतों की साफ-सफाई की जा रही है, जिससे ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। इस अभियान के तहत कुएं, तालाब, हैंडपंप और अन्य जल स्रोतों की सफाई कर उन्हें पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा है। इस नेक कार्य में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी वर्गों के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इसी क्रम में आज जिले विभिन्न ग्रामों में जल स्रोतों की सफ़ाई, शपथ, रैली आदि के माध्यम से लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता लाई गई। जन अभियान परिषद टीम के कार्यकर्ताओं ने बताया कि जल संकट की गंभीरता को देखते हुए यह अभियान शुरू किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य जल स्रोतों को स्वच्छ एवं संरक्षित रखना है। ग्रामीण इस अभियान में उत्साहपूर्वक शामिल होते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

नरवाई जलाने पर डिण्डौरी जिले में प्रतिबंध, उल्लंघन पर लगेगा जुर्माना

जागरण डिंडोरी। जिले में फसल कटाई के बाद खेतों में डंठल और फसल अवशेष (नरवाई) जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी श्री सुनील शुक्ला ने भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी करते हुए गेहूं एवं अन्य फसलों के डंठलों में आग लगाने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन का मानना है कि नरवाई जलाने से आग फैलने की घटनाओं, जनधन की हानि, पर्यावरण प्रदूषण और खेतों की उर्वरा शक्ति में गिरावट जैसे गंभीर दुष्परिणाम होते हैं। साथ ही यह प्रक्रिया खेतों में पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवों को नष्ट कर देती है और हवा में हानिकारक गैसों का उत्सर्जन करती है।

ग्राम पंचायत भरसेड़ा का विकास कार्य है अवरुद्ध

सिंगरौली। जनपद पंचायत क्षेत्र देवसर के ग्राम पंचायत भरसेड़ा में शासन के सभी विकास कार्य अवरुद्ध हैं। सरपंच सचिव की तानाशाही रवैये से सभी ग्रामीण जनता परेशान हैं। ग्राम पंचायत के विकास में सरपंच सचिव पंच उपसरपंच सभी उदासीन नजर आ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक सरपंच पार्वती प्रजापति सचिव सुंदर सिंह व रोजगार सहायक राजेश प्रजापति तीनों की आपसी सामंजस न बैठने से गांव के सभी विकास कार्य ठप हैं। जहां सरपंच सचिव व रोजगार सहायक एक- दूसरे के ऊपर आरोप मढ़ते देखे जा रहे हैं। जबकि ग्रामीण जनता गांव की एससी पढ़ी-लिखी महिला को अपना सरपंच कई आशाओं के साथ चुने थे। जिससे कि भरसेड़ा गांव का समुचित विकास हो एवं ग्राम पंचायत भरसेड़ा के ग्रामीणों को शासन की सभी तरह की योजनाओं का लाभ मिले। एवं भरसेड़ा पंचायत का जिले व जनपद में विकास के क्षेत्र में नाम रोशन हो ।

डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित की गई ब्लॉक स्तरीय व्याख्यान माला

जागरण चितरंगी। जनपद पंचायत सभागार चितरंगी मप्र जन अभियान परिषद जिला सिंगरौली द्वारा विकास खंड स्तरीय डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि तहसीलदार व प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी चितरंगी ऋषिनारायण सिंह के मुख्य आतिथ्य में जिला समन्वयक सिंगरौली राजकुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में व ब्लॉक समन्वयक प्रभुदयाल दाहिया सरपंच शिवपुरवा लालता प्रसाद बैस की उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरुआत धूप दीप प्रज्वलित कर बाबा साहब के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही उपस्थित अतिथियों द्वारा व्याख्यान माला कार्यक्रम अंतर्गत बाबा साहब के जीवनी एवं विचार पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस दौरान विकासखंड वैढ़न से प्रीता गुर्जर विकासखंड चितरंगी में संचालित नवांकुर संस्था से शिवेंद्रधर द्विवेदी रजनीश साहू उमाशंकर बैस यदुवंश सिंह यादव गौरव बैस समाजसेवी लक्ष्मण बैस परामर्शदाता गण प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष सचिव मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने अपने उद्बोधन में बताया कि बाबा साहेब एक विचारक रहे जो उनकी सोच और विलक्षणता अटूट रही है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

आसान नहीं होगी मेहुल चोकसी को भारत लाने की राह

पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव का प्रमाण है। तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद यह दूसरी बड़ी सफलता है, लेकिन चोकसी को भारत लाना आसान नहीं होगा।

लोन घोटाला करने के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी भारत के बढ़ते वैश्विक दबदबे का सबूत है। मुंबई आतंकी हमले के गुनहगार तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद हाल में यह दूसरी बड़ी सफलता मिली है। हालांकि राणा की तरह चोकसी को भारत लाने की राह इतनी आसान नहीं होगी।
मेहुल और उसके भांजे नीरव मोदी ने भारतीय बैंकिंग सिस्टम की खामियों और अंदर तक फैले भ्रष्टाचार का फायदा उठाकर इतना बड़ा घोटाला किया और जब तक इसका पता चलता, सुरक्षा एजेंसियां उन तक पहुंचतीं, दोनों देश छोड़कर भाग चुके थे। जनवरी 2018 में उनके फरार होने से लेकर अभी तक 7 साल और करीब 4 महीने के दरम्यान दोनों को लेकर अलग-अलग खबरें आती रहीं। इस दौरान प्रत्यर्पण के कई प्रयास हुए, और अब भी चल रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली है।

मेहुल और उसके वकीलों ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों का अपने हिसाब से खूब दुरुपयोग किया है। मई 2021 में जब वह डोमिनिका में गिरफ्तार हुआ, तब भारतीय एजेंसियां उसे वापस लाने के बिल्कुल करीब पहुंच गई थीं। लेकिन, उस समय भी उसने कानूनी पेचीदगियों का फायदा उठाया। तब उसकी तरफ से कहा गया था कि वह एंटीगुआ का नागरिक है और चूंकि एंटीगुआ व भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं है, इसलिए उसे नई दिल्ली के हवाले नहीं किया जा सकता। उसका यह भी आरोप था कि भारतीय एजेंसियों के इशारे पर उसे एंटीगुआ से अगवा करके डोमिनिका लाया गया। इन्हीं पेंच ने उसे बचा लिया था। बेल्जियम के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि है, लेकिन डोमिनिका में जो हुआ, वह एक बार फिर भारत के सामने मुश्किलें खड़ी कर सकता है। देश में अपराध करके भागने वाले लोग विदेशी अदालतों में यह दलील देने से नहीं चूकते कि भारत में जेलों के हालात खराब है और वे उन स्थितियों में नहीं रह सकते। ऐसे में भारतीय जांच एजेंसियों को इस तरह के कुतर्कों का पुख्ता तरीके से मुकाबला करने के लिये पूरी तैयारी के साथ विदेशी अदालतों में अपना पक्ष सशक्त ढंग से रखना होगा।

प्रत्यर्पण को लेकर यूरोपीय देशों का रवैया बेहद सख्त है। जब तक उन्हें तसल्ली न हो जाए कि आरोपी को निष्पक्ष सुनवाई का मौका मिलेगा, तब तक वे किसी को प्रत्यर्पित नहीं करते। मेहुल चोकसी के मामले में बेल्जियम को भरोसा दिलाना होगा कि उसे भारतीय कानूनों के अनुसार सजा जरूर मिलनी चाहिए। भारत को बेल्जियम के साथ अपने रिश्ते के प्रभाव का इस्तेमाल करने से भी नहीं चूकना चाहिए।

प्रसंगवश

अमन-चैन बनाए रखना मुख्यमंत्री का दायित्व

पश्चिम बंगाल में इतना हिंसक, दंगानुमा, आगजनी, रेलवे ट्रैक को बाधित करने और खून-खराबे वाला माहौल क्यों है? अमन-चैन बरकरार रखना मुख्यमंत्री और राज्य पुलिस का संवैधानिक दायित्व है।

देश के अन्य राज्यों में ऐसी हिंसा क्यों नहीं है? क्या बंगाल में दंगाइयों और उपद्रवियों को सत्ता का संरक्षण रहा है? क्या वोट बैंक की खातिर इन दंगाइयों को खुली छूट मिली हुई है? हिंदू पिता-पुत्र की चाकू से गोद कर हत्या कैसे कर दी गई? उपद्रवियों और एक खास जमात के दंगाइयों ने घरों, दुकानों, मंदिरों पर हमले करने का दुस्साहस कहां से हासिल किया? रेलगाड़ियां रोक दी गईं, क्योंकि पटरियों पर हजारों की भीड़ बैठी थी। ऐसे हालात के मद्देनजर कलकत्ता उच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि अदालत आंखें मूंद कर नहीं बैठ सकती। उच्च न्यायालय को मुर्शिदाबाद के हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय बल की तैनाती का आदेश देना पड़ा। बीएसएफ के 300 जवानों के अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 5 कंपनियां भी तैनात की गई हैं। यह नौबत ही क्यों आई? राज्यपाल सीवी आनंद बोस को कठोर बयान देने पड़े कि सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने और किसी की जिंदगी को खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल ऐसे उग्र, नफरती, हिंसक हालात और माहौल का बुनियादी सबब क्या है? वक्फ संशोधन कानून एक मुखौटा कारण हो सकता है, लेकिन जो मुस्लिम नेता, सांसद, मौलाना आदि सरेआम औसत मुसलमानों को भड़का-सुलगा रहे हैं, क्या उनके 'कुत्ते', 'हरामखोर', 'गद्दार' वाले बयान किसी कानून के दायरे में नहीं आते? क्या ये गालियां भी 'अभिव्यक्ति की आजादी' हैं? कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है, लिहाजा अमन-चैन बरकरार रखना मुख्यमंत्री और राज्य पुलिस का संवैधानिक दायित्व है। संविधान में केंद्र और राज्य की भूमिकाओं की स्पष्ट व्याख्या है। समवर्ती सूची का कानून केंद्र और राज्य दोनों ही बना सकते हैं। यदि ऐसे किसी कानून पर केंद्र बनाम राज्य की टकरावपूर्ण स्थिति पैदा होती है, तो संविधान के अनुच्छेद 254 के तहत केंद्र का बनाया कानून ही मान्य होगा। राज्य सरकार उसे खारिज नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री ने बंगाल में केंद्र की 'आयुष्मान भारत' योजना भी लागू नहीं होने दी है। संविधान का अनुच्छेद 245 बताता है कि संसद पूरे भारत अथवा उसके किसी भाग के लिए कानून बना सकती है। राज्य विधानमंडल राज्य अथवा उसके किसी भाग के लिए कानून बना सकता है। अनुच्छेद 246 अधिकार-क्षेत्र संबंधी विवादों को दूर करने के लिए विधायी विषयों को सौंपता है। वक्फ बिल इन्हीं अनुच्छेदों की परिधि में पारित कराया गया है। वह समवर्ती सूची का भी कानून है, लिहाजा संसद द्वारा पारित किए गए बिल को बंगाल कैसे नकार सकता है? सवाल यह भी है कि वक्फ का मामला प्रशासनिक है, इसे मजहबी किसने और क्यों बनाया है? आखिर प्रदर्शनकारियों को कानून के किस प्रावधान पर आपत्ति है? यह पक्ष भी अदालत में रखा जाना चाहिए। बंगाल में 2026 में चुनाव हैं, लिहाजा मुख्यमंत्री 'तुष्टिकरण' के खेल में जुटी हैं, तो भाजपा हिंदू-मुस्लिम को हवा दे रही है। आम आदमी बीच में पिस रहा है। उसे तो 'वक्फ' के मायने भी नहीं पता हैं।

विचारों का जन्म...

बड़ी विनम्रता और शालीनता के साथ मैं सब गुरुजनों से... सब प्रबुद्ध जनों से सविनय पूछना चाहता हूँ कि.... दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण... सबसे सशक्त वह कौन सा 'मंत्र' है... जिसे बिना वर्ण भेद के... जाति भेद के... राष्ट्र भेद के... सारे संसार की मानव जाति एक समान ग्रहण कर सकती है...

मैं यह बात इसलिए सभी ज्ञानीजनों से... गुरुजनों से.... सुधीजनों से... प्रबुद्धजनों से... पूछना और समझना चाहता हूँ कि... कहीं मेरी दृष्टि में कोई भ्रम न हो... मेरे ज्ञान में कहीं कोई चूक न हो... क्योंकि मेरी दृष्टि में विश्व का सबसे शक्तिशाली सर्वश्रेष्ठ मंत्र है... 'विचार'... इसी विचार से जन्म लेते हैं... दुनिया भर के तमाम मंत्र और मज़हब... भले ही उनकी जातीयता और राष्ट्रीयता कुछ भी हो ...

मेरी दृष्टि में जब-जब अवतार इस धरती पर जन्म लेते हैं... तब- तब कोई महान 'विचार' ही अवतार बनकर जन्म लेते हैं... अवतार के रूप में मनुष्य का शरीर तो नगण्य है... महत्वपूर्ण तो अवतार के रूप में वह 'विचार' हैं... जो अवतारी पुरुष के शरीर से प्रगट होते हैं... वास्तव में तो 'ईश्वर' किसी 'विचार' को ही... अवतार बना कर जन्म देता है... और... उसके निमित्त... किस मनुष्य का विशेष शरीर ईश्वर द्वारा बनाया जाता है...

मेरी दृष्टि में जब प्रभु श्री 'राम' का अवतार हुआ तो... वह अवतार सिर्फ 'रामावतार' ही नहीं बल्कि मर्यादा का... सत्य का... 'शौर्य' के विचारों का अवतार हुआ था... जब 'कृष्ण' का अवतार हुआ तो... प्रेम का अवतार हुआ... अहंकार की समाप्ति का अवतार हुआ... अर्थहीन प्रतिज्ञाओं के अन्त का अवतार हुआ... कर्म की व्याख्या का... आत्मा के दर्शन का ... जीवन-मृत्यु बंधनों से मुक्त हो मोक्ष प्राप्ति के निमित्त गीता के ज्ञान जैसे महान विचारों का अवतार हुआ...

अगर विचार न हों... कर्म न हों... और सिर्फ नाम का ही महत्व हो तो... लाखों करोड़ों भारतीय 'राम' और 'कृष्ण' का नाम माता-पिता से लिए हुए सड़कों पर घूम रहे हैं... पर न तो उनमें शील है... न सत्य है... न मर्यादा है... न ही हैं उनमें राम और कृष्ण जैसे उन्नत विचार...

ठीक इसके विपरीत अगर प्रभु श्री 'राम' का नाम... उनके 'गुरु वशिष्ठ 'राम' के अतिरिक्त कुछ और रख देते... परन्तु 'विचार' और गुण उस शरीर में प्रभु 'श्री राम' के जैसे ही मर्यादित... सत्य और शौर्यवान होते तो क्या... संसार उस नाम की भी पूजा... भगवान 'श्री राम' की ही भाँति नहीं करता...?

महत्वपूर्ण 'नाम' और 'शरीर' नहीं... महत्वपूर्ण 'विचार' होते हैं... जो शरीर को ढालते हैं अपने अनुरूप और देते हैं उस नाम को तेजस्विता ... ओजस्विता... तथा अमर कीर्ति... जो नाम उन विचारों को धारण करने वाले शरीर को मिला होता है ... कीर्ति उसी की अमर होती है... जिसके विचारों में बुलन्दी होती है... सत्य होता है... प्रेम होता है... मर्यादा होती है... मानवता होती है...

विचारों के कुछ ऐसे महामंत्र हैं
जो सीधे-सीधे कहे नहीं जा सकते
यह कहे भी जावें तो
समझे नहीं जा सकते
या समझे भी जावें तो
उनमें निहित काव्य खो जाता है
और काव्य ही विचारों की आत्मा होता है....

जब 'बुद्ध' इस विश्व में अवतरित हुए तो... 'विचारों' की करुणा उनके रूप में प्रगटी... जब 'महावीर' उत्पन्न हुए तो... अहिंसा के 'विचारों' ने जन्म लिया प्रभु महावीर के रूप में... अगर 'विचारों' का जन्म पीड़ा के रूप में बाल्मीकि और वियोग के रूप में 'तुलसी' बनकर न जन्मा होता तो... फिर भला कहाँ लिखी गई होती प्रभु श्री राम की अमर कीर्ति की काव्य गाथाएं 'रामायण' और 'रामचरित मानस' के रूप में...

अगर 'मीरा' के रूप में 'चिर वियोगिन' भक्ति के 'विचार' न जन्मे होते... तो कौन बताता संसार को भक्ति और वियोग का निश्छल संगम... अगर अंध विश्वासों पर प्रहार करने वाले विचार 'कबीर' के रूप में न जन्म लेते तो... हिन्दुओं और मुसलमानों के सोये हुए जमीर को कौन झकझोरता... कौन तोड़ता उनके अंध विश्वासों को... अगर 'गाँधी' के रूप में 'अहिंसा से स्वराज' के विचार न जन्मते तो... कौन दिलाता आजादी इस हिन्दुस्तान को ... बिना किसी बड़े खून खराबे के... यदि 'डॉ. अंबेडकर' के रूप में दलितों-पिछड़ों के संरक्षण के 'विचार' न जन्मते तो... कौन सा संविधान पनाह देता देश के करोड़ों पिछड़ों को... अगर 'डॉ. हेडगेवार' के रूप में गैर राजनैतिक संगठनों से भारत राष्ट्र सेवा के 'विचार' न जन्मते तो कहाँ से खड़ी होती इतनी बड़ी जमात बिना राजनीति की कालिख में डूबे... देश सेवा करने वाले स्वयंसेवकों की ...

करना होगा समय के साथ समझौता
व्यर्थ है
परम्पराओं की दुहाई
छोड़ना होगा दुराग्रह
करना होगा नए संविधान पर हस्ताक्षर...
जिसमें दी गई है
व्यक्ति को विचारों की स्वतंत्रता
पर नहीं थोप सकता वह
किसी अन्य पर अपने विचार
एकता में अनेकता
सृष्टि का मूलाधार....

मैं पूछना चाहता हूँ कि... यदि इन सभी अवतारों व महापुरुषों को... इनके माता-पिता और गुरुजनों ने... इनके वर्तमान नाम से हटकर कुछ और अ ल ग - अ ल ग नाम इन्हें दे दिये होते... बजाय उन प्रसिद्ध नामों के... जिनसे हम उन्हें जानते हैं... तो क्या... इन महापुरुषों को उनके विचारों और विचारों से जनित कर्मों के कारण कुछ कम आदर और श्रद्धा मिलती...? नहीं ना...! आदर आदमी के नाम का नहीं... बल्कि... उसके विचारों और उन विचारों से जन्मे कर्मों का होता है...

संसार भर की सारी शक्ति... दुनिया भर के तमाम मंत्रों की ताकत... सारी सद्इच्छाएँ... मनुष्य के नाम में नहीं... उसके विचारों में निहित हैं ... 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सम्मति दे भगवान'... सम्मति सदा विचारों से आती है... सम्मति आ गई तो फिर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता... कि उस अनंत को आप ईश्वर कहो... या... फिर कहो उसे अल्लाह...

मनुष्य को जीवन में कभी निराश नहीं होना चाहिए... उसे अपने जीवन में आयी हर निराशा को... अपने विचारों की ताकत से काट देना चाहिये...

नर हो न निराश करो मन को
जग में रह कर कुछ काम करो
यह जन्म हुआ है किस लिए
जग में रह कर कुछ नाम करो....

कभी यह मत सोचो कि... तुम्हें ईश्वर ने हीन बनाया... साधन हीन या श्री हीन बनाया है... बल्कि ईश्वर ने तो तुम्हें दुनिया की सबसे बड़ी ताकत... 'विचारों की ताकत' दी है... जरूरत है तो उन विचारों की श्रेष्ठता अपने अंदर जगा कर... पुरुषार्थ की ताकत पैदा करने की ...

तुम मानव हो... बुद्धि के पुंज हो... निराश मत हो अपने को संभालो...

हर मनुष्य को 'ईश्वर' ने कुछ न कुछ अच्छा कर्म करने के ही लिए अपनी बनाई इस दुनिया में जन्म दिया है... दुनिया में जन्मा हर व्यक्ति महान पुरुष बन सकता है... यदि वह अपने अंतर्मन में सोई हुई विचारों की शक्ति को जगा ले तो वह भी अपना नाम भी अमर कर सकता है... विचारों की सबसे बड़ी शक्ति है... जहाँ से एक 'विचार' ख़त्म हो... वहाँ से... दूसरा... उससे भी श्रेष्ठ 'विचार' उत्पन्न कर लेना... जहाँ से एक 'शब्द' समाप्त हो... वहाँ से नवीन शब्द खड़ा कर देना... सद्-विचार मनुष्य की शक्ति को कभी क्षीण नहीं होने देते... हमेशा मानवीय जीवन को गति देते रहते हैं... यही है विचारों की श्रेष्ठता ...

अपूर्व आनंद है... विचारों में
अलौकिक होती है अनुभूति विचारों में
सदा से बंद देवलोक के कपाट
खुल जाते हैं विचारों से ....
युगों से छाए बुद्धि के अंधकार को
विचारों का सूर्य प्रकाशित कर देता है
सुषुम्ना में सुसुप्त चैतन्यता की कली
फूल बन खिल उठती है.....
प्राणों की अंतर वीणा का
अनहद नाद बज उठता है
फिर नृत्य करती है, श्वांस -प्रति-श्वांस
और गीत गाता है, तन का अणु-अणु....
प्रभु ने तुम्हें दिए विचार
उसकी अनुकम्पा अपरम्पार...

इस 'विचार-चक्र' के माध्यम से मैं जगाना चाहता हूँ... विचारों की ज्योति... विचारों की क्राँति... विचारों की साधना... विचारों की ज्वाला... विचारों की तपस्या... अपने हर पढ़ने वाले पाठक के मनो-मस्तिष्क में... तपस्या एक जन्म में नहीं होती... वह चिरन्तर है ... पुरातन है... जन्म-जन्मान्तरों की संगिनी है....

अपने पूर्वजों की तपस्या से उपजे हमारे सनातन भारतीय संस्कारों के बीजों को हमें... पाश्चात्य संस्कृति के हाथों बेच नहीं देना चाहिये... अपितु अपने वर्तमान जीवन में हमें सतत् वैचारिक तपस्या करके... उसे और अधिक समृद्ध तथा शक्तिशाली करना चाहिये ... तभी हमारे पूर्व जन्मों के संग्रहित विचारों की... तेजस्वनी तपस्या वर्तमान जीवन में फलित होगी ...

महाकवि कालीदास की पंक्तियाँ हैं- **'क्लेशः फलेन हि पुनर्नवतां विधत्ते'**... अर्थात् तपस्या जिसका स्वभाव हो जाये... उस मानव के अंतर से ... नयी-नयी खोजें आविष्कृत होती हैं...

प्रभु ने हमें जन्म ही विचार करने के लिये दिया है... कोई भी आदमी... कभी भी... कैसे भी... दीन-हीन या कमजोर नहीं हो सकता... जब तक उसके पास विचारों की पवित्र चिदग्नि है... विचार ही परमात्मा का सबसे बड़ा वरदान है हम मनुष्यों को... विचारों में तो इतनी शक्ति और तेज है कि विचारों से ही देवी- देवताओं तक का जन्म होता है... आद्यशक्ति परमेश्वरी पराम्बिका माँ भगवती को देवी भागवत 'चिदग्नि कुण्ड सम्भूताये' उद्बोधित कर वन्दन करती है... अर्थात मानस में विचारों के अग्नि रूपी कुण्ड (मस्तिष्क) से जो प्रगट हुई है... वह है आद्यदेवी पराम्बिका... परमेश्वरी...

(श्री मदनमोहन के लेखों, पुस्तकों, कविताओं की बेवसाइट)
https://adhyatmsanatandharma.com

बीमार सोच के खिलाफ अभियान की आवश्यकता

अस्पृश्यता

राजस्थान के अलवर जिले में एक मंदिर में दलित नेता के जाने के बाद भाजपा नेता ने गंगाजल का छिड़काव करके मंदिर को पवित्र किया।पवित्र-अपवित्र की इस बीमार सोच के खिलाफ अभियान चलाये जाने की आवश्यकता है। यह मानसिकता बीमार ही नहीं, आपराधिक भी है। इस अपराध के खिलाफ आंदोलन चलना चाहिए।

विश्वनाथ सचदेव

अभी-अभी देश ने रामनवमी मनाई है, भगवान राम का जन्मदिन। इस उत्सव के आयोजन को लेकर देश के कुछ हिस्सों में कुछ अप्रिय घटनाएं भी घटीं। इन्हीं अप्रिय घटनाओं में एक राजस्थान में भी घटी थी। हुआ यूं कि राजस्थान के अलवर जिले में भगवान राम के एक मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर राज्य के एक कांग्रेसी नेता ने भी मंदिर जाने का निर्णय किया। वे मंदिर में गये। पूजा भी की। पर कुछ लोगों को उनका मंदिर में जाना पसंद नहीं आया। ऐसे ही लोगों में एक भाजपा के नेता भी थे, जिन्होंने 'मंदिर को पवित्र' करना ज़रूरी समझा। उनका यह मानना है कि मंदिर जाकर 'उस दलित कांग्रेसी नेता' ने मंदिर को अपवित्र कर दिया है। दलित नेता के जाने के बाद भाजपा नेता ने गंगाजल का छिड़काव करके मंदिर को पवित्र किया। उनके इस कृत्य की काफी आलोचना हो रही है, और उनके दल भाजपा ने उन्हें पार्टी से निष्कासित करके कारण बताओ नोटिस भी जारी कर दिया है। भले ही यह कार्रवाई भाजपा की राजनीतिक आवश्यकता हो, पर इस कार्रवाई का स्वागत ही किया जाना चाहिए।
समता, बंधुता और न्याय के आधार पर बने हमारे संविधान में अस्पृश्यता को एक अपराध घोषित किया गया है। स्वतंत्र भारत में इस अपराध में कमी भी आयी है, यह एक सच्चाई है, पर सच यह भी है कि हमारे समाज में आज भी अस्पृश्यता में विश्वास करने वाली सोच जिंदा है। और इस तथ्य को भी समझा जाना चाहिए कि सुधार के सारे दावों के बावजूद आज भी यह बीमार मानसिकता मनुष्यता के हमारे दावों-वादों को झुठला ही रही है। रामनवमी का उत्सव मनाने के आठ दिन बाद ही हमने हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये हैं। हमने यह भी देखा है कि देश के सभी राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं में इस अवसर पर बाबा साहेब के प्रति अपना सम्मान प्रकट करने की जैसे होड़-सी लगी हुई थी। लेकिन हकीकत यह भी है कि अलवर जिले में घटी निंदनीय घटना आठ दिन बाद जैसे आसानी से भुला दी गयी। नहीं, ऐसी घटनाएं भुलाई नहीं जानी चाहिए। इन्हें याद रखना, इन पर चिंतन करना, इसलिए ज़रूरी है कि यह घटनाएं हमें आदमी और आदमी के बीच भेदभाव को समझने का अवसर देती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस अपराध को मानवता पर कलंक कहते समय भी कहा था कि अस्पृश्यता रंग-भेद जैसा ही अपराध हैङ्क जैसे रंग-भेद मनुष्यता का अपमान है, वैसे ही अस्पृश्यता की अवधारणा भी अपने आप में कोई छोटा अपमान नहीं है। किसी व्यक्ति को किसी भी आधार पर इतना हीन समझना कि उसे छूना अपराध बन जाए, उसकी छाया अपवित्र मानी जाये, उसे बस्ती के किसी हिस्से में ही रहने को विवश किया जाये, चाय की गुमटियों पर उसके लिए पृथक बर्तन रखे जाएं, सांविधानिक अपराध ही नहीं है, यह उस बीमार सोच का भी परिचायक है जो स्वयं को ही पवित्र समझने वालों को मनुष्य कहलाने के अधिकार से वंचित करता है। हमारे संविधान की धारा 17 के अनुसार अस्पृश्यता दंडनीय अपराध है। पर संविधान में प्रावधान मात्र से बात नहीं बनती। सन 2005 में जारी एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार देश में हर 20 मिनट पर दलितों के खिलाफ एक अपराध होता था। निश्चित रूप से यह आंकड़ा अब बहुत कम हो गया होगा, पर यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि इस अपराध से कहीं अधिक गंभीर वह मानसिकता है जो एक मनुष्य को अछूत समझती है।

॥गीता॥

श्लोक : कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

भावार्थ : कर्म पर ही तुम्हारा अधिकार है, कर्म के फलों में कभी नहीं... इसलिए कर्म को फल के लिए मत करो। कर्तव्य-कर्म करने में ही तेरा अधिकार है फलों में कभी नहीं। अतः तू कर्मफल का हेतु भी मत बन और तेरी अकर्मण्यता में भी आसक्ति न हो।

जीवन दर्शन

हम अपनी जिंदगी में क्या चुनें? सकारात्मक विचार

दूसरों के सुझावों में स्वयं कोई शक्ति नहीं होती, बल्कि आप अपने विचारों द्वारा उन्हें शक्ति प्रदान करते हैं। याद रखें, आपके पास चुनने की शक्ति है। इसलिए विचारों को चुनने में बड़ी सावधानी बरतनी चाहिए।
सच है कि यह दुनिया रहस्यमयी, अनियंत्रित शक्तियों से भरी है, लेकिन अनियंत्रित नहीं है। व्यक्ति का चेतन या तार्किक मस्तिष्क जिस बात पर यकीन करता है, उसका अवचेतन मन उसे स्वीकार कर लेता है और उसके अनुसार कार्य करता है। मेरा रिश्तेदार जब भविष्यवक्ता के पास गया, तो वह सुझाव ग्रहण करने की मनोदशा में था। भविष्यवक्ता ने उसे नकारात्मक सुझाव दिया, जिससे वह दहशत में आ गया। उसे पूर्ण विश्वास था कि अमावस्या के दिन वह मर जाएगा। मृत्यु के प्रति भय को अवचेतन मन ने सत्य मान लिया और उसकी मृत्यु को वास्तविकता में बदल दिया। उसके सुझाव में जान लेने की शक्ति नहीं थी। यदि वह मन के नियमों को जानता, तो वह इस नकारात्मक सुझाव को पूर्णतः अस्वीकार कर देता और भविष्यवक्ता के शब्दों पर तनिक भी ध्यान नहीं देता। यदि उसे पता होता कि वह अपने विचारों और भावनाओं द्वारा नियंत्रित होता है, तो वह जीवित रह सकता था। वह आसानी से उस सुझाव को नकार सकता था और उसे हवा में उड़ा सकता था, जिससे उसे कोई हानि न होती। परंतु, जागरूकता और समझ की कमी के कारण उसने अपनी मृत्यु को स्वयं आमंत्रित किया। दूसरों के सुझावों में स्वयं कोई शक्ति नहीं होती। आप अपने विचारों द्वारा उन्हें शक्ति प्रदान करते हैं। आपको अपनी मानसिक सहमति देनी होती है। आपको उस विचार को स्वीकार करना होता है। तभी वह विचार आपका बनता है, और आपका अवचेतन मन उसे साकार करने के लिए कार्य करता है। याद रखें, आपके पास चुनने की शक्ति है। इसलिए जिंदगी चुनें! प्रेम चुनें! सेहत चुनें!

सूत्र- सकारात्मक विचार रखें

कभी भी ऐसे शब्दों का प्रयोग न करें, 'मैं इसे कभी नहीं कर सकता' या 'मुझसे शायद कोई काम नहीं होगा।' आपका अवचेतन मन आपकी बात पर विश्वास कर लेता है और यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास वह करने के लिए क्षमता नहीं है, जो आप करना चाहते हैं। इसलिए हमेशा खुद पर भरोसे के साथ सकारात्मक विचार रखें। **जोसेफ मर्फी**

संक्षिप्त खबरें

इंदौर के जिस हिस्से में चलेगी मेट्रो ट्रेन वहां आबादी ही नहीं

जागरण, इंदौर। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में भोपाल से पहले मेट्रो पटरी पर दौड़ने लगेगी। इंदौर में सुपर कॉरिडोर पर छह किलोमीटर लंबा रूट मेट्रो ट्रेन के संचालन के लिए तैयार हो गया है। इसके लिए मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने किराया भी तय कर दिया है। हालांकि, मेट्रो का संचालन कब से शुरू होगा, यह अब तक तय नहीं हो पाया है, लेकिन गांधी नगर डिपो से बड़ा बांगड़दा तक जिस हिस्से में मेट्रो ट्रेन का संचालन होगा, वहां आबादी का संकट है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि मेट्रो को यात्री कैसे मिलेंगे? मेट्रो के पहले रूट पर न तो अभी बसाहट हुई है और न ही कोई व्यापारिक क्षेत्र है। इसके चलते अभी उस रूट पर मेट्रो के लिए यात्री मिलना मुश्किल है। अभी सुपर कॉरिडोर पर टीसीएस और इंफोसिस के बड़े कैंपस हैं। यहां काम करने वाले कर्मचारी भी एरोड्रम क्षेत्र, सुखलिया ग्राम या विजय नगर क्षेत्र में रहते हैं, लेकिन मेट्रो के मौजूदा रूट में ये इलाके नहीं हैं। इस कारण इन कंपनियों के कर्मचारियों को भी मेट्रो ट्रेन का ठीक से फायदा नहीं मिल पाएगा। मेट्रो ट्रेन गांधी नगर से विजय नगर संचालित होती है तो फिर यात्री बढ़ सकते हैं, क्योंकि गांधी नगर के लोग काम के सिलसिले में विजय नगर या उससे आगे जाते हैं।

अवकाश के बाद भी की जाएगी गेहूं की खरीदी

विसं, भोपाल। प्रदेश सरकार ने किसानों के हितों एवं बेमौसम हो रही बरसात को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया है कि सभी उपार्जन केन्द्रों में अवकाश होने के बाद भी 18 और 19 अप्रैल को गेहूं की खरीदी का कार्य निर्बाध रूप से जारी रहेगा। इसके लिए किसान स्लॉट बुक करा सकते हैं। इस संबंध में सभी कलेक्टर को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने जिलों में उपार्जन केन्द्रों की निरंतर मॉनीटरिंग करें। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि निर्णय किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो।

तीन आरआई के ट्रांसफर, मालवीय भोपाल में तैनात

भोपाल। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने 3 रिजर्व इंस्पेक्टर्स (आरआई) के तबादले किए हैं। सूची के अनुसार दीपक मालवीय को आरआई टीकमगढ़ से यातायात निरीक्षक भोपाल नगरीय, मुरैना के आरआई कनक सिंह चौहान का टीकमगढ़ और राजगढ़ के आरआई रविकांत शुक्ला को मुरैना पदस्थ किया गया है। बुधवार को जारी तबादला सूची के अनुसार ट्रांसफर किए हुए सभी अफसरों को समय सीमा में रिलीव करने के आदेश संबंधित जिलों के एसपी को दिए गए हैं।

विस की कृषि विकास समिति करेगी दौरा

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा की कृषि विकास समिति भोपाल व इंदौर संभाग का दौरा करेगी। इस दौरान समिति यह पता लगाएगी कि कैसे दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हो सकती है। समिति द्वारा जहां अधिकारियों के साथ मंत्रणा की जाएगी, तो पशुपालकों से भी उनका संवाद होगा। कृषि विकास समिति के सभापति दिलीप सिंह परिहार सहित सभी 11 सदस्य 21 से 23 अप्रैल के मध्य भोपाल और उज्जैन संभाग का दौरा करेगी। समिति दुग्ध उत्पादन कार्य का अवलोकन और संचालन पद्धति के साथ उसकी प्रोसेस समझेगी।दौरा 21 अप्रैल को एमपी राज्य पशुधन और कुक्कुट विकास निगम के केंद्रीय वीर्य संग्रहण केंद्र केरवा डैम से शुरू होगा। सदस्यों की टीम हबीबगंज भोपाल के सांची दुग्ध संघ के प्लांट और नए लैब का निरीक्षण करेंगे। यहां किसानों से किए जाने वाले दूध के कलेक्शन, प्रोडक्ट का प्रोडक्शन किए जाने और अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे

पिंजरे में तोता लेकर ईडी दफ्तर घेरने पहुंचे कांग्रेसी

नेशनल हेराल्ड मामलाः सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी के चार्ज शीट दाखिल करने पर प्रदर्शन

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस के अखबार नेशनल हेराल्ड को लेकर शुरू हुई राजनीति का असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिला है। कांग्रेस ने राजधानी भोपाल में बुधवार को सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी द्वारा चार्ज शीट दाखिल करने के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जहां इस मामले पर भाजपा सरकार पर आरोप लगाया, तो प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कह दिया कि कांग्रेस इस मामले में विरोध क्यों कर रही है, जबकि मामला उनकी ही सरकार के दौरान पंजीबद्ध किया गया था। दोपहर लगभग तीन बजे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की अगुवाई में कांग्रेसी भोपाल स्थित ईडी दफ्तर का घेराव करने बीसीएनएल ऑफिस के पास पहुंचे,जहां मौजूद पुलिस से उनकी झड़प भी हुई। पिंजरे में तोता लिए कांग्रेसियों ने ईडी पर सरकार के इशारे पर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने के आरोप लगाए। पटवारी ने कहा कि 36 नेताओं के खिलाफ ईडी में मामला पंजीबद्ध किए गए थे, उनमें से 30 भाजपा में चले गए, तो वे मोदी मशीन में धुलकर साफ हो गए। कांग्रेसियों ने अपने ज्ञापन के साथ पुलिस को पिंजरे में रखा तोता भी भेंट कर दिया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में ईडी दफ्तर के पास प्रदर्शन करते कांग्रेसी। छायाः एचसी वर्मा

कांग्रेसी न पहले किसी से डरे थे और न अब डरेंगे : जीतू

पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने वाले नेहरू गांधी परिवार ने अपनी संपत्ति देश को दान कर दी। ऐसे परिवार पर वे लोग आरोप लगा रहे हैं, जिनके खुद के नेता भ्रष्टाचार में डूब हुए हैं। इन प्रत्येक जिले में कम से कम 10-10 करोड़ के भाजपा कार्यालय हैं। नेशनल हेराल्ड से सोनिया गांधी सहित किसी ने भी 1 रुपये नहीं लिया। मध्यप्रदेश में जिस पैसे से सरकारें गिराई उसकी जांच आज तक नहीं कराई गई। उन्होंने कहा यदि पीएम नरेन्द्र मोदी ईमानदार हैं तो एमपी के मंत्रियों, विधायक, सांसदों की जांच कराई जाए। सबसे ज्यादा अवैध संपत्ति भाजपा नेताओं और उनके रिश्तेदारों के नाम पर मिलेगी। उन्होंने कहा कि पहले अंग्रेजों ने कांग्रेस को डराने का काम किया गया,लेकिन हम न पहले डरे थे और न अब डरेंगे। हम पहले लड़े थे और अब फिर लड़ेंगे।

गांधी परिवार ने कभी अपने लिए संपत्ति नहीं की अर्जितः दिग्विजय

राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि देश में नेहरू गांधी एक ऐसा परिवार है जिसने 1930 से लेकर आज तक

अपनी संपत्ति देश को ही सौंपी है, कभी खुद के लिए या किसी स्वार्थ सिद्धि से कोई संपत्ति उन्होंने अपने लिए अर्जित नहीं की है, कोई भ्रष्टाचार का आरोप उन पर आज तक नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि भाजपा आरएसएस मिलकर ईडी, आईटी और सीबीआई को एक राजनीतिक हथियार के रूप में दुरुपयोग कर रहे हैं जिसकी हम निंदा करते हैं। नेशनल हेराल्ड के केस में एक पैसा भी नेहरू गांधी परिवार ने अपने ऊपर खर्च नहीं किया है । शुद्ध रूप से यह प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्डिरिंग एक्ट का केस बनता ही नहीं है।

विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश कर रही भाजपाः सिंघार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि भाजपा देश में विपक्ष की आवाज को खत्म करना चाहती है। इसी के तहत नेशनल

हेराल्ड की फायल खोली गई जबकि इस मामले में सोनिया और राहुल गांधी की जांच खत्म हो चुकी थी। सिंघार ने कहा कि कांग्रेस ने इलेक्टोरल बांड का मुद्दा उठाया,भाजपा ने इसके जरिए हजारो करोड़ का अवैध चंदा लिया। क्या ये करप्शन नहीं है। मध्यप्रदेश में सौरभ शर्मा का मामला हुआ,जिसमें लोकायुक्त ने चार्जशीट फायल नहीं की और उसे जमानत मिल गई। भाजपा खुद के घोटालों पर कभी भी जांच नहीं कराती।

सोशल मीडिया का यही स्लोगन है चोर मचाए शोरः शर्मा

प्रदेश भाजपा दफ्तर में अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कांग्रेस झूठ, छल-कपट की राजनीति करती है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम चार्ज शीट में

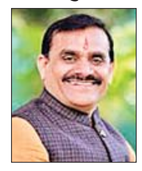

आना तकनीकी कानूनी मामला है। जिस नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर चार्जशीट दाखिल की गई है, वह वर्ष 2012 का है, तब केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी, पीएम मोदी की सरकार नहीं थी। इस मामले की अक्टूबर 2013 से सुनवाई शुरू हुई थी। 90 करोड़ की देनदारी थी, जो हजारों करोड़ कैसे हो गई। जिस एजेएल को पंडित नेहरू ने स्थापित किया था, उसके शेयर देने का विरोध शांति भूषण ने भी किया था। नेहरू जी द्वारा स्थापित तीनों अखबार घाटे में कैसे चले गए। उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट षडयंत्र कर यंग इंडिया कंपनी बनाई गई,जिसमें सोनिया और राहुल गांधी के 38-38 प्रतिशत शेयर थे। यह पूरी संपत्ति कैसे एक परिवार को ट्रांसफर की गई,जो अखबार आजादी के आंदोलन में लड़ने वालों की आवाज था,वह इन लोगों के लिए एटीएम बन गया।

कांग्रेस ने ही सबसे ज्यादा संविधान संशोधन किए : सीएम

अंबेडकर सम्मान कार्यशाला में जुटे दिग्गज भाजपा नेता

विशेष संवाददाता, भोपाल। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में बुधवार को पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ही सबसे ज्यादा संविधान में संशोधन किए हैं। कांग्रेस की चमड़ी बहुत मोटी हो गई है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का सबसे ज्यादा अपमान करने वाली कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस का मूल चरित्र ही तुष्टिकरण कर अपना काम निकालने का रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास" के मूल मंत्र के साथ देश को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जब-जब भाजपा की सरकारें बनीं बाबा साहब को सम्मान देने का काम किया गया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महू को दिल्ली से जोड़ने का काम किया गया है। इस कार्यशाला में सरकार के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य,राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम,प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह,प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, विधायक भगवानदास सबनानी सहित दूसरे नेता मौजूद रहे।

दुष्प्रचार का मुंहतोड़ जवाब देना है : शर्मा

प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा का संगठन तंत्र बूथ स्तर तक सक्रियता से कार्य करता है, इसलिए राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा हमें दिए गए इस अभियान को बूथ स्तर पर साकार करना है। पार्टी कार्यकर्ता 25 अप्रैल तक प्रदेश के 65 हजार 14 बूथों पर पहुंचकर तथ्यात्मक मुद्दों पर बात करेंगे। यह अभियान बाबा साहब की जयंती 14 अप्रैल से प्रदेश भर में प्रारंभ हुआ है। हमें जनता तक पहुंचकर कांग्रेस द्वारा समाज में किए गए दुष्प्रचार का मुंहतोड़ जवाब देना है।

कांग्रेस ने 88 बार चुनी हुई सरकारों को गिरायाः वाजपेयी

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के समय कांग्रेस और विपक्षी दल देश में एक नैरेटिव सेट करने में सफल रहे कि अगर भाजपा लोकसभा में 400 सीटें जीत जाएगी तो संविधान बदल देगी। कांग्रेस और विपक्षी दलों के इस दुष्प्रचार को तथ्यों के साथ जवाब देने की जरूरत अभी भी है। कांग्रेस पार्टी ने संविधान का किस प्रकार से दुरूपयोग किया है, उसका बड़ा उदाहरण धारा 356 का अनुचित प्रयोग है। कांग्रेस पार्टी ने केंद्र में सत्ता मे रहते 88 बार धारा 356 का दुरूपयोग कर राज्यों की चुनी गई सरकारों को गिराया है। जबकि 11 साल के कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धारा 356 का प्रयोग कर किसी भी सरकार को गिराने का कार्य नहीं किया। कांग्रेस हमेशा से आरक्षण की विरोधी रही है। 27 जून 1961 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र भेजकर कहा था कि अब देश में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों को मिलने वाले आरक्षण की अब आवश्यकता नहीं है, इसे समाप्त कर देना चाहिए।

दमोह का मिशन अस्पताल बंद, लाइसेंस किया सस्पेंड

फर्जी डॉक्टर के कारण चर्चा में आया था, तीन दिन में सारे मरीज किए जाएंगे दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट

जागरण, दमोह। फर्जी डॉक्टर नरेंद्र यादव उर्फ डॉ. एन जॉन केम द्वारा सात मरीजों की हार्ट सर्जरी के दौरान मौत के बाद चर्चा में आए दमोह के मिशन अस्पताल में अंततः ताला डल गया है। जिला प्रशासन ने फर्जी डॉक्टर द्वारा किए गए ऑपरेशन, डॉक्टर्स व पैरामेडिकल स्टॉफ और लैब के अभाव में अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया। पुराने मरीजों को तीन दिन के अंदर दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। साथ ही नए मरीजों का इलाज अस्पताल अब नहीं कर सकेगा। सीएमएचओ डॉ. मुकेश जैन ने मिशन अस्पताल को तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश जारी किया है। सीएमएचओ के मुताबिक अस्पताल को लाइसेंस रिन्युअल के लिए आवश्यक दस्तावेज जमा करने एक सप्ताह का समय दिया गया था, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने मांगे गए दस्तावेज ऑनलाइन जमा नहीं किए। अस्पताल का पंजीयन 31 मार्च 2025 तक वैध था। उधर, मिशन अस्पताल की प्रबंधक पुष्पा खरे का कहना है कि अभी तक उनके पास ऐसा कोई पत्र नहीं आया है। रही बात अस्पताल के लाइसेंस की तो वह उन्होंने 14 अप्रैल को ही आवेदन करके रिन्यू कर लिया था। अब केवल निरीक्षण होना बाकी है। इसके बाद जो भी कमियां बताई जाएंगी। हम उन्हें दूर करेंगे। अभी जो माहौल चल रहा है, उसमें यदि सीएमएचओ कोई एक्शन नहीं लेते हैं तो उन्हें उनकी नौकरी का डर था, इसलिए वह कुछ भी कर रहे हैं। बता दें कि इस अस्पताल में नियुक्त डॉ. एन जॉन केम फर्जी था। वह खुद को लंदन निवासी बताता था जबकि उसका असली नाम नरेंद्र यादव था।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले को उम्रकैद

जागरण, विधि संवददाता। विशेष न्यायालय की न्यायाधीश कुमुदिनी पटेल ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को भारतीय दंड विधान, पॉक्सो एक्ट और एससीएसटी एक्ट विभिन्न धाराओं में दोष सिद्ध पाते हुये शफीक को आजीवन कारावास और एक हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक दिव्या शुक्ला एवं ज्योति कुजूर ने पैरवी की। बता दें कि 9 दिसम्बर 2019 को पीड़िता के पिता द्वारा पुलिस थाना गोविंदपुरा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उनकी 14 वर्षीय नाबालिक पुत्री को आरोपी शरीफ दूध लेने का कहकर ले गया फिर वापस नहीं आया। आरोपी पीड़िता के भाई के दोस्त का मुंह बोला चाचा था। पीड़िता ने बताया कि घटना दिनांक 9 दिसम्बर 2019 को शरीफ उसके पास आया और दुकान पर जाकर दूध लेने का बोला तब पीड़िता उसके साथ दूध लेने चली गई। आरोपी बस स्टेशन ले गया और वहां से सीहोर ले गया। वहां एक आंटी के घर ले गया और बोला कि रात को यहीं रुकेंगे और जबरदस्ती पीड़िता के साथ गलत काम किया। दूसरे दिन रात को शरीफ पीड़िता को सीहोर से भोपाल लेकर आया और गोविंदपुरा थाने के सामने छोड़कर भाग गया। पीड़िता को न्यायालय द्वारा 1 लाख रुपये की राशि का प्रतिकर दिलावाया गया है।

हॉक फोर्स में 325 जवानों की नियुक्ति, चयन प्रक्रिया शुरू

एमपी पुलिस, जीआरपी, एसएएफ से चुने जाएंगे काबिल कमांडो

मुख्य संवाददाता, भोपाल। जो रुतबा अमेरिका में सील और भारत में एनएसजी कमांडो को हासिल है, ठीक वही हैसियत एमपी में हॉक फोर्स की है। हॉक फोर्स एमपी पुलिस की स्पेशल कमांडो यूनिट है, जिसे खास ट्रेनिंग देकर किसी भी खतरनाक परिस्थिति से निपटने में दक्ष बनाया जाता है। 1998 में नक्सलियों से निपटने के लिए बनाई गई हॉक फोर्स में अब कमांडो की संख्या बढ़ाई जा रही है। इसके लिए सरकार ने 325 नए पदों को मंजूरी दे दी है। एमपी पुलिस, एसएएफ, जीआरपी, जिला बल से इसके लिए जवानों को चुना जा रहा है। ये सभी पद 5 साल के लिए प्रतिनियुक्ति से भरे जाएंगे। फिलहाल हॉक फोर्स में कुल 1200 जवान हैं, लेकिन नई नियुक्तियों के बाद इस स्पेशल दस्ते में 1500 से ज्यादा जवान होंगे। यह प्रक्रिया लगभग दो माह में पूरी होने की संभावना है। हॉक फोर्स में शामिल होने के लिए कठिन पैरामीटर्स तय हैं। किसी भी पुलिस जवान को हॉक फोर्स में शामिल होने के लिए कम से कम पांच साल का अनुभव होना अनिवार्य है, जबकि उसकी अधिकतम उम्र 35 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही, हॉक फोर्स में शामिल होने के लिए आए आवेदनों में से केवल उन्हीं कैंडिडेट को शॉर्टलिस्ट किया जाता है जिनका पिछले पांच साल का ट्रैक रिकॉर्ड एक्सीलेंट होता है। इसके बाद इन शॉर्टलिस्टेड

कैंडिडेट्स का फिजिकल टेस्ट लिया जाता है, जिसमें लंबी कूद, ऊंची कूद, दौड़, फायरिंग जैसी योग्यताओं को परखा जाता है। इनमें सिलेक्ट हुए जवानों का इसके बाद हॉक फोर्स के लिए खास तौर पर बनाई गई दो महीने की कठिन ट्रेनिंग का दौर शुरू होता है। इसके बाद इन्हें प्रशिक्षण के अगले चरण में ग्रेहाउंड फोर्स, आंध्रप्रदेश या मिजोरम में ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाता है। वहां से सफल होने के बाद इन्हें जरूरत के मुताबिक तय स्थान पर ड्यूटी के लिए भेज दिया जाता है।

> हॉक फोर्स के लिए 325 नए पदों पर चयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एमपी पुलिस के सभी विंग से हॉक फोर्स के मानक पूरे करने वाले कैंडिडेट्स का चुनाव कर रहे हैं।
>
> ■ **पंकज श्रीवास्तव**, डीजी एंटी नक्सल ऑपरेशन एंड एसटीएफ, एमपी

नक्सली खात्मे के लिए बनी थी यूनिट

हॉक फोर्स मध्य प्रदेश पुलिस की एक स्पेशल कमांडो यूनिट है। इसे एंटी नक्सल और अन्य खतरनाक ऑपरेशन्स को अंजाम देने के लिए बनाया गया था। 1998 में स्थापित इस फोर्स को फिलहाल नक्सली इलाकों में ही तैनात किया जाता है। फोर्स के जवान किसी भी विपरीत परिस्थिति से निपटने में खास रूप से दक्ष होते हैं और उन्हें स्पेशल कमांडो ट्रेनिंग के जरिए दुश्मन से निपटने के गुर सिखाए जाते हैं। इस फोर्स के जवान भारी सर्दी, तेज गर्मी जैसे प्रतिकूल मौसमों के साथ रेगिस्तान से लेकर दलदली इलाकों और घने जंगलों तक में किसी भी तरह की गुरिल्ला वॉर टैक्टिक्स और जंगल वॉरफेयर में निपुण होते हैं। इन्हें तमाम तरह के हथियारों को चलाने से लेकर बम डिफ्यूज करने, जंगली जानवरों से निपटने जैसी विधाएं भी सिखाई जाती हैं। हॉक फोर्स में सिलेक्टेड जवानों को नियमित वेतन के साथ 70 प्रतिशत अतिरिक्त भुगतान रिस्क अलाउंस के रूप में किया जाता है। इन सभी जवानों को हर साल 15 दिनों के लिए रिफ्रेशर कोर्स भी कराया जाता है। इस स्पेशल यूनिट में सामान्य तौर पर किसी भी जवान को पांच साल की अवधि के लिए ही तैनात किया जाता है। विशेष परिस्थितियों में आला अफसरों की अनुमति से कार्यकाल बढ़ाने का भी प्रावधान है। फिलहाल हॉक फोर्स का मुख्यालय बालाघाट में है।

रणनीति | निगम-मंडलों में भी नियुक्ति के आसार कम, युवाओं और वरिष्ठ नेताओं को मिलेगा मौका

विधायकों को संगठन के दायित्व से मुक्त करेगी भाजपा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा अपने विधायकों को संगठन की जिम्मेदारियों से मुक्त करेगी। उनके स्थान पर युवाओं, महिला कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं को मौका दिया जाएगा। हालांकि विधायकों को अपने विधानसभा क्षेत्र में संगठन के कार्यों में भरपूर सहयोग करना पड़ेगा। गौरतलब है कि भाजपा के एक दर्जन से ज्यादा विधायकों के पास प्रदेश संगठन की अलग-अलग जिम्मेदारी है। पार्टी ने तय किया है कि विधायक अपने क्षेत्रों में पूरा ध्यान दे पाए, इसलिए उन्हें संगठन के पदो से अलग किया जाएगा। हालांकि इन विधायकों को अपने गृह क्षेत्र में संगठन से जुड़े विषयों में भरपूर सहभागिता और सहयोग करना होगा। सूत्रों का कहना है कि कुछ वरिष्ठ विधायकों को छोड़कर सभी विधायकों को सरकारी पदों पर भी नहीं बैठाया जाएगा। इन पदों पर भाजपा अपने वरिष्ठ नेताओं और युवा कार्यकर्ताओं को मौका देने की तैयारी में है। दरअसल, प्रदेश भाजपा के विधायक प्रदेश संगठन में अलग-अलग जिम्मेदारी निभा रहे हैं। 9 विधायक ऐसे हैं जो प्रदेश टीम के सदस्य हैं और अहम जिम्मेदारी उठा रहे हैं। इनके अलावा 24 विधायक प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य हैं। बताया जा रहा है कि पार्टी ने तय किया है कि जो विधायक प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हैं उनके अलावा प्रदेश भाजपा टीम में शामिल विधायकों को संगठनात्मक पदों से हटा दिया जाएगा।

लूपलाइन वाले नेताओं को मिलेगा महत्व

जानकारों की मानें तो पार्टी प्रदेश संगठन में ऐसे लोगों को मौका दे सकती है, जो काफी समय से मूलधारा से बाहर हैं, लेकिन उनका क्षेत्र में लगातार जनसपंर्क बना हुआ है। इनमें कई पूर्व विधायक व पूर्व मंत्री भी शामिल हैं। इनके अलावा दूसरे दलों से आए जनाधार वाले नेताओं को भी पार्टी प्रदेश स्तर पर बड़े पदों पर बैठा सकती है। पार्टी से जुड़े सूत्रों की मानें तो प्रदेश के खाली पड़े निगम मंडल, प्राधिकरण और आयोग के पदों पर विधायकों को महत्व मिलेगा, इसकी संभावनाएं भी लगभग नगण्य हैं। यह अलग बात है कि कई विधायक इन पदों पर बैठने के लिए सरकार और निर्णयकर्ताओं से अपनी भावनाओं को अवगत करा चुके हैं।

विधायकों की सक्रियता में कमी

पार्टी के जानकार बता रहे हैं कि यह निर्णय संघ के सुझाव पर लिया जा रहा है। संघ ने प्रदेश संगठन को चेताया कि उनकी पार्टी के विधायक अपनी विधानसभा सीटों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। कई विशेष अवसरों पर विधायक प्रदेश संगठन की जिम्मेदारी में व्यस्त होने की बात कहकर क्षेत्र से नदारत हो जाते हैं। इससे विधायकों की उनके क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता में कमी आ रही है और लोग उन पर से अपना भरोसा कम करते जा रहे हैं।

नई टीम के दौरान होगा बदलाव

जानकारों का कहना है कि जल्द ही मध्यप्रदेश भाजपा को अपना नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इसके बाद नए सिरे से नई टीम का गठन किया जाएगा। इसमें विधायकों को संगठन की अहम जिम्मेदारी सो दूर रखा जाएगा। उनके स्थान पर वरिष्ठ नेताओं, पूर्व विधायकों और युवाओं को प्रदेश पदाधिकारियों की जिम्मेदारी सौंपी जा जाएगी। इधर सूत्रों का कहना है कि मध्यप्रदेश के अगले अध्यक्ष के बारे में इसी माह फैसला हो सकता है और उनकी प्रदेश स्तर की टीम भी अगले माह तक गठित कर दी जाएगी। नई टीम में अहम पद पाने के लिए अभी से कई वरिष्ठ नेता सक्रिय हो गए हैं। विशेष कर प्रदेश महामंत्री के पद पर कई नेताओं की नजर बताई जा रही है।

इन विधायकों के पास है प्रदेश संगठन की जिम्मेदारी

प्रदेश उपाध्यक्ष चिंतामणि मालवीय, नागर सिंह चौहान (सरकार में मंत्री) और ललिता यादव, महामंत्री भगवान दास सबनानी (कार्यालय प्रभारी) और हरिशंकर खटीक, प्रदेश मंत्री मनीषा सिंह, प्रदेश सहकोषाध्यक्ष अनिल जैन कालूहेड़ा, प्रवक्ता अर्चना चिटनिस।

पृष्ठ एक की खबरों का शेष

सरकार को सशर्त ...

खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि अदालत कानूनों को आसानी से स्थगित नहीं करती, लेकिन जब कोई मामला विचाराधीन हो, तब संबंधित पक्षों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यथास्थिति बनी रहे। अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार तो यह आश्वासन दे सकती है, लेकिन राज्य सरकारों की ओर से भी ऐसा ही भरोसा जरूरी है, तब मेहता ने सुझाव दिया कि अदालत निर्देश दे सकती है कि यदि कोई राज्य नियुक्ति करता है, तो वह शून्य मानी जाए।

केंद्र का जवाबः यदि पंजीकृत हैं तो वक्फ बने रहेंगेः एसजी तुषार मेहता ने जवाब में कहा कि अगर संपत्ति पंजीकृत है, तो उसे वक्फ माना जाएगा और ऐसे किसी वक्फ को शून्य घोषित नहीं किया जाएगा। अदालत ने इस पर राहत जताई, लेकिन दोहराया कि केवल पंजीकरण के आधार पर ही वक्फ की स्थिति नहीं जानी जा सकती।

राष्ट्रपति को आदेश ...

हमें अपने आप से सवाल पूछने होंगे। क्या देरी समझने योग्य है? क्षमा करने योग्य है? 21 मार्च को एक समाचार पत्र द्वारा खुलासा किया गया, कि देश के लोग पहले कभी नहीं हुए इतने स्तब्ध थे। वे किसी तरह के लिंबो में थे, इस विस्फोटक चौंकाने वाले खुलासे पर गहराई से चिंतित और परेशान थे।'

आयरन डोम की तर्ज ...

कर सकते हैं।

पेंटागन की प्रतिक्रियाएं और चिंताएंः इस परियोजना में 180 से अधिक कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने सीधे अपने भरोसेमंद उद्यमियों को चुना। पेंटागन के भीतर कुछ अधिकारी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि क्या इतनी बड़ी रक्षा प्रणाली को सब्सक्रिप्शन आधारित बनाना समझदारी है? अगर सिस्टम का मालिक अमेरिका नहीं होगा, तो क्या भविष्य में इसकी लागत और विकास पर सरकार का नियंत्रण रहेगा?

इतिहास की परछाइयांः क्या यह 'स्टार वार्स 2.0' है?: यह प्रस्ताव 1980 के दशक में रोनाल्ड रीगन द्वारा शुरू की गई स्ट्रेटेजिक डिफेंस इनिशिएटिव एसडीआई की याद दिलाता है, जिसे 'स्टार वार्स' के नाम से जाना गया था। वह परियोजना कभी धरातल पर नहीं उतर सकी। अब ट्रंप की यह योजना उस अधूरी विरासत को पुनर्जीवित करने की कोशिश लगती है- पर आधुनिक टेक्नोलॉजी और निजी कंपनियों की बदौलत।

तकनीक और सत्ता का गठजोड़ : ट्रंप प्रशासन का यह कदम दिखाता है कि कैसे राजनीति, तकनीक और पूंजी एक साथ मिलकर रणनीतिक निर्णय ले सकते हैं। पेलंटियर जैसी कंपनियां पहले से ही डेटा निगरानी के लिए मशहूर हैं, और अब वे अंतरिक्ष सुरक्षा में भी कदम रख रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूएन पहुंचा औरंगजेब की कब्र का मामला

हैदराबाद। औरंगजेब की कब्र का मामला अब संयुक्त राष्ट्र तक पहुंच गया है। याकूब हबीबुद्दीन तुसी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को एक पत्र लिखा। इसमें उन्होंने महाराष्ट्र के शंभाजी नगर में स्थित औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। तुसी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव के कार्यालय से इस मामले का संज्ञान लेने को कहा। यह भी मांग की है कि केंद्र सरकार और एएसआई को निर्देश दिया जाए, कि औरंगजेब की कब्र को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक पूर्ण कानूनी संरक्षण और सुरक्षा मिले। याकूब ने हवाला दिया कि औरंगजेब की कब्र को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया गया है। यह प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनियम-1958 के तहत संरक्षित भी है।

पाक ट्रेन हाईजैक का अमेरिका कनेक्शन

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में पिछले महीने ट्रेन हाईजैक मामले की जांच में पता चला है कि इसमें अमेरिका निर्मित हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। बलूचिस्तान में 11 मार्च को जाफर एक्सप्रेस को बलूच विद्रोहियों ने उस समय हाईजैक कर लिया था, जब ट्रेन क्वेटा से पेशावर जा रही थी। इसमें 500 यात्री सवार थे। इनमें से कई यात्रियों को बंधक बना लिया गया था। दो दिन चले अभियान में सुरक्षा बलों ने कई हमलावरों को मार गिराया और बंधकों को मुक्त कराया था। रिपोर्ट के हवाले से बताया कि अमेरिकी सेना ने 2021 में अफगानिस्तान को छोड़ा था, तब काफी हथियारों को छोड़ा था। बलूचिस्तान में ट्रेन हाईजैक स्थल से जो हथियार बरामद किए गए हैं, उनमें एक एम4ए1 कार्बाइन राइफल है, जो अमेरिकी हथियार निर्माता कोल्ट द्वारा निर्मित है।

प. एशिया में यूएस का दूसरा विमानवाहक पोत

दुबई। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में दूसरा विमानवाहक पोत भेज दिया है। उसने ईरान के साथ दूसरे दौर की वार्ता से पहले यह कदम उठाया है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर दोनों पक्षों में शनिवार को ओमान की राजधानी मस्कट में पहले दौर की वार्ता हुई। वार्ता सकारात्मक बताई गई। अब वाशिंगटन और तेहरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता रोम में हो सकती है। अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस कार्ल विंसन को अरब सागर में तैनात किया गया है। इस क्षेत्र में पहले से यूएसएस ट्रूमैन तैनात है। यहां अमेरिकी सेना यमन में ईरान समर्थित हाउती विद्रोहियों को निशाना बना रही है। इस कदम को ईरान पर दबाव बनाने के रूप में देखा जा रहा है। मस्कट में पहले दौर की वार्ता के बाद अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता को लेकर सहमति बनी थी। यह संभावना है कि दोनों पक्षो में 19 अप्रैल को फिर वार्ता हो सकती है।

पाकिस्तानी ने की दो भारतीयों की हत्या

दुबई। दुबई की एक बेकरी में पाकिस्तानी शख्स ने तलवार से हमला कर दो भारतीयों की हत्या कर दी। दोनों मृतक तेलंगाना के रहने वाले हैं और बेकरी में काम करते थे। एक का नाम अष्टापू प्रेमसागर (35) है, जो निर्मल जिले के सोअन गांव का रहने वाला था। दूसरे की पहचान निजामाबाद जिले के श्रीनिवास के तौर पर हुई है। हमले में एक तीसरा शख्स घायल हुआ था। उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। अष्टापू प्रेमसागर के चाचा ने भतीजे का पार्थिव शरीर भारत लाने के लिए सरकार से मदद मांगी है। उन्होंने सरकार से कहा कि परिवार की गरीब स्थिति को देखते हुए आर्थिक मदद मुहैया कराए। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से इस मामले में मदद करने को कहा है।

टैरिफ वॉरः चीन के 125 के जवाब में ट्रंप ने लगाया 245 फीसदी टैक्स

चीन बोला-अमेरिका ने शुरू किया, हम जवाब दे रहे, टैरिफ वॉर से नहीं डरते

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन समकक्ष शी जिनपिंग के बीच टैरिफ वॉर थमता नहीं दिख रहा है। चीन और अमेरिका के बीच टैरिफ वॉर अब तेज होता जा रहा है। अमेरिका ने एक बार फिर चीन पर दबाव बढ़ाया है। अमेरिका ने कहा है कि चीन को अपनी जवाबी कार्रवाई के कारण अब अमेरिका में माल के आयात पर 245 प्रतिशत तक टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऑफिस, व्हाइट हाउस ने अपने फैक्ट शीट में कही है।

चीन द्वारा 11 अप्रैल को अमेरिकी सामान पर लगाए गए 125 फीसदी टैरिफ के जवाब में ट्रंप ने नया टैरिफ लगाया है।

चीन फिर बोला- अमेरिका को बातचीत करनी चाहिए

अमेरिका की तरफ से नए टैरिफ के ऐलान के बाद चीन ने कहा कि हम अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर करने से नहीं डरते। चीन ने दोबारा कहा कि अमेरिका को बातचीत करनी चाहिए। इससे पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि चीन को बातचीत की शुरुआत करनी होगी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि अगर अमेरिका सच में डायलॉग और समझौते के जरिए मुद्दे को सुलझाना चाहता है, तो उसे बेमतलब का दबाव बनाना, डराना और ब्लैकमेल करना बंद करना चाहिए और चीन के साथ बराबरी, सम्मान और आपसी हित के आधार पर बात करनी चाहिए। लिन जियान ने पत्रकारों से कहा कि 245 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के तहत अलग-अलग टैक्स रेट क्या होगा, ये आप अमेरिका से ही पूछिए। ये टैरिफ वॉर अमेरिका ने ही शुरू की है, हमने नहीं। हम सिर्फ अमेरिका के एक्शन का जवाब दे रहे हैं। हमारे कदम पूरी तरह तार्किक और कानूनी हैं। हम अपने देश के अधिकारों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में ईमानदारी बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

अमेरिका ने अब चीन पर 100 फीसदी और टैरिफ लगा दिया है। इसके साथ अमेरिका इम्पोर्ट होने वाले चीनी सामान पर कुल टैरिफ 245 फीसदी हो गया है, जबकि चीन ने 11 अप्रैल को अमेरिकी सामान पर 125 फीसदी टैरिफ लगाया था, जिसके जवाब में ट्रम्प ने नया टैरिफ लगाया है। इससे पहले चीन ने कहा था कि अब वह अमेरिका की तरफ से लगाए जाने वाले किसी भी अतिरिक्त टैरिफ का जवाब नहीं देगा। व्हाइट हाउस ने बयान में कहा है कि लिबरेशन डे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन सभी देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जो अमेरिका पर हाई टैरिफ लगाते हैं। टैरिफ को फिर रोक दिया गया, क्योंकि 75 से अधिक देश अब व्यापार डील पर बातचीत करने के लिए अमेरिका के पास पहुंचे। इन चर्चाओं के बीच इंडीविजुअल (देशों पर व्यक्तिगत) टैरिफ को फिलहाल रोक दिया गया है, चीन को छोड़कर, जिसने जवाबी कार्रवाई की। चीन को अब अपनी जवाबी कार्रवाई के कारण अमेरिका में आयात पर 245 फीसदी तक के टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

रॉ के पूर्व चीफ दुलत का चौंकाने वाला खुलासा

पूर्व पीएम वाजपेयी ने दिया था अब्दुल्ला को ऑफर?

नई दिल्ली, जेएनएन। रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख एएस दुलत ने अपनी नई किताब 'द चीफ मिनिस्टर एंड द स्पाई' में कई चौंकाने वाले खुलासे कर चर्चा में हैं। इस किताब में जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम फारुक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर नरेंद्र मोदी सरकार के 370 हटाने की कई घटनाओं का विवरण है। खास बात ये है कि ये सभी ऐसी घटनाएं हैं, जिनके बारे में अब तक किसी को नहीं पता था। हालांकि, धारा 370 पर फारुक अब्दुल्ला के कड़े ऐतराज और समर्थन से इनकार करने के सवाल पर पूर्व रॉ चीफ ने कहा है कि उनकी किताब की गलत रिपोर्टिंग की गई और उनकी किताब में कहीं नहीं लिखा कि फारुक अब्दुल्ला धारा 370 हटाने के समर्थन में थे।

उमर को बनाना चाहते थे सीएम

रॉ के पूर्व चीफ एएस दुलत ने किताब में लिखा, वाजपेयी फारुक अब्दुल्ला को हटाकर उमर को सीएम बनाना चाहते थे? दुलत ने कहा, दिल्ली ने कहा था डॉक्टर साहब को कि आपको वाइस प्रेसिडेंट बना देंगे और उमर को वहां रहने दीजिए कश्मीर में। ये बात हुई थी, पर उनको तो बनाया नहीं वाइस प्रेसिडेंट और उमर इलेक्शन हार गए, तो सारा किस्सा खत्म हो गया। एक अन्य सवाल के जवाब में रॉ के पूर्व चीफ ने कहा, ये आप उमर साहब से पूछ लीजिए। मुझे नहीं लगता कि नजदीक आ गए। अगर उमर साहब कहते हैं कि नजदीक आ गए, तो फिर मैं भी कहूंगा। अब कश्मीर के हालात सुधरे हैं? इस पर उन्होंने कहा, मुझे तो नहीं लगता कुछ भी, कहीं भी इंप्रूवमेंट हुई है। अगर कोई कश्मीरी कहता है, कोई भी कश्मीरी लीडर,आप शहजाद अल्ताफ से पूछ लीजिए, महबूबा से पूछ लीजिए। किसी से पूछ लीजिए।

पाक में इजराइल विरोधी प्रदर्शन, कर्मचारी की हत्या

कट्टरपंथियों ने दुकान में घुसकर गोली मारी, तोड़फोड़ और लूटपाट

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान के पंजाब में इजराइल विरोधी प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी फास्ट फूड रेस्टोरेंट केएफसी के आउटलेट पर लूटपाट और तोड़फोड़ की। कट्टरपंथी इस्लामी ग्रुप तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के हमले में केएफसी के एक कर्मचारी की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शेखपुरा में घटी। पुलिस के मुताबिक टीएलपी कार्यकर्ताओं के एक बड़े ग्रुप ने सुबह-सुबह केएफसी आउटलेट पर धावा बोल दिया था। हमलावरों ने रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ करते हुए स्टाफ पर गोलियां चलाईं। इस दौरान 40 साल के एक कर्मचारी आसिफ नवाज की मौत हो गई, जबकि बाकी स्टाफ दुकान छोड़कर भाग गया। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस जब तक मौके पर पहुंची तो उपद्रवी भाग चुके थे। इस मामले में 3

दर्जन से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और जांच जारी है।

पिछले हफ्ते कराची में भी की थी तोड़फोड़

एक दिन पहले ही टीएलपी कार्यकर्ताओं ने रावलपिंडी में केएफसी आउटलेट को भी निशाना बनाया था और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया था। पिछले हफ्ते कराची और लाहौर में भी इसी तरह के हमले हुए थे, जहां केएफसी आउटलेट में आग लगा दी गई थी। पंजाब पुलिस इस मामले में 17 टीएलपी मेंबर को गिरफ्तार किया था।

भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन में पेच चुनाव साथ लड़ेंगे पर सरकार में नहीं

चेन्नई, जेएनएन। तमिलनाडु की एआईएडीएमके ने २०२६ में होने वाले विस चुनाव के लिए भाजपा को झटका देते हुए घोषणा की कि यदि उसका गठबंधन चुनाव जीतता है,तो राज्य में कोई गठबंधन सरकार नहीं बनेगी। एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा कि तमिल पार्टी गठबंधन सरकार को स्वीकार नहीं करेगी और बीजेपी के साथ गठबंधन केवल चुनाव के लिए है। पलानीस्वामी के बयान के बाद यह साफ हो गया है कि तमिल पार्टी गठबंधन सरकार नहीं चाहती और भाजपा के साथ गठबंधन में सिर्फ चुनाव लड़ेगी।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब खबरें हैं कि एआईएडीएमके के कुछ नेता भाजपा के साथ गठबंधन से नाखुश हैं। इसकी वजह राज्य में 2019 विधानसभा और 2024 लोकसभा चुनावों में दोनों के खराब ट्रैक रिकॉर्ड को है। कथित तौर पर

भाजपा को झटका

वक्फ कानूनों में बदलाव के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर मुसलमानों सहित अल्पसंख्यक समुदायों के वोटों के संभावित नुकसान को देखते हुए भी एआईएडीएमके ने रुख बदला है। तमिलनाडु में वक्फ विरोधी भावनाएं जोरों पर हैं। तमिल अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम ने नए वक्फ कानूनों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी है। डीएमके पहले ही इसका विरोध कर रही है। 12 अप्रैल को ही बीजेपी ने 2 साल बाद फिर एआईएडीएमके से हाथ मिलाया था, इसके लिए राज्य भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई को 4 साल बाद अपना पद तक छोड़ना पड़ा था। कहा गया कि नयनार नागेंद्रन नए अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश में 2026 का विधानसभा चुनाव अन्नाद्रमुक अध्यक्ष पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। अब एआईएडीएमके के बदले रुख से भाजपा भी हतप्रभ है। अन्नामलाई ने पद इसीलिए छोड़ा, ताकि भाजपा—एआईएडीएमके का गठबंधन राज्य में हो सके। 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान एआईएडीएमके नेता पलानीस्वामी ने अन्नामलाई को प्रचार का भूखा कहा था। उस वक्त दोनों के बीच जुबानी जंग देखी गई थी। अन्नामलाई से पलानीस्वामी काफी नाराज थे और गठबंधन की शर्त में अन्नामलाई को हटाना शामिल था।

गूगल ने भारत में 29 लाख विज्ञापन खाते हटाए

नई दिल्ली, जेएनएन। 2024 में गूगल ने भारत में डिजिटल विज्ञापन की दुनिया में सबसे बड़ी सख्ती दिखाते हुए 2.9 मिलियन यानी 29 लाख विज्ञापनदाता खातों को निलंबित कर दिया है। 247.4 मिलियन (24.7 करोड़) से अधिक विज्ञापनों को अपनी नीति के उल्लंघन के आधार पर हटाया है। कंपनी की नवीनतम एड्स सेफ्टी रिपोर्ट 2024 के मुताबिक यह कार्रवाई गूगल के वैश्विक प्रयासों का हिस्सा है, जिसके तहत वह प्लेटफॉर्म पर धोखाधड़ी, स्कैम और भ्रामक विज्ञापनों के प्रसार को रोकने के लिए तकनीकी और नीतिगत उपाय कर रहा है। भारत में विशेष आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े विज्ञापन सबसे बड़ी चिंता बने हुए हैं। इनके बाद ट्रेडमार्क उल्लंघन, नेटवर्क दुरुपयोग, पर्सनलाइज्ड विज्ञापनों की नीति का उल्लंघन और जुआ अथवा ऑनलाइन गेमिंग से संबंधित सामग्री प्रमुख उल्लंघन के रूप में दर्ज की गई। यह दर्शाता है कि डिजिटल स्पेस में विज्ञापनदाताओं की गतिविधियां न केवल आक्रामक हैं बल्कि कई बार आम उपयोगकर्ताओं के लिए खतरनाक भी हो सकती हैं। गूगल ने रिपोर्ट में बताया कि विश्वभर में उसने 5.1 अरब विज्ञापन हटाए या ब्लॉक किए और 9.1 अरब अतिरिक्त विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाए जो या तो कानूनी सीमाओं से टकराते थे या सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील माने गए।

24.7 करोड़ से अधिक कर रहे थे नीतियों का उल्लंघन

मस्क के 'नन्हें जीनियस' सरकारी सिस्टम में क्रांति लाएंगे या तबाही, व्हाइट हाउस के भीतर उठे सवाल

डीओजीई से अलग होने की तैयारी में एलन मस्क

वॉशिंगटन, जेएनएन। दुनिया के सबसे चर्चित उद्यमी एलन मस्क एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह कोई रॉकेट लॉन्च, टेस्ला की सेल या एक्स की नीति नहीं, बल्कि अमेरिका की सरकारी मशीनरी को डिजिटल तौर पर बदलने के उनके प्रयास हैं। इसे डीओजीई (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्मेंट एफिशिएंसी) कहा जा रहा है। डीओजीई की स्थापना जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकारी आदेश से हुई थी। इसका मकसद था, 'फेडरल टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर का आधुनिकीकरण करना ताकि सरकारी कामकाज की दक्षता और उत्पादकता को अधिकतम किया जा सके।' लेकिन मस्क सरकारी परियोजना से खुद को अलग करने की तैयारी में हैं और इसी ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। डीओजीई के संचालन में एलन मस्क की प्रमुख भूमिका रही है। शुरुआती दो महीनों में ही डीओजीई ने 140 अरब डॉलर की सरकारी फिजूलखर्ची को रोका है।

ये 'व्हिज किड्स'?

डीओजीई में 100 युवा हैं,जिनमें से कई मस्क की कंपनियों से आए हैं।
सैम कोरकोस (36): आईआरएस के सलाहकार, जिनका दावा है कि टैक्स सिस्टम आधुनिकीकरण 30 साल पीछे और 15 अरब डॉलर ऊपर चला गया है।
एडवर्ड कोरिस्टीन (19): एक किशोर तकनीकी विशेषज्ञ, जो पहले पाथ नेटवर्क से निकाल दिए गए थे, लेकिन अब सलाहकार हैं। उनकी लिंक्डिन प्रोफाइल बिग बॉल्स, जो विरोध का कारण बन गया।
गैविन क्लीगर (25): ट्विटर के पूर्व इंजीनियर, जिन्हें डिपार्टमेंट ऑफ एग्रिकल्चर ऑडिटिंग सौंपी है।
इन युवाओं की नियुक्ति को लेकर पारदर्शिता की कमी, सुरक्षा चिंताओं और अनुभवहीनता पर सवाल उठे हैं, लेकिन साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ जेम्स नाइट का कहना है, 'ये लड़के गजब के जीनियस हैं। अगर इन्हें सिस्टम सुधारने का मौका न मिला, तो हम फिर उसी दलदल में फंस जाएंगे।'

आतंकी से पूछताछ में नए खुलासे, जांच एजेंसियां हैरान

राणा ने कनाडा में भी युवाओं को कट्टरपंथी विचारधारा से जोड़ा

नई दिल्ली, जेएनएन। मुंबई आतंकी हमले का आरोपी तहव्वुर राणा भारत के शिकंजे में है। उससे पूछताछ में आए दिन परत-दर-परत कई राज खुलते जा रहे हैं। अब मालूम हुआ है कि राणा ने कनाडा में रहते हुए भी युवाओं को कट्टरपंथी विचारधारा से जोड़ा और 'मरकज-उद-दावत-वल-इरशाद' (एमडीआई) नामक कट्टरपंथी संगठन के जरिए लोगों को बहकाया। यह संगठन बाद में 'जमात-उद-दावा' के नाम से जाना गया, जो लश्कर-ए-तैयबा से भी जुड़ा हुआ है। जांच एजेंसियों ने खुलासा किया कि राणा का सीधा संबंध हिज्ब-उल-मुजाहिदीन की 313 ब्रिगेड से भी था, जिसकी अगुवाई इलियास कश्मीरी कर रहा था।

भारत में इन हाई-प्रोफाइल इलाकों की कराई थी रेकी

राणा ने पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से भारत, कनाडा में फंडिंग और भर्ती का नेटवर्क तैयार किया। उसने दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज, मुंबई के चाबड़ हाउस, शिवसेना हेडक्वार्टर, सिद्धिविनायक मंदिर जैसे हाई-प्रोफाइल ठिकानों की रेकी करवाने में मदद की। राणा और डेविड हेडली के बीच बातचीत से पता चला कि उन्होंने तकरीबन 40-50 अहम लोकेशनों की वीडियोग्राफी करवाई थी। राणा ने हेडली को भारत में रसूखदार लोगों से मिलने को कहा, ताकि उन्हें अहम जगहों तक पहुंच मिल सके। हेडली की एक भारतीय महिला मित्र से दोस्ती थी, लेकिन उसका आतंकी गतिविधियों से सीधा संबंध नहीं मिला।

आतंकी हमले के बाद कोडवर्ड में बात कर रहे थे हेडली और राणा

जांच में यह भी सामने आया कि राणा के दुबई में संपर्क थे, जिन्होंने उसकी मुलाकात अब्दुर रहमान जैसे अन्य साजिशकर्ताओं से करवाई। 26/11 हमलों के बाद राणा, हेडली और आईएसआई के अधिकारी एमएमपी नाम के कोडवर्ड का इस्तेमाल करते थे, जो भारत और डेनमार्क में संभावित हमलों की योजना से जुड़ा था। राणा ने यह भी कबूल किया कि 'जकी का सूरा', जिसे जकी-उर-रहमान लखवी लीड करता था, आईएसआई के सहयोग से 26/11 की योजना बना रहा था। एनआईए अब 'मेजर इकबाल', 'मेजर समीर', 'कोड डी', 'अबू अनस' और अन्य के स्केच तैयार कर रही है। ईमेल अकाउंट्स और डिजिटल डेटा की जांच में ईमेल समेत 13 अन्य आईडी से भी सुराग मिले हैं।

बेटी को देख चहक उठी फैमिली बहू को किया इग्नोर

नई दिल्ली, जेएनएन। बॉलीवुड के बिग बी महानायक अमिताभ बच्चन की फैमिली में बीते कुछ दिनों से स्टार बहु ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन को लेकर तलाक की अफवाह फैल रही थीं, जिस पर पहले ही विराम लग चुका है। खैर, ऐश्वर्या ससुराल से अलग दूसरे घर में रहती हैं और अभिषेक का लगाव पत्नी और फैमिली दोनों तरफ बराबर है, लेकिन घर के बाकी मेंबर्स ऐश से कटे-कटे रहते हैं। अब एक वीडियो में भी कुछ ऐसा ही नजर आ रहा है। सोशल मीडिया में वायरल इस वीडियो में दिख रहा है, जब बिग बी की बेटी श्वेता बच्चन ने एक इवेंट में रैंप वॉक किया तो अमिताभ और जया के चेहरे पर खुशी के अलग ही भाव नजर आ रहे थे, जबकि अमिताभ बेटी को देख इतने भावुक और उत्सुक हो गए कि उन्होंने इस पल को अपने मोबाइल फोन के कैमरे में कैद कर लिया। वहीं, दूसरे ही पल जब मिस वर्ल्ड बहु ऐश्वर्या राय उनके साथ स्टेज पर दिखीं तो

महानायक के चेहरे पर खुशी का एक भाव नजर नहीं आया। इस वीडियो में स्टार एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय के साथ बच्चन फैमिली का ऐसा बर्ताव देख फैंस काफी निराश हुए और ज्यादातर का कहना है कि बच्चन फैमिली ऐसी बहू डिजर्व नहीं करती थी। वीडियो पर अब ऐश के फैंस खूब कमेंट्स पोस्ट कर रहे हैं। इस पर एक ने लिखा है, ऐश जैसी खूबसूरती बच्चन फैमिली में दूर-दूर तक नहीं है।

मिट्टी के बर्तन बनाने वाले को आयकर नोटिस

बूंदी। मिट्टी के बर्तन बनाकर गुजर-बसर करने वाले कुम्हार विष्णु प्रजापत इनकम टैक्स विभाग की नजरों में करोड़पति हैं। आरोप है कि उन्होंने फर्जी कंपनी बनाकर करीब 13 करोड़ का लेनदेन तो किया, पर टैक्स जमा नहीं किया। इसके लिए नोटिस जारी किया गया है।

उधर, विष्णु के हाथ-पैर फूल गए हैं। अब उन्होंने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। मामला बूंदी के गेंडोली थाना क्षेत्र का है। झालीजी का बराना गांव के रहने वाले विष्णु प्रजापत ने विष्णु ने साइबर पुलिस और जिला पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी है।

खुलासा | ब्लू ओरिजन की 'दरवाजा खोलने की जल्दबाजी' से मिला कॉन्सपरेसी थ्योरी को बल

नकली था कैटी पेरी का ब्लू ओरिजिन अंतरिक्ष मिशन!

नई दिल्ली, जेएनएन। कैटी पेरी का हालिया अंतरिक्ष सफर, जो ब्लू ओरिजिन के न्यू शेपर्ड मिशन का हिस्सा था, एक ऐतिहासिक क्षण होना चाहिए था, लेकिन इंटरनेट पर चल रही चर्चाओं और सोशल मीडिया पर उछलती कॉन्सपरेसी (साजिशी) थ्योरीज ने इसे शक की नजरों से देखना शुरू कर दिया है। वजह है एक छोटी-सी गलती जिसमें दरवाजे को खोलने की जल्दबाजी सामने आई है। इसने पूरी यात्रा की प्रामाणिकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कैप्सूल की लैंडिंग के बाद जैसे ही जेफ बेजोस ने एक विशेष उपकरण से 'बाहरी दरवाजा' खोला और मिशन से लौटी ऑल-वीमेन क्रू का स्वागत किया, उसी के कुछ मिनट पहले का फुटेज सामने आया, जिसमें साफ दिख रहा है कि दरवाजा अंदर से खुल चुका था और फिर जल्दी से बंद कर दिया गया। यह विडियो क्लिप वायरल होते ही एक्स पर तूफान

सा आ गया। कई यूजर्स और कॉन्सपरेसी थ्योरीज में दावा किया गया कि यह मिशन 'पूरी तरह से स्क्रिप्टेड और नकली' था। एक यूजर ने लिखा कि 'ये तो उस फर्जी मिशन की आखिरी कील है। फेक!' वीडियो में यह स्पष्ट देखा जा सकता है कि अंतरिक्ष यान का दरवाजा पहले से ही भीतर से खोला गया था, जबकि नियमों के अनुसार एक प्रेसराइज्ड कैप्सूल का दरवाजा केवल बाहर से, विशेष सुरक्षा उपकरणों से ही खोला जाना चाहिए। जिन लोगों ने वीडियो को बारीकी से देखा, उन्होंने सवाल उठाया कि अगर दरवाजा पहले से खुल गया था, तो बेजोस ने उसे बाहर से 'खोलने का अभिनय' क्यों किया? क्या यह एक फोटो-ऑप था जो गलती से पहले ही बिगड़ गया? एक यूजर ने लिखा, 'दरवाजा लड़कियों ने अंदर से खोल दिया, फिर दोबारा बंद करवा दिया गया ताकि बेजोस बाहर से उसे खोले—जैसे कि वो हीरो हो।' अंतरिक्ष अभियानों में प्रेसराइज्ड हीट यानी वायुदाब से सील किया गया दरवाजा सामान्यतः बाहर की ओर खुलता है और उसे खोलने के लिए तकनीशियनों की जरूरत होती है। परंतु इस मिशन के कैप्सूल में दरवाजा 'भीतर की ओर' खुलता दिखा और वह भी सामान्य ताकत से। इससे कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि कैप्सूल असल में अंतरिक्ष तक गया ही नहीं था। 'दरवाजा ऐसे खुल रहा है जैसे कोई कैंपिंग टेंट हो। ये कैप्सूल नहीं, इन्फ्लेटेबल सेटअप लगता है।' साजिशों का सिलसिला यहीं नहीं थमा। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने यह भी कहा कि अगर कैप्सूल वाकई अंतरिक्ष से लौटा होता, तो उसका बाहरी रंग और पेंट जला या बदरंग होता—जैसा आमतौर पर होता है। लेकिन न्यू शेपर्ड का कैप्सूल लैंडिंग के बाद एकदम साफ-सुथरा नजर आया।'दरवाजा छोड़ो, कैप्सूल पर तो कोई रीएंट्री का निशान भी नहीं है। ये कैसे संभव है?'

विशेषज्ञों के अनुसार, 'स्पेस मिशन' जैसी जटिल और आम जनता के लिए अछूती चीजें साजिशी थ्योरीज के लिए आदर्श जमीन बन जाती हैं। नॉटिंघम यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. डैनियल जोली का कहना है, 'जब किसी चीज को सामान्य व्यक्ति खुद अनुभव नहीं कर सकता, तब वो सहज रूप से सवाल करने लगता है। और जब उसमें सेलिब्रिटी और अरबपति शामिल हों, तो संदेह और गहराता है।'

साजिश का सिलसिला

ब्लू ओरिजिन की यह मिशन टेक्सास से लॉन्च हुआ था और अंतरिक्ष की आधिकारिक सीमा 'कारमन लाइन' को पार करते हुए 107 किमी की ऊंचाई तक पहुंचा। अंतरिक्ष यात्रियों में पॉप गायक कैटी पेरी और जेफ बेजोस की मंगेतर लॉरेन सांचेज भी शामिल थीं। सब कुछ ठीक लग रहा था, जब तक यह 'दरवाजे वाला वीडियो' सामने नहीं आया।

बॉयलर में कोयले के साथ जलाया जाएगा बायोमास

15 ताप विद्युत गृहों व 17 कैप्टिव ताप विद्युत गृहों की हुई समीक्षा

विसं, भोपाल। प्रदेश के सभी ताप विद्युत गृह निर्धारित नीति के अनुरूप नहीं हैं। ऐसे में अब इन गृहों में कोयले के साथ बायोमास को बॉयलर में जलाया जाएगा। इसके लिए बुधवार को प्रदेश के सभी ताप विद्युत ग्रहों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

गौरतलब है कि केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024-25 में कुल कोयला खपत का 5 प्रतिशत तथा वर्ष 2025-26 में कुल कोयला खपत का 7 प्रतिशत बायोमास कोयले के साथ बॉयलर में जलाने संबंधी दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। इसके अनुसार प्रदेश के सभी ताप विद्युत गृह निर्धारित नीति के अनुरूप नहीं हैं। इसके लिए पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिये उपलब्ध बायोमास का अब ताप विद्युत गृहों में उपयोग किया जाएगा। बताया गया है कि विद्युत गृहों में कोयले की कुल खपत का 7 प्रतिशत बायोमास को बॉयलर में जलाया जाएगा। बुधवार को ताप विद्युत गृहों में उपयोग के संबंध में प्रदेश के सभी 15 ताप विद्युत गृहों एवं 17 कैप्टिव ताप विद्युत गृहों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यावरण नवनीत मोहन कोठारी के अलावा प्रदेश के सभी ताप विद्युत गृहों एवं कैप्टिव ताप विद्युत गृहों के अधिकारी वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कोठारी ने बताया कि ताप विद्युत गृहों के प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा बायोमास के उपयोग के लिये समुचित कार्रवाई की जा रही है। प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि प्रदेश में बायोमास निर्धारित मात्रा में उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, इसीलिये प्रदेश के बाहर जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश बायोमास को वेण्डर्स के माध्यम से प्राप्त कर उसका उपयोग कर रहे हैं।

गैर परंपरागत कृषि कर किसान समृद्धशाली बनें : जिपं अध्यक्ष

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम जरूआपुर में हुआ जल चौपाल का आयोजन

जागरण, पन्ना । जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा गुरूवार को पन्ना विकासखण्ड की ग्राम पंचायत मनौर के जरूआपुर ग्राम में कृषक जल चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल सह कार्यशाला में उपस्थित किसानों को जल के उचित प्रबंधन के लिए सूक्ष्म सिंचाई पद्धति का उपयोग कर उत्पादन बढ़ाने के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कृषकों को उद्यानिकी फसलों की खेती और विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर उन्नतशील खेती करने के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जरूआपुर एवं कुंजवन क्षेत्र के कृषक अपने परिश्रम की बदौलत बेहतर कृषि एवं सब्जी उत्पादन कर रहे हैं। साथ ही विभागीय योजनाओं की मदद से आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए भी प्रयत्नशील हैं। यह सराहनीय कार्य अन्य कृषकों के लिए भी अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि कृषक गैर परंपरागत कृषि को अपनाने के लिए आगे आएं। विशेषकर उद्यानिकी फसलों की खेती कर समृद्धशाली बनें और अन्य किसानों को विशेषकर युवा किसानों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर कृषकों के लिए समय.समय पर प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही फसल और उत्पाद विक्रय के लिए विभाग द्वारा आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाए। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि सरकार द्वारा कृषकों के हित में कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। कृषक शासकीय योजनाओं का लाभ भी जरूर प्राप्त करें। जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी ने जरूआपुर गांव में जल चौपाल और किसानों द्वारा पानी के सीमित संसाधन के बावजूद आधुनिक एवं उन्नत खेती के प्रयासों की सराहना करते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल स्त्रोतों के संरक्षण और पानी बचाने के लिए जनसहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान फसल कटाई के बाद नरवाई न जलाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। जिपं सीईओ ने अन्य ग्रामवासियों से भी खेती में नवाचार के जरिए पैदावार बढ़ाने और इसके लिए अन्य कृषकों को भी जागरूक करने की नसीहत दी। उन्होंने ग्रामवासियों से टमाटर उत्पादों के लिए प्रसंस्करण यूनिट स्थापित करने की अपेक्षा की। परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार द्वारा विभागीय प्रयास से जिले में प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत क्रियान्वित विभिन्न कार्यों के बारे में अवगत कराया गया। सहायक संचालक उद्यानिकी पीण्केण् श्रीवास्तव ने अभियान के दौरान आयोजित की जाने वाली तीन विभागीय गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही किसानों से टपक सिंचाई के माध्यम से सब्जी उत्पादन करने तथा इससे पानी की बचत के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण योजना को लाभकारी बताया। साथ ही स्थानीय ग्रामवासियों से इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्राप्त कर स्वयं की यूनिट स्थापना की अपील भी की। इस दौरान किसानों को विभाग स्तर पर आयोजित कृषक प्रशिक्षण सह कार्यशाला एवं विभिन्न स्थानों पर भ्रमण सहित पाली एवं नेट हाउस की स्थापना तथा जैविक एवं प्राकृतिक खाद के उपयोग से होने वाले लाभों की जानकारी दी गई। ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी संजीत सिंह बागरी ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान विभाग की विभिन्न योजनाओं और उद्यानिकी खेती के लिए किसानों को लाभप्रद जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम में सरपंच प्रकाश मजूमदार सहित तकनीकी सहायक आरती सिंह एवं बड़ी संख्या में स्थानीय कृषक भी उपस्थित रहे।

खेत में सब्जी उत्पादन का किया अवलोकन : जिला पंचायत अध्यक्ष सहित अधिकारियों द्वारा जरूआपुर गांव में कृषक सुब्रत कुमार मलिक के खेत में पहुंचकर सब्जी उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन किया गया। इस दौरान कृषक द्वारा बेहतर पैदावार के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। साथ ही ड्रिप सिंचाई एवं मल्चिंग पद्धति से सब्जी उत्पादन की विस्तृत प्रक्रिया के बारे में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम में उन्नत तकनीक के जरिए टमाटर का उत्पादन करने वाले किसान दुर्गा प्रसाद कुशवाहा ने अपने अनुभव भी साझा किए।

जिला विधिक सहायता अधिकारी ने शिविर में दी जानकारी

जागरण, पन्ना । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व प्राधिकरण के अध्यक्ष राजाराम भारतीय के निर्देशन एवं व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड व प्राधिकरण के सचिव राजकुमार गौड़ के मार्गदर्शन में आज पन्ना नगर के वार्ड क्रमांक 14 स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र में विधिक साक्षरता शिविर लगाया गया। इस मौके पर जिला विधिक सहायता अधिकारी अतुल सेन ने उपस्थित महिलाओं को नालसाए मण्प्रण् अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना एवं पॉक्सो अधिनियम के बारे में जानकारी प्रदान की। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा एवं अधिकारों से संबंधित विभिन्न विधिक प्रावधान तथा योजनाओं के बारे में भी बताया। महिलाओं को दहेज प्रतिषेध अधिनियमए घरेलू हिंसा अधिनियम इत्यादि की जानकारी भी दी गई। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी सहित विधिक समस्याओं या शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कोई भी असुविधा होने पर प्राधिकरण कार्यालय में संपर्क करने की सलाह दी गई। इस दौरान पर्यवेक्षक किरण खरे एवं अंजली गुप्ता सहित आंगनबाडी कार्यकर्ता अनीता पटेरियाए सहायिका सरस्वती विश्वकर्मा तथा पैरालीगल वॉलेंटियर सोनू यादव भी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत परिसर में पक्षियों के लिए रखवाए सकोरे

जागरण, पन्ना । आनंद विभाग पन्ना के तत्वाधान में इस वर्ष भी पक्षियों के लिए दाना.पानी अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में आज जिला पंचायत परिसर में पक्षियों के लिए पेड़ पर सकोरे बांधे गए। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अशोक चतुर्वेदी ने कहा कि गर्मी के मौसम और तापमान में बढ़ोत्तरी से पक्षियों के लिए यह सकोरे लाभदायक होंगे। तेज धूप और जल स्त्रोतों के सूखने से पक्षियों को आसानी से दाना.पानी मिल सकेगा। आम नागरिकों से भी इस तरह के प्रयास की अपील की गई आनंद विभाग के मास्टर ट्रेनर सतानंद पाठक ने कहा कि आमजन भी अपने घर की छतए बालकनी या बगीचे में मिट्टी के बर्तन में पानी रखें और कुछ अनाज जैसे ज्वारए बाजराए गेहूं या चावल डालें। इससे न केवल पक्षियों को राहत मिलेगीए बल्कि प्रकृति का संतुलन भी बना रहेगा। इन छोटे प्रयासों से न केवल परिंदों की जिंदगी बचेगीए बल्कि मानसिक संतुष्टि और हमें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का अवसर भी प्राप्त होगा। इस दौरान शिक्षा विभाग के सहायक संचालक अमित जैन एवं जिला क्रीड़ा अधिकारी राजेश मिश्रा सहित प्रमोद अवस्थीए सीता चतुर्वेदीए निर्मल कुमार मिश्राए सुरेश कुमार त्रिपाठीए राम किशोर गर्ग एवं आनंद ग्राम जमुनहाई के सरपंच द्वारा भी ग्रीष्मकाल में पक्षियों का सहारा बनकर जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया गया।

शासकीय महाविद्यालय खोरा के नवीन भवन निर्माण की मिली स्वीकृति

पन्ना । पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह के विशेष प्रयासों से शासकीय महाविद्यालय खोरा के नवीन भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई है। उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव द्वारा गत दिवस पत्र के माध्यम से इस संबंध में अवगत कराया गया है। विभाग द्वारा अधोसंरचना विकास अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों से प्राप्त प्रस्तावों का औचित्य एवं प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर शासन द्वारा गठित समिति के समक्ष प्रकरण प्रस्तुत किया गया था। इसके उपरांत शासकीय महाविद्यालय खोरा के नवीन भवन निर्माण के लिए 15 करोड़ रूपए राशि की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। इसके अलावा शासकीय छत्रसाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना के बाउण्ड्रीवॉल निर्माण के लिए भी 46 लाख 54 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। खोरा महाविद्यालय के भवन निर्माण के लिए भवन विकास निगम तथा शासकीय पीजी कॉलेज पन्ना के बाउण्ड्रीवॉल निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग के पीआईयू को एजेंसी बनाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के नियमों का खुले आम उलंघन कर रैपुरा मैं खोली गई शराब दुकान, जिम्मेदार मौन

जागरण, पन्ना । गत दिवस भगवती मानव कल्याण संगठन ने रैपुरा शराब दुकान के विरोध को लेकर कलेक्टर के नाम रैपुरा तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा था । जिसको लेकर पन्ना जिले के कलेक्टर ए आबकारी अधिकारी द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई सभी जिम्मेदार मौन है भगवती मानव कल्याण संगठन के गजेन्द्र साहू ने बताया कि रैपुरा शराब दुकान सुप्रीम के नियमों का उलंघन कर रही है जिसके जिम्मेदार पन्ना जिले आबकारी अधिकारी है रैपुरा में शासकीय कन्या हाईस्कूल की बाउंड्री से सटाकर शराब दुकान खोली गई व सनातन धर्म की आस्था का केंद्र बजरंगबली का मंदिर बिल्कुल ही नजदीक है जबकि नियम यह है कि धार्मिक स्थलों व स्कूलों से शराब की दुकान की दूरी कम से कम 150 मीटर होनी चाहिए राजकीय राजमार्ग के बाजू से रैपुरा शराब दुकान खोली गई है जिसकी लगभग दूरी 50 मीटर होगी जबकि नियम यह है कि अगर कोई कस्बा या शहर 2000 से कम जनसंख्या वाला है तो शराब की दुकान को राजमार्गों से 220 मीटर की दूरी पर ही खोला जा सकता है रैपुरा शराब दुकान सुप्रीम कोर्ट के तीनों नियम का उलंघन कर रही जिसको लेकर पन्ना जिले का प्रशासन मौन बैठा हुआ है सुप्रीम कोर्ट के नियमों की पन्ना जिले के आबकारी अधिकारी एवं कलेक्टर द्वारा धज्जियां उड़ाई जा रही है।

धोखाधड़ी कर आभूषण ले गया रिश्तेदार

टीकमगढ़ । जिले खरगापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मनपसार गांव से मामला सामने आया है। करीब दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने च कार्यालय में ज्ञापन सौंपा है। शिकायतकर्ता बालचंद ने शिकायती पत्र एसपी कार्यालय में सौंपने के बाद बताया कि उसकी लड़की के सोने चांदी के आभूषण उसके ही रिश्तेदार अनमोल लोधी ने धोखाधड़ी कर हड़प लिए हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि जेवरात में मंगलसूत्र पांचाली कमरबंद और या आभूषण थे उसका रिश्तेदार अनमोल लोधी आया और बोला शादी के लिए पैसे निकलवाना है जिसमें इन आभूषणों की फोटो लगना है ।और जेवर लेकर वहां से वह चला गया इसके बाद वह लौटकर नहीं आया। उन्होंने घटना की शिकायत खरगापुर थाने में की थी लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। ऐसा आरोप शिकायतकर्ता ने लगाया है शिकायतकर्ता ने बताया कि वह निजी वाहन करके रिश्तेदार को लेकर पुलिस के सुपुर्द भी किया था। लेकिन पुलिस द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है। और आरोपी को छोड़ दिया गया है। शिकायतकर्ता ने एसपी कार्यालय में शिकायती पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाइ है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने वन स्टॉप सेन्टर का किया निरीक्षण

पन्ना । जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे ने शुक्रवार को सिविल लाइन स्थित वन स्टॉप सेन्टर का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। इस दौरान केन्द्र के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं के हितार्थ संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। प्रशासक कविता पाण्डेय द्वारा केन्द्र के माध्यम से जरूरतमंद महिलाओं को प्राप्त होने वाली सुविधाओं और इसके लिए वांछित प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया। साथ ही अब तक विपत्तिग्रस्त महिलाओं को प्रदत्त सुविधाओं तथा महिला हेल्पलाइन नम्बर 181 एवं आपातकालीनए पुलिस व कानूनी सहायता इत्यादि के बारे में भी जानकारी दी गई। जिपं अध्यक्ष ने कार्यालय की कार्यप्रणाली पर चर्चा कर परिसर का अवलोकन भी किया।

पवई में अतिक्रमण और अवैध दुकानों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, पार्षद के घर में मिला पोल्ट्री फार्म

जागरण, पवई । नगर में गुरुवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये मूल्य की शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। यह अभियान वार्ड क्रमांक 15 में नवीन अस्पताल भवन के सामनेए कटनी रोड पर स्थित शासकीय भूमि पर चलाया गया। शासकीय आरजी नंबर 3133ध्1ध्1ए रकबा 4ण्445 हेक्टेयर भूमि मध्यप्रदेश शासन के नाम पर दर्ज हैए जिस पर वर्षों से अतिक्रमण किया जा रहा था। माननीय न्यायालय के आदेश के आधार पर प्रशासन ने तीन दिन पूर्व आठ अतिक्रमणकारियों को बेदखली वारंट जारी किए थे। गुरुवार सुबह एसडीएम समीक्षा जैनए तहसीलदार प्रीति पंथीए सीएमओ तबस्सुम खानए थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदीए नायब तहसीलदार शिवम गौतमए राकेश श्रीवास्तव तथा राजस्व और पुलिस बल की उपस्थिति में यह कार्रवाई की गई। मौके पर एक जेसीबी और एक पोकलेन मशीन की मदद से कुल आठ छोटे.बड़े पक्के मकानों को जमींदोज किया गया। कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल भी पूरी तरह सतर्क रहा। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण हटाने के साथ.साथ प्रशासन ने नगर में अवैध रूप से घरों से संचालित हो रही अंडाए मांस और मछली की दुकानों पर भी कार्रवाई की। नगर के मिलोनीगंजए खटीक मोहल्लाए मोहंद्रा तिराहाए करही तिराहा और नन्ही पवई क्षेत्रों में संचालित दुकानों से सामान जब्त किया गया। इन सभी व्यापारियों को नगर परिषद द्वारा निर्मित चिकन मार्केट में स्थानांतरित होने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन का कहना है कि यह कदम नगर की स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। इस कार्रवाई के दौरान एक चौंकाने वाला मामला तब सामने आया जब नगर परिषद के एक पार्षद के घर में पोल्ट्री फार्म पाया गया। अधिकारियों ने तत्काल फार्म को बंद करने के निर्देश पार्षद को दिए। इस घटना से प्रशासनिक अमले में भी हलचल देखी गई। नगर परिषद की मुख्य नगर पालिका अधिकारी ;सीएमओद्ध तबस्सुम खान ने बताया कि यह पूरा अभियान नगर की सफाई व्यवस्थाए स्वास्थ्य सुरक्षा और नियमबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए चलाया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे अवैध निर्माण और व्यवसायों पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। एसडीएम समीक्षा जैन ने कहा कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। नगर को स्वच्छए सुव्यवस्थित और नियमों के अनुरूप बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

संस्कृत महाविद्यालय के नवीन भवन एवं सड़क की मिली सौगात

पन्ना । गुनौर विधायक डॉण् राजेश वर्मा के प्रयासों से शासन स्तर पर अमानगंज के ग्राम विक्रमपुर से ददोलपुरा की आदिवासी बस्ती तक सड़क निर्माण की स्वीकृति मिली है। इससे आदिवासी बस्ती में लोगों को आवागमन में सुविधा होगी और वर्षाकाल में समस्याओं का सामना नहीं करना पडेगा। साथ ही अस्पताल एवं स्वास्थ्य केन्द्रों तक भी स्थानीयजनों की पहुंच आसान होगी। प्रधानमंत्री सड़क योजनांतर्गत सड़क का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा उच्च शिक्षा विभाग द्वारा देवेन्द्रनगर के शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के नवीन भवन के लिए भी 15 करोड़ रूपए राशि के प्रशासकीय स्वीकृति का आदेश जारी किया गया है। इससे विद्यार्थियों को अध्ययन में सहूलियत मिल सकेगी।

भाजपा युवा मोर्चा ने जलाया राहुल गांधी व सोनिया गांधी का पुतला, इंजी अभय यादव के नेतृत्व में किया पुतला दहन

जागरण, टीकमगढ़। आज स्थानीय गांधी चौराहे पर भाजपा युवा मोर्चा द्वारा राहुल गांधी व सोनिया गांधी का पुतला दहन किया गया। भाजपा मीडिया प्रभारी स्वप्निल तिवारी ने बताया कि भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश आवाह्न पर टीकमगढ़ जिले में गांधी चौराहे पर इंजी अभय प्रताप सिंह यादव के नेतृत्व में व भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती सरोज राजपूत के मार्गदर्शन में भाजपा युवा मोर्चा ने नेशनल हेराल्ड मनी लांड्रिंग केस में राहुल गांधी व सोनिया गांधी का पुतला दहन कियाए साथ ही नारे बाजी करते हुए कांग्रेस पार्टी को भ्रष्टाचार की पार्टी बताया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष इंजी अभय यादव ने बताया कि नेशनल हेराल्ड मनी लांड्रिंग केस में राहुल गांधी व सोनिया गांधी पर ईडी की ओर से चार्जसीट दाखिल हुई हैए जो साफसाफबताती है कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार युक्त पार्टी हैए जिन्होंने 70 साल तक देश लूटने कर खुद के घर भरने का कार्य किया और गरीब जनता को तुष्टिकरण की राजनीति का शिकार बनाया।पूर्व विधायक राकेश गिरी गोस्वामी ने कहा कि

कांग्रेस में पार्टी में एक से बढ़कर एक भ्रष्टाचारी है जो गरीब जनता का धन लूट कर अपनी तिजोरी भरते हैं। भाजपा जिलाउपाध्यक्ष रोहित खटीक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने परिवारवाद के चलते सार्वजनिक जनता की संपत्ति को खुद की संपत्ति समझकर अपने निजी हित के लिए उपयोग कियाए आय का साधन न होते हुए भी यह आज अरबपति कैसे हैं। भाजपा जिला उपाध्यक्ष अभिषेक खरे रानू ने बताया कि राहुल गांधी व सोनिया गांधी की मानसिकता में देश की जनता की संपत्ति व धन को खुद के ऐशोआराम के लिए समझी जाती है जहां दूसरी ओर गरीब जनता ने उनके कार्यकाल में भुखमरी के दिन देखे हैं। वरिष्ठ नेता प्रतेंद्र ने कहा कि कांग्रेस शासन काल में भ्रष्टाचारियों की मौज रही है उन्होंने गरीब जनता को लूटने का काम किया आज भाजपा शासित प्रदेशों में अंतिम छोड़ तक के गरीब व्यक्ति को न्याय व शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचा है। पुतला दहन में पूर्व विधायक राकेश गिरी गोस्वामीए जिला उपाध्यक्ष रोहित खटीकएअभिषेक खरे रानू ए प्र प्रतेंद्र सिंधईएवरिष्ठ नेता रविंद्र श्रीवास्तवए नगर मंडल अध्यक्ष नरेश तिवारीए ललित अहिरवारएआदित्य योगीए प्रियंक चीकू यादवए अंकित तिवारीए संकल्प जैनए आकाश विश्वकर्माए श्याम यादवएशुभम व्यासए स्वप्निल तिवारीए रोहित यादवए शिवम रिछारिया एअंशुल सोनीए अशोक मेडी रायएविनायक रावतए हिमांशु तिवारीए आर्कश रावत सहित बड़ी संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नामांतरण की प्रक्रिया आसान होने पर भाजपा विधायक हरिशंकर ले रहे क्रेडिट : यादवेंद्र सिंह

जागरण, टीकमगढ़। बीते दिन टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोतिय के दफ्तर से एक आदेश निकलता है। और उस आदेश में नामांतरण के लिए 1959 की नकल की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया गया। जैसे से ही ये आदेश हुआ ऐसे में ही जतारा के विधायक हरिशंकर खटीक अपने समर्थकों से पोस्ट डलवाने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। एक कहावत है बेगाने की शादी में अब्दुल्ला दीवाना कुछ ऐसा ही टीकमगढ़ जिले में देखनें को मिला है। ये हम नहीं बल्कि कांग्रेस विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला ने इशारों इशारों में कहा है। कांग्रेस विधायक ने कहा कि सभी को मालूम है कि मूलधार आकर्षण हमारा था

विधानसभा की कार्यवाही तो ऐसी नहीं की बदल जाए नरेंद्र सिंह तोमर जी ने जो बात कही है वो भी सबको मालूम है।ध्यान आकर्षण सदन की प्रॉपर्टी है। उसमें कोई भी बोल सकता है। वन मंत्री भी बोले कि ये अन्याय हो रहा है।तो हमारे हिसाब से जिसने भी भाषण दिया हो या चंदारानी गौर ने दिया हो। या अन्य विधायकों ने दिया उनका धन्यवाद करता हूं।लेकिन मूल प्रस्ताव यादवेंद्र सिंह ने दिया था।ठीक हम बोल दे हम दुनिया चला रहे। ध्यान आकर्षण समझते है। जब विधानसभा में ध्यान आकर्षण होता है तो उसके परिपेक्ष में जो बाते होती है वही मान्य होती है बाकी अन्य बाते मान्य नहीं होती है।

कुड़ीला पुलिस ने वीडियो में अवैध पिस्टल से हवाई फायर करने वाले आरोपी को पिस्टल सहित किया गिरफ्तार

जागरण, टीकमगढ़। पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा समस्त थानाध्चौकी प्रभारियों को अवैधानिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु निरन्तर निर्देशित किया जा रहा है । सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें एक युवक पिस्टल से हवाई फायर करते दिखाई दे रहा था उपरोक्त वीडियो पर पुलिस अधीक्षक द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए तत्काल आरोपी का पता लगाकर वैधानिक कार्यवाही हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया । उपरोक्त के तारतम्य में अतिण्पुलिस अधीक्षक सीताराम एवं राहुल कटरे

एसडीओपी टीकमगढ़ के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी कुड़ीला उप निरीक्षक मनोज यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा वायरल वीडियो के आरोपी को चिन्हित किया गया।जिसकी पहचान बॉबी राजा बुंदेला निवासी हीरापुर खास के रूप में की गई आरोपी के कब्जे से वीडियो में दिख रही अवैध 32 बोर की पिस्टल मय जिंदा कारतूस कीमती करीब 5500ध. रूपये के जप्त की गई एवं आरोपी के विरुद्ध थाना पर अपराध क्रमांक 62ध्2025 धारा.25ध्27 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। सराहनीय भूमिका' .उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी कुड़ीला उप निरीक्षक मनोज यादवए सहायक उपनिरीक्षक असलम खानएप्रधान आरक्षक अनिल शर्माएउदल सिंह एआरक्षक वेदप्रकाश शर्मा सहित थाना कुड़ीला स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

पीएम ने ईडी को अपना हथियार बना लिया है : जीतू पटवारी

जागरण, टीकमगढ़ । गुरुवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईडी को अपना हथियार बना लिया है। साल. 2018 के बाद ईडी ने 36 राजनीतिक दलों के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की। लेकिन जो 30 नेता बीजेपी में शामिल हुएए उनके सभी मामले खत्म हो गए। उन्होंने बताया कि ईडी ने अब तक 5000 कार्रवाई की हैंए जिनमें से सिर्फएक.दो मामलों में ही सजा हुई है। बुंदेलखंड के विकास को लेकर भी उन्होंने सरकार पर निशाना साधा। पटवारी ने कहा. डॉण् मनमोहन सिंह की सरकार ने बुंदेलखंड के विकास के लिए 7200 करोड़ का पैकेज दिया था। लेकिन तत्कालीन भाजपा सरकार ने इस राशि में बड़ा घोटाला किया। सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर बोलते हुए पटवारी ने कहा. इसमें एक पैसे का भी लेनदेन साबित नहीं हुआ। यह सिर्फ देश को गुमराह करने का षड्यंत्र है।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

कार्यक्रम के बाद पटवारी कार्यकर्ता सम्मेलन के लिए रवाना हुए। इस दौरान कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष गौरव शर्मा और अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। पृथ्वीपुर से टीकमगढ़ आते समय भी कांग्रेस की प्रदेश महासचिव किरण अहिरवारए पूर्व लोकसभा प्रत्याशी पंकज अहिरवार समेत कई नेताओं ने जगह.जगह उनका स्वागत किया। इस दौरान पृथ्वीपुर विधायक नितेंद्र सिंह राठौरए प्रदेश सह प्रभारी हरीश चौधरीए टीकमगढ़ विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेलाए जिला प्रभारी रेखा चौधरीए कांग्रेस जिला अध्यक्ष नवीन साहूए संजय नायकए विभोर पांडेए भगतराम यादवए पार्थ सिंहए पूनम जायसवालए डॉक्टर इसरार खान अनीस खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे।

एनटीपीसी विन्ध्याचल में क्लोरीन गैस रिसाव पर राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल

आपदा प्रबंधन पर दिखाई गई शानदार तैयारी

जागरण विन्ध्यनगर। एनटीपीसी विन्ध्याचल ने एक बार फिर साबित कर दिया कि आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए वह हर मोर्चे पर तैयार है। आज संयंत्र परिसर में एक राज्य.स्तरीय मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें क्लोरीन गैस रिसाव की स्थिति को दर्शाते हुए राहत और बचाव कार्य का अभ्यास किया गया। इस बड़े पैमाने पर आयोजित मॉक ड्रिल का उद्देश्य था आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की जांच विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और औद्योगिक आपदाओं से निपटने के लिए रणनीति को और मजबूत करना। इस मॉक ड्रिल में कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे जिनमें प्रमुख रूप से ई. सत्य फणि कुमार कार्यकारी निदेशक विन्ध्याचल संजीब कुमार साहा महाप्रबंधक. प्रचालन एवं अनुरक्षण पी केसेन गुप्ता एडीएम अभिषेक रंजन एडिशनल एसपी और सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट सदराराम यादव शामिल रहे। आयोजन की पूरी कमान सीआईएसएफके फायर इंस्पेक्टर गगन सैनी के हाथों में थी। इस मॉक ड्रिल में सीआईएसएफ एनटीपीसी विन्ध्याचल एवं सिंगरौली की मेडिकल और सेफ्टी टीमें एनसीएल की फायर यूनिट रिलायंस शासन ट्रॉमा सेंटर हॉस्पिटल एनडीआरएफ एसडीआरएफ और डिजास्टर मित्र जैसे कई संगठनों ने मिलकर हिस्सा लिया। ड्रिल के दौरान तेजी से एम्बुलेंस की तैनाती भीड़ का नियंत्रण घायलों को प्राथमिक उपचार और एजेंसियों के बीच समन्वय को प्रमुखता से परखा गया। एडीएम श्री सेन गुप्ता ने आपसी समन्वय और तुरंत की गई व्यवस्थाओं की सराहना की वहीं एडिशनल एसपी श्री रंजन ने कहा कि ऐसे अभ्यास तत्काल आपात स्थितियों में हमारी ताकत बनते हैं। कार्यकारी निदेशक विंध्याचल ई.सत्य फणी कुमार ने कहा इस तरह के मॉक ड्रिल न केवल जान बचाते हैं बल्कि सभी विभागों को एकजुट कर एक मजबूत टीम के रूप में काम करने की प्रेरणा भी देते हैं। वहीं महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षणसंजीब कुमार साहा ने टीम की एकजुटता और तत्परता की प्रशंसा की। सीआईएसएफ पर्यवेक्षकों ने भी सभी टीमों की प्रोफेशनल अप्रोच और तेज प्रतिक्रिया को सराहा। यह मॉक ड्रिल न केवल एनटीपीसी विंध्याचल के भीतर बल्कि पड़ोसी औद्योगिक इकाइयों जैसे रिलायंस सासन और एनसीएल के साथ सहयोग और साझा जिम्मेदारी की भावना को भी दर्शाता है। नियमित मॉक ड्रिल और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल देते हुए अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की तैयारियां भविष्य में किसी भी आपदा से निपटने में अत्यंत सहायक होंगी।

ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समितियों के अभिलेख प्रबंधन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

जागरण बैढ़न। जल जीवन मिशन के अंतर्गत मध्य प्रदेश जल निगम मर्यादित परियोजना क्रियान्वयन इकाई सिंगरौली के तत्वावधान में ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समितियों के लिए एक दिवसीय अभिलेख प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम महर्षि वेलफेयर फाउंडेशन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बैढ़न.1 ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत विकासखंड चितरंगी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरकटा में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा का पूजन.अर्चन कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत बगदरी के सरपंच अवधेश प्रसाद यादव ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जल निगम के प्रबंधक जनसहभागिता विजय त्रिपाठी असिस्टेंट मैनेजर विजय बिंझाडे एवं श्रीमती अर्चना पाण्डेय आईएसए परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र कुमार तिवारी प्रोजेक्ट समन्वयक अनिल त्रिपाठी तथा कम्युनिटी मोबिलाइज़र सफी मोहम्मद सिद्दीकी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान विजय त्रिपाठी ने ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समितियों की भूमिका कर्तव्यों शक्तियों तथा जल प्रदाय योजना के संचालन एवं संधारण में जनसहभागिता की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने समिति सदस्यों को अंशदान एवं जल कर राशि संग्रहण की प्रक्रिया अभिलेख संधारण और संबंधित दस्तावेजों के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र कुमार तिवारी ने योजना के प्रचार.प्रसार दस्तावेजों के रख.रखावए पारदर्शिता और योजना संचालन में अभिलेख प्रबंधन की भूमिका को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में बैढ़न.1 योजना के अंतर्गत आने वाले सभी 19 ग्रामों के सचिव समिति अध्यक्ष सदस्य एवं अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे। समापन अवसर पर आईएसए परियोजना प्रबंधक ने सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का विधिवत समापन किया।

पुराने तहसील में पानी भरने से रिकार्ड खराब हो सकता है, जिम्मेदार कौन

जागरण देवसर। नये कोर्ट का निर्माण किया जा रहा है जिसमे पुराने तहसील के नाली को जाम करके ठेकेदार द्वारा अभी हाल ही मे पानी की बरसात होने के कारण पुरानी तहसील मे पानी भरा हुआ है और नाली की सफाई न होने के कारण तहसील के अन्दर रखे रिकार्ड खराब हो सकते थे लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण ठेकेदार मनमौजी काम कर रहे है।

विज्ञापन संख्या 28/2025
भारत सरकार, लोक उद्यम चयन बोर्ड
राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड
में
निदेशक (वित्त)
पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।
आवेदकों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि **29/04/2025 (15:00 बजे तक)** है।
नोडल अधिकारियों द्वारा आवेदनों को लोक उद्यम चयन बोर्ड में अग्रेषित करने की अंतिम तिथि **08/05/2025 (17:00 बजे तक)** है।
जानकारी के लिए वेबसाइट **https://pesb.gov.in** में लॉग इन करें।

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई अशासकीय शालाओं के संचालन की समीक्षा बैठक आयोजित

निर्धारित 10 प्रतिशत से अधिक दर से फीस वृद्धि करने पर विद्यालयों पर होगी नियमानुसार कार्यवाही : श्री शुक्ला

सिंगरौली। कलेक्टर श्री चन्द्र शेखर शुक्ला के अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अशासकीय शालाओं के संचालन एवं आरटीई नियमो के परिपालन की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान विद्यालयों के भौतिक संरचना, विद्यालय शुल्क, गणवेश एवं पाठ्य पुस्तक रेट,शिक्षा पोर्टल 3.0 में मैपिंग की विस्तार से जानकारी ली गई।

बैठक में उपस्थित विद्यालयों के प्राचार्यो को कलेक्टर के द्वारा निर्देश दिया गया कि विद्यालयों में शासन द्वारा निर्धारित आरटीई गाईड लाईन का शत प्रतिशत पालन किया जायें। कलेक्टर के द्वारा निर्देश दिया कि विद्यालयों में दिव्यांग छात्रो के लिए अनिवार्य रूप शौचालय का निर्माण कराया जाने के साथ शौचालय तक पहुचने के लिए सुगम आवागन की व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित करे। उन्होंने निर्देश दिए कि आरटीई नॉर्मस के आधार पर विद्यालयों में भौतिक संरचनाए नही पाए जाने पर संबंधित विद्यालय की मान्यता रद्द करने की कार्यवाही की जायेंगी। उन्होंने कहा कि छात्रो को मूलभूत सुविधाए उपलंब्ध कराना विद्यालय की जिम्मेदारी हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि एलकेजी से कक्षा दूसरी तक के छात्रो की परिक्षाएं नही ली जायेंगी इसका विद्यालय शत प्रतिशत पालन करे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 5 वी एवं 8 वी के अतिरिक्त अन्य कक्षांओ में विद्यालय बाधा रहित कक्षोन्नति प्रदान करे। उन्होंने कहा कि शिक्षक यह सुनिश्चित करे कि विद्यालय में पढ़ने वाले किसी भी छात्रो को शारिरिक एवं मानसिक रूप से दण्ड नही दिया जाये। साथ ही निर्देश दिए कि सभी विद्यालय छात्रो की शत प्रतिशत अपार आईडी बनाया जाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित प्राचार्यो व प्रबंधको को निर्देश दिए कि अगर कोई छात्र विद्यालय शुल्क जमा नही कर पा रहा है तो छात्र को शुल्क के आभाव में मानसिक रूप से प्रताड़ित नही किया जाये। इसकी शिकायत मिलने पर संबंधित विद्यालय के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेंगी। कलेक्टर ने कहा कि माता पिता अपने बच्चो के बेहतर भविष्य के लिए अपनी ज्यादातर कमाई अपने बच्चो की पढ़ाई पर खर्च करते है। अब यह दायित्व विद्यालयों का बनता है कि वह बच्चो के पर्सनाल्टी डेवलपमेंट से लेकर उसके स्कील डेवलपमेंट हेतु अपना पूरा योगदान दे। इसके लिए विद्यालयों में नियमिति रूप से विभिन्न प्रकार के सास्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियां संचालित करे। सप्ताह में एक दिन बैगलेश घोषित हो तथा विद्यालय बैग पालसी अनुसार बस्तो का वजन निर्धारित करे। इसी के साथ कमजोर छात्रो को बढ़ावा देने हेतु कक्षा में बैठक व्यवस्था का रोटेशन किया जायें।

कलेक्टर ने विद्यालय प्रबंधको व प्रचार्यो को सख्त निर्देश देते हुयें कहा विद्यालय के शुल्क में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि नही किया जायें। साथ ही डिजिटल, स्मार्ट क्लास रूम के नाम से अतिरिक्त शुल्क वशूल नही किया जायें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी विद्यालय यह सुनिश्चित करे कि 10 वी पास करने वाले उनके छात्रों को 11 वी तथा 12 वी की कंक्षा में सहजता से प्रवेश मिले छात्रो को प्रवेश के लिए कही भटकना न पड़े यह विद्यालय की जिम्मेदारी है। साथ ही निर्देश दिए कि विद्यालयो में छात्रो को निर्धारित समय पर प्रवेश दिया जाये तथा इसकी सूचना सूचना पटल पर चस्पा किया जायें। कलेक्टर ने डीपीसी को निर्देश दिए कि जॉच दल का गठन कर सभी विद्यालयों में आरटीई नॉर्मस के परिपालन की जॉच कराएं। जॉच के दौरान यह सुनिश्चित करे कि सभी विद्यालय शुल्क वृद्धि नियमों का पालन करें। इसके साथ विद्यालय की भौतिक संरचनाओं की भी जॉच करायें। तथा यह भी जॉच करायें कोई विद्यालय दुकान विशेष से पाठ्य पुस्तक एवं गणवेश क्रय के लिए विद्यार्थियो पर दबाव तो नही बनाया जा रहा है। बैठक के दौरान डीपीसी आर.एल शुक्ला, सहायक संचालक कविता त्रिपाठी सहित अशासकीय विद्यालयों प्रबंधक सहित प्राचार्य गण उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जल नहीं तो हम नहीं जल ही जीवन रहिमन पानी रखिये बिन पानी सब सून पानी गए ना उबरे मोती मानस चून

जागरण चितरंगी। विकास खंड चितरंगी मुख्यालय की सीएम राइज विद्यालय चितरंगी में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन नवांकुर संस्था रामचंद्र सेवा समिति द्वारा किया गया । जिसमे कक्षा 9 से 12 तक के छात्र छात्राओं ने 9 ग्रुपो में प्रतिभागी रहे। छात्रों द्वारा चित्रकला में जो प्रदर्शन किया है । उनके टीम लीडर द्वारा चित्र के उद्देश्य को भी बताया है। जल का महत्व भी उनके समझ मे प्रदर्शित करता है। चित्रकला प्रतियोगिता को सफल बनाने केलिये सीएम राइज के प्राचार्य अशोक सिंह बघेल उपप्राचार्य पदमाकर मिश्र और शिक्षक स्टाप का सराहनीय योगदान रहा है। केंद्र और राज्य सरकार ने जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलाया है। जिसमे मप्र जन अभियान परिषद द्वारा समस्त विभागों को क्रियान्वित करने की जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहा है। शासन का मानना है कि जल संकट देश की जटिल समस्या हैं। इसको दूर करने के लिए एक एक व्यक्ति अपने नैतिक जिम्मेदारी को समझे जब तक समाज पानी के मूल्य को नही समझेगा तब तक इस समस्या का समाधान संभव नही है। लोगो को जागरूक करने केलिए जिले में सामाजिक संगठन कार्य कर रहे है। जिला प्रशासन भी ग्राम पंचायतों के माध्यम से लघु तालाब अमृत सरोबर चैक डैम बोरी बंधान जैसे निर्माण कार्य मनरेगा योजना से किया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत चैक डेम नाला कि गई साफ-सफाई

जागरण चितरंगी । प्रतिवर्ष गिरते जल स्तर को देखते हुए जल संरक्षण एवं जल संवर्धन हेतु देश में कई तरह का प्रयास किया जा रहा हैं। वहीं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा हुई पूरे प्रदेश में प्रशासन के साथ मिलकर जल संरक्षण हेतु मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से समाजसेवी समितियों स्वयंसेवी समितियों के साथ में ग्राम पंचायत चितरंगी के लालमाटी खेरहिया में किया गया। जल को रोकने सहित जन.जन को भी जागरूक किया जा रहा है। इतना ही नहीं जन.जन के सहयोग से जल रोकने का भी एक सफल प्रयास किया जा रहा है।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
दिल्ली	06	05	01	10	0.744
गुजरात	06	04	02	08	1.081
बेंगलुरु	06	04	02	08	0.672
पंजाब	06	04	02	08	0.172
लखनऊ	07	04	03	08	0.086
कोलकाता	07	03	04	06	0.547
मुंबई	06	02	04	04	-0.104
राजस्थान	07	02	05	04	-0.714
हैदराबाद	06	02	04	04	-1.245
चेन्नई	07	02	05	04	-1.276

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

निकोलस (लखनऊ)	357
साई सुदर्शन (गुजरात)	329
मिचेल मार्श (लखनऊ)	295
श्रेयस अय्यर (पंजाब)	250

पर्पल कैप (गेंदबाज)

नूर अहमद (चेन्नई)	12
कुलदीप यादव (दिल्ली)	11
खलील अहमद (चेन्नई)	11
शार्दुल ठाकुर (लखनऊ)	11

बाउंड्री मीटर

565 छक्के
986 चौके
63 अर्धशतक

रयान पराग आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के बतौर फील्डर सर्वाधिक कैच पकड़ने वाले खिलाड़ी बन गए। उनके 77 मैचों में 41 कैच हो गए है। दूसरे नंबर पर अंजिक्य रहाणे (100 मैच में 40 कैच) हैं।

दिल्ली के गेंदबाजी कोच मुनाफ पर जुर्माना

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बुधवार को मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जमा किया गया है। दिल्ली ने मुकाबला सुपर ओवर में जीता था। आईपीएल के अनुसार, मुनाफ ने आईपीएल आचार संहिता के खेल भावना से विपरीत आचरण करने से संबंधित अनुच्छेद 2.20 के लेवल एक का अपराध स्वीकार कर लिया है।

मैदान से हटकर

पुजारा जिद्दी, उन्हें मूर्खतापूर्ण लतीफे सुनाना पसंद : पत्नी पूजा

अपनी तरह के अनूठे संस्मरण में भारत के अनुभवी क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा की पत्नी पूजा ने क्रिकेटर की पत्नी के रूप में अपने जीवन के अनुभव कलमबद्ध किए हैं, जिनमें मैदान के भीतर और बाहर के उतार चढ़ावों और क्रिकेट के दीवाने देश में अपार अपेक्षाओं के बारे में बेबाक ढंग से लिखा है। हार्परकोलिंस इंडिया द्वारा प्रकाशित यह किताब द डायरी ऑफ अ क्रिकेटर्स वाइफ : अ वेरी अनयूजुअल मेमोयर को पूजा और नमिता काला ने लिखा है, जिसका विमोचन 29 अप्रैल को होगा। पूजा ने कहा, चेतेश्वर पुजारा जिद्दी, लेकिन सहयोग करने वाले इंसान है जो ज्यादा बोलते नहीं, लेकिन उनके पास छिपाने के लिए भी कुछ नहीं है। वह आध्यात्मिक हैं, लेकिन पाखंडी नहीं और उन्हें मूर्खतापूर्ण लतीफे सुनाना पसंद है। राजकोट की गलियों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक उनका सफर अनूठा रहा है और मुझे इसे करीब से देखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, मेरा विश्वास है कि चेतेश्वर पुजारा की कहानी में सभी के लिए कुछ न कुछ है और यही वजह है कि मैने यह किताब लिखी। जीवन में कभी क्रिकेट नहीं देखने वाली पूजा पाबारी ने 2013 में चेतेश्वर पुजारा से शादी की और उसके बाद से एक क्रिकेटर के दैनंदिनी जीवन का उन्हें अनुभव मिला। उसके बाद कुछ साल उन्होंने खेल की बारीकियों को समझा और अपने शाकाहारी पति के लिए पोषक खुराक बनाने की जिम्मेदारी भी ले ली। किताब में चेतेश्वर के माता-पिता के बलिदानों का भी जिक्र है। (जेएनएन)।

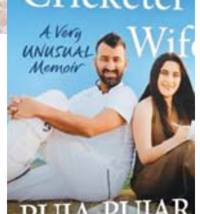

एक क्रिकेटर की पत्नी की डायरी: पुजारा की पत्नी ने लिखे संस्मरण

रोहित ने सिडनी टेस्ट से खुद को टीम से बाहर करने पर कहा-मुख्य कोच और चयनकर्ता से हुई थी बहस

आप जो भी निर्णय लेने की कोशिश करते हैं, उसमें सफलता की गारंटी नहीं होती

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट से बाहर रहने का उनका फैसला सर्वसम्मति से नहीं लिया गया था और इसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के साथ उनकी बहस हुई थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान एडिलेड, ब्रिसबेन और मेलबर्न में खेलने वाले कप्तान लगातार पांच पारियों में विफल रहे थे। मेलबर्न में खेले गए सीरीज के चौथे टेस्ट मैच में टीम ने शुभमन गिल को बाहर बैठाने का फैसला किया था।

रोहित ने बियॉन्ड23 क्रिकेट पॉडकास्ट के दौरान ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क से कहा, हम किसी तरह गिल को अंतिम एकादश में रखना चाहते थे, वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह पिछले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाया था। मैं ऐसा ही हूं ठीक है, अगर मैं गेंद को अच्छी तरह से नहीं मार पा रहा हूं, तो यह अभी है। चीजें पांच दिन बाद, दस दिन बाद बदल सकती हैं। उन्होंने कहा, मैंने कोच और चयनकर्ता से बात की और वे इस पर सहमत भी हुए, असहमत भी हुए। इस मुद्दे पर हमारी बहस भी हुई थी। रोहित ने कहा, आप टीम को प्राथमिकता देने की कोशिश करते हैं, आप बस देखते हैं कि टीम की क्या जरूरत है और उसके अनुसार निर्णय लेते हैं। कभी-कभी यह काम करेगा, कभी-कभी नहीं। ऐसा ही होता है। आप जो भी निर्णय लेने की कोशिश करते हैं, उसमें आपको सफलता की गारंटी नहीं होती।

टीम हितों को सबसे पहले रखना पड़ेगा

रोहित ने स्वीकार किया कि उन्हें खुद को बाहर करना पड़ा, क्योंकि एक ही समय पर टीम के कई खिलाफ फॉर्म में नहीं थे। इसमें स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भी शामिल थे। पर्थ में पहले टेस्ट में अपने शतक को छोड़कर कोहली पूरी सीरीज में संघर्ष करते रहे। रोहित ने कहा, सीरीज के आखिरी टेस्ट मे मुझे खुद के साथ ईमानदार होना पड़ा। मैं गेंद को अच्छी तरह से नहीं मार पा रहा था। मैं खुद को सिर्फ टीम में इसलिए वहां नहीं रखना चाहता था, क्योंकि हमने दूसरे खिलाड़ियों को बाहर कर दिया था, जो संघर्ष कर रहे थे। कप्तान ने कहा कि जब उन्हें राष्ट्रीय टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी मिली, तो उन्हें हर समय टीम के हितों को सबसे पहले रखना पड़ा। उन्होंने कहा, जब से मैंने राष्ट्रीय टीम की कप्तानी शुरू की, मुझे लगा कि न केवल मुझे बल्कि बाकी खिलाड़ियों को भी एक जैसा सोचना चाहिए और टीम को पहले रखना चाहिए। टीम के लिए जो जरूरी है, वो करना चाहिए और अपने रन और शतक, अपने पांच विकेटों के बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए। आप टीम स्पोर्ट खेल रहे हैं, अगर आप 100 रन बनाते हैं और टीम को सफलता नहीं दिला सकते तो इसका क्या फायदा?

टीम के लिए स्वाभाविक जगह पर खेलूंगा

इस महान बल्लेबाज ने खुद को बाहर करने के निर्णय पर पहुंचने के लिए तार्किक तर्क भी दिया। उन्होंने कहा, मैंने (एडिलेड में) अच्छा नहीं खेला था। मैंने सोचा कि मुझे पारी का आगाज करना चाहिए था। मैं जो करता हूं और वहां असफल होना पसंद करूंगा। यही मेरी जगह है, यही मेरी स्थिति है। मैं वहां जाकर बल्लेबाजी करना पसंद करूंगा, चाहे मुझे सफलता मिले या नहीं, यह एक अलग बात है। लेकिन मैं टीम के लिए अपनी स्वाभाविक जगह पर खेलूंगा। रोहित ने सोचा कि उन्हें ब्रिस्बेन में एक और मैच में मध्यक्रम में बल्लेबाजी जारी रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, मध्यक्रम में एक मैच में निराशा के बाद मैंने ज्यादा चिंता किए बिना सोचा कि इसे एक और मैच में जारी रखते हैं। हम ब्रिस्बेन में चीजों को बदलने की कोशिश कर सकते हैं। वह मुकाबला ड्रॉ पर छूटा। जब हम मेलबर्न पहुंचे तो हमने अपना मन बदल लिया। मैं पारी की शुरुआत करने के लिए वापस चला गया।

भारतीय टीम के सहायक कोच नायर का कॉन्ट्रैक्ट आठ महीने में ही समाप्त

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच अभिषेक नायर को सहयोगी स्टाफ के एक हाई-प्रोफाइल सदस्य के साथ अनबन की अटकलों के बीच सिर्फ आठ महीने बाद ही पद से हटा दिया गया है, हालांकि इसका कारण न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों में हार को बताया जा रहा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों की मानें तो नायर को सहयोगी स्टाफ से हटाने के फैसले के बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया है। बीसीसीआई सूत्र ने बताया, भारत की टेस्ट क्रिकेट में हाल की हार (न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) के बाद सहयोगी स्टाफ को लेकर मंथन चल रहा था, लेकिन बीसीसीआई में यह भी महसूस हो रहा है कि सहयोगी स्टाफ के एक महत्वपूर्ण सदस्य और एक वरिष्ठ स्टार खिलाड़ी के बीच की लड़ाई में नायर बलि का बकरा बन गए। फील्डिंग कोच टी दिलीप और स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई का भी अपने-अपने पदों पर तीन साल से अधिक समय पूरा करने के बाद बाहर होना तय है, क्योंकि बीसीसीआई की नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) ने सहयोगी स्टाफ का कार्यकाल तीन साल तक सीमित कर दिया है। पता चला है कि भारत के पहले स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रॉक्स के दूसरे कार्यकाल के लिए लौटने की संभावना है। विश्व कप 2003 के दौरान तत्कालीन सौरव गांगुली की अगुआई वाली भारतीय टीम में एक नई फिटनेस संस्कृति की शुरुआत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के इस कोच को बहुत श्रेय दिया जाता है।

गत चैंपियन रियाल मैड्रिड को हराकर आर्सेनल 16 साल बाद चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

जेएनएन, मैड्रिड। आर्सेनल ने बुधवार को गत चैंपियन रियाल मैड्रिड को क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 2-1 से हराकर 2009 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आर्सेनल ने पिछले सप्ताह लंदन में खेले गए क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 3-0 से जीत हासिल की थी और इस तरह से उसने रियाल मैड्रिड को कुल मिलाकर 5-1 से करारी शिकस्त दी। आर्सेनल ने इस तरह से पहली बार यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता जीतने की संभावना बरकरार रखी। सेमीफाइनल में उसका मुकाबला पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से होगा। दूसरा सेमीफाइनल बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच खेला जाएगा। आर्सेनल और रियाल मैड्रिड में से कोई भी पहले हाफ में गोल नहीं कर पाया। बुकायो साका पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए, लेकिन उन्होंने 65वें मिनट में मिकेल मेरिनो के पास पर गोल करके आर्सेनल को बढ़त दिलाई। विनीसियस जूनियर ने इसके तुरंत बाद रियाल मैड्रिड की तरफ से बराबरी का गोल दागा। आर्सेनल की तरफ से दूसरा गोल गेब्रियाल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम में किया। रियाल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे को चोटिल होने के कारण 75 मिनट के बाद मैदान छोड़ना पड़ा था।

15 बार का यूरोपीय चैंपियन रियाल मैड्रिड इस बार किसी तरह की ऐतिहासिक वापसी नहीं कर पाया। अपने घरेलू मैदान सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में उसके खिलाड़ी कोई जादू नहीं दिखा पाए।

2020 के बाद यह पहला अवसर है, जबकि रियाल मैड्रिड सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया। इस तरह से वह पिछले चार सत्र में तीसरी बार चैंपियंस लीग का चैंपियन बनने से भी चूक गया।

बायर्न म्यूनिख बाहर, इंटर मिलान अंतिम चार में

मिलान। बायर्न म्यूनिख के पूर्व डिफेंडर बेंजामिन पावर्ड ने अपने पुराने क्लब के खिलाफ गोल करके इंटर मिलान को जर्मन टीम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 2-2 से बराबरी दिलाने और चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इंटर मिलान ने क्वार्टर फाइनल का पहला चरण 2-1 से जीता था और इस तरह से उसने 4-3 के कुल स्कोर से जीत दर्ज करके अंतिम चार में जगह सुरक्षित की। फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पावर्ड 2023 में बायर्न को छोड़कर इंटर मिलान से जुड़े थे। यह इंटर के लिए पावर्ड का पहला गोल था। हैरी केन ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही गोल करके बायर्न म्यूनिख को कुल स्कोर में बराबरी दिला दी थी।

34वां मैच : पंजाब किंग्स का सामना बेंगलुरु से

आरसीबी को घरेलू मैदान पर पहली जीत की तलाश

जेएनएन, बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर आईपीएल-2025 में अपने घरेलू मैदान पर पहली जीत दर्ज करनी है, तो उसके बल्लेबाजों को शुक्रवार को होने वाले मैच में पंजाब किंग्स के स्पिन आक्रमण का डटकर सामना करना होगा। आरसीबी और पंजाब के बीच यह मैच शाम 7:30 बजे से बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। दोनों टीमें फिलहाल अच्छी फॉर्म में चल रही हैं और छह में से चार-चार मुकाबले जीतकर आईपीएल अंक तालिका में क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर काबिज हैं। आरसीबी के बल्लेबाजों को यहां की धीमी पिच पर गुजरात के साई किशोर तथा दिल्ली के कुलदीप यादव और विप्रज निगम के सामने संघर्ष करना पड़ा था तथा युजवेंद्र चहल और ग्लेन मैक्सवेल उसकी इस कमजोरी का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

हेड टू हेड

पंजाब और आरसीबी के बीच 33 मुकाबले हुए हैं, जिसमें पंजाब को 17, जबकि आरसीबी को 16 में जीत हासिल हुई है। चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु में पलड़ा मेजबान आरसीबी की ओर झुका है। 12 मैचों में आरसीबी यहां पर 7-5 से आगे हैं।

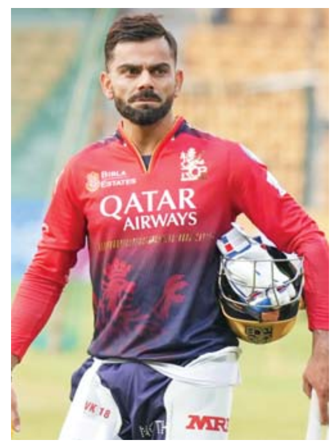

कोहली बनाम पंजाब

कोहली का पंजाब के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है और उन्होंने इस टीम के खिलाफ पिछली तीन पारियों में तीन अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने पंजाब के खिलाफ पिछली 10 पारियों में आठ बार 20 रन के आंकड़े को पार किया है। 32 पारियों में 35.5 की औसत और 134 के स्ट्राइक रेट से 1030 रन बनाए हैं, जिसमें पांच अर्धशतक और एक शतक शामिल है। इसमें से भी दो अर्धशतक और एक शतक बेंगलुरु के चिन्नास्वामी के मैदान पर आए हैं।

लीमा विश्व कप: रेइजा ढिल्लों महिला स्कीट में पांचवें स्थान पर

लीमा (पेरू), जेएनएन। पेरिस ओलंपिक खेल चुकी रेइजा ढिल्लों अपने पहले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में महिला स्कीट स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रही। दिन की दूसरी स्पर्धा के बाद भारत दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य जीतकर चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। पूर्व जूनियर विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता और एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी रेइजा 60 शॉट के निर्णायक मुकाबले में 26 हिट के बाद बाहर हो गई। वह चौथे स्थान पर रही चीन की जियांग यितिंग से पार नहीं पा सकी जो पेरिस ओलंपिक में मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीत चुकी है। तीन बार की ओलंपिक चैंपियन और छह बार ओलंपिक पदक जीत चुकी किम्बरली रोडे ने स्वर्ण पदक जीता। अमेरिका की ही सामंथा सिमोंटोन दूसरे और पूर्व विश्व चैंपियन डानिया जो विज्जी तीसरे स्थान पर रही। भारत की गनीमत सेखों नौवें और दर्शना राठौड़ 15वें स्थान पर रहीं।

नीरज ने 84.52 मीटर थ्रो के साथ की सत्र की शुरुआत

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पॉट इनविटेशनल ट्रैक प्रतियोगिता जीतकर अपने सत्र की शानदार शुरुआत की। चोपड़ा ने बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर छह खिलाड़ियों के बीच चले मुकाबले में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय स्टार चोपड़ा दक्षिण अफ्रीका के 25 वर्षीय डौव स्मिट से आगे रहे, जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर था। चोपड़ा का प्रदर्शन हालांकि उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर से कम था, जबकि स्मिट अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 83.29 मीटर के करीब पहुंच गए। केवल दो खिलाड़ियों चोपड़ा और स्मिट ने ही प्रतियोगिता में 80 मीटर की दूरी पार की। दक्षिण अफ्रीका के एक अन्य खिलाड़ी डंकन रॉबर्टसन 71.22 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा अपने नए कोच चेक गणराज्य के जान जेलेजनी की निगरानी में पोटचेफस्ट्रूम में अभ्यास कर रहे हैं। जेलेजनी तीन बार के ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक हैं।

अविनाश साबले सत्र की पहली डायमंड लीग में भाग लेंगे

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी 3000 मीटर स्टीपलचेस खिलाड़ी अविनाश साबले चीन के शियामेन में 26 अप्रैल को होने वाली सत्र की पहली डायमंड लीग में भाग लेंगे, जिसमें मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन मोरक्को के सूफियाने अल बक्काली भी खेलेंगे। पेरिस ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता कीनिया के अब्राहम किबिवोत भी इसमें नजर आएंगे, जिन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में साबले को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। साबले पिछले साल सितंबर में डायमंड लीग फाइनल के बाद पहली बार खेल रहे हैं।

मंधाना रत्नागिरी जेट्स की आइकन खिलाड़ी

पुणे, जेएनएन। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना को गुरुवार को रत्नागिरी जेट्स का आइकन खिलाड़ी नामित किया गया, जो महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग (डब्लूएमपीएल) में खेलेगी। डब्लूएमपीएल का पहला टूर्नामेंट पिछले साल जून में खेला जाना था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के भारत दौरे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था और बाद में इसके आयोजन के लिए सही तारीख नहीं मिल पाई थी। रत्नागिरी जेट्स ने लगातार दो वर्षों तक महाराष्ट्र प्रीमियर लीग का पुरुष टूर्नामेंट जीता है। मंधाना ने कहा कि फ्रेंचाइजी ने एमपीएल में सफलता और महिलाओं के खेल के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण दिखाया है। मैं इस सफर को नए मुकाम पर पहुंचाने को लेकर उत्साहित हूं।

टी-20 : जबलपुर पुलिस पांच और ग्वालियर पुलिस 2 विकेट से जीती

भोपाल, खेप्र। जबलपुर और ग्वालियर पुलिस ने द्वितीय स्व. वैभव चांदेकर स्मृति विभागीय डे नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले राउंड में प्रवेश किया। नेहरू नगर पुलिस लाइन मैदान पर बीएमसी वॉटर ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए। रिजवान खान ने नाबाद 42 रन की पारी खेली। प्रशांत सिंह ने 25 और फराज फरहान ने 18 रन बनाए। जबलपुर पुलिस के कप्तान राहुल ने 19 रन देकर 3 विकेट झटके। निर्भय परोचे और अस्लम को दो-दो सफलता मिली। जवाब में जबलपुर पुलिस ने 17.3 ओवर में पांच विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया। कप्तान राहुल ने 51 और नीरज डहरिया ने 45 रन की पारी खेली। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 101 रनों की साझेदारी हुई। बीएमसी वाटर के अस्लम ने 2 विकेट लिए। बीयू पहले बल्लेबाजी करते हुए 134 रन पर ऑलआउट हो गई। विकास ने 30, जबकि अशिम शुक्ला और प्रशांत झा ने 17-17 रन का योगदान दिया। ग्वालियर पुलिस के प्रमोद ने 3 और हिमांशु तिवारी ने 2 विकेट लिए। जवाब में ग्वालियर पुलिस ने आठ विकेट खोकर 19.4 ओवर में मुकाबला जीत लिया। अभिनव शर्मा ने 33 और सुमित ने 23 रन बनाए।

सेंचुरियन और नायर क्रिकेट अकादमी जीती

भोपाल, खेप्र। सेंचुरियन और नायर क्रिकेट अकादमी ने छठवें साद अंसारी मेमोरियल अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने-अपने मुकाबले में जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करने उतरी अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट अकादमी 65 रन पर सिमट गई। खुशाल ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। सेंचुरियन क्रिकेट अकादमी के पीयूष सिंह ने 16 रन देकर 5 विकेट झटके। जवाब में सेंचुरियन ने तीन विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया। वहीं दूसरे मुकाबले में नायर क्रिकेट अकादमी ने आरसीसी क्रिकेट अकादमी को आठ विकेट से शिकस्त दी।

चंबल डिविजन ने भोपाल को 91 रन से हराया

भोपाल, खेप्र। चंबल डिविजन ने एसएम खान अंडर-18 लिमिटेड ओवर टूर्नामेंट में भोपाल को 91 रन से शिकस्त दी। गुरुवार को फेथ क्रिकेट मैदान-1 पर चंबल पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.5 ओवर में 243 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए करन तोमर ने 70 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। प्रबल ने 33 और शिखर ने 32 रन का योगदान दिया। भोपाल के नीरज ने चार विकेट झटके, जबकि आदित्य राज तोमर को तीन सफलता मिली। प्रथम सेंगर को दो विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल की टीम 43.4 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। प्रतीक शुक्ला ने सर्वाधिक 32 और संकल्प ने 23 रन का योगदान दिया। चंबल के उदय यादव और रियान को तीन-तीन विकेट मिले। कुनाल के खाते में दो सफलता आई।

एलएनसीटी की पुरुष और सिस्टेक की महिला टीम कबड्डी में चैंपियन

भोपाल, खेप्र। एलएनसीटी की पुरुष टीम 8वें इंजीनियर्स ओलंपिक के तहत आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में चैंपियन बनीं। एलएनसीटी कैंपस में खेले जा रहे टूर्नामेंट में उसने प्रेस्टीज को 21-16 से हराकर खिताब हासिल किया। महिला वर्ग में सिस्टेक ने एलएनसीटी 20-18 से हराकर खिताब हासिल किया। ओलंपिक के चौथे दिन कबड्डी के अलावा बास्केटबॉल, क्रिकेट, आर्म रेसलिंग के फाइनल खेले गए। बास्केटबॉल में एलएनसीटी के लड़कों ने एसआईआरटी को 58-57 से हराया। वहीं सेंट थॉमस स्कूल की लड़कियों ने एसटीएस स्कूल को 43-17 से हराकर खिताब हासिल किया।

आइस क्रीम फैक्ट्री में एसडीएम ने मारा छापा

सतना। एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया ने चाणक्यपुरी कॉलोनी में चल रही आइसक्रीम फैक्ट्री में दबिश दी । बताया जाता है कि छापे के दौरान एसडीएम को व्यापक पैमाने पर अनियमितता मिली है। उक्त आइस क्रीम फैक्ट्री का संचालन साहुल जग्यासी द्वारा किया जा रहा था । हालांकि एसडीएम सिटी राहुल सिलाडियॉ ने अवैध रूप से संचालित की जा रही आइस क्रीम फैक्ट्री को सील कर दिया है। इस कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती सीमा पटेल मौजूद थी। वहां पर मौजूद खाद्य पदार्थो की सेम्पलिंग भी कराई गई है।

महाराष्ट्र की एक कम्पनी का उपयोग हो रहा था ट्रेड मार्क : बताया जाता है कि साहुल जग्यासी द्वारा जो आइसक्रीम फैक्ट्री संचालित की जा रही थी उसमे महाराष्ट्र की एक कम्पनी के ट्रेड मार्क का उपयोग हो रहा था। बताया जाता है कि फैक्ट्री संचालक साहुल द्वारा महाराष्ट्र और औरंगाबाद में चलने वाली मारवल आइसक्रीम का नाम रखा गया था। यह कार्यवाही दोपहर ढाई बजे शुरू हुई जो तकरीबन सात बजे तक चली। पूरी कार्यवाही एसडीएम सिटी राहुल सिलाडियॉ की अगुवाइ में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक कुर्मी और सीमा पटेल द्वारा की गई है।

नही था लाइसेंस आइसक्रीम फैक्ट्री संचालक ने बेस्ट फूड प्रोसेस चाण्डय पूरी के नाम से रिटेल का लाइसेस लिया था जबकि होल सेल किया जा रहा था। इस संबंध में कोई वैद्ध दस्तावेज नही मिले। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने आइसक्रीम चौकोबार कैंडी, और बटर स्काच का सेम्पल जप्त किया है। उसे जांच के लिए राज्य प्रयोग शाला भेजा गया है। इस संबंध में एसडीएम ने आम नागरिको से आग्रह किया है कि उन्हे यदि किसी सामग्री में संदिग्ध गुणवत्ता या अनियमितता मिलती है तो तत्काल इसकी सूचना दे।

दो चिकित्सकों को कारण बताओ नोटिस जारी

जागरण सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में संपन्न स्वास्थ्य समिति की बैठक में आईडीएसपी कार्यक्रम के अंतर्गत संक्रामक बीमारियों की निगरानी के लिए निर्धारित प्रतिदिन रिपोर्ट किये जाने वाले फार्म पी की समीक्षा में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोठी के अंतर्गत 1 मार्च से 31 मार्च तक की स्थिति में पोर्टल पर एक भी दिन रिपोर्ट दर्ज नहीं किया जाना पाये जाने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र डगडीहा की चिकित्सा अधिकारी डॉ. साक्षी निगम और रैगांव के चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष त्रिपाठी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। संबंधितों को 3 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा गया है। इसी प्रकार आईएचआईपी पोर्टल पर फार्म-पी और फार्म-एल की प्रतिदिन रिपोर्ट नहीं अंकितकरने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रैगांव के फार्माशिष्ट श्रेयस त्रिपाठी और लैब टेक्निशियन कुआं प्रभात त्रिपाठी के अप्रैल माह के मानदेय में सात दिवस का अवैतनिक किया जाकर तीन दिवस के भीतर कारण स्पष्ट करने के निर्देश दिये गये हैं।

चित्रकूट के विकास प्रोजेक्ट तेजी से पूरे किये जायें

सतना। चित्रकूट के समग्र विकास परियोजनाओं और चित्रकूट विकास प्राधिकरण के कार्यों को गति देने कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने गुरूवार को कलेक्टर कक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि चित्रकूट की विकास परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि की उपलब्धता एवं कार्यों के प्राक्कलन, टेण्डर एवं अन्य प्रक्रियात्मक कार्य तेजी के साथ संबंधित विभागों के समन्वय से किये जाये। इस मौके पर एसडीएम एपी द्विवेदी, एसडीओ फारेस्ट अभिषेक तिवारी, उप वन मण्डलाधिकारी लाल सुधाकर सिंह, नगर पंचायत से अंशुमान सिंह, सहायक यंत्री सहित पर्यटन और आईयूडीपी से जुडे अधिकारी उपस्थित थे।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433 9981287311

Give Your Child The Winning Edge!! Aff.-No. 1031436
ADMISSION OPEN 2025-26
Under the Aegis of Anupama Education Society Estd. 1990
Anupama IRIS International
Affiliated to CBSE
Nursery to Xth
DAY BOARDING & DAY SCHOLAR
8640025252, 9765187919, 9425362071
www.anupamairisinternational.in

डॉ. निशा डायलिसिस सेंटर
पता- अग्रवाल नर्सिंग होम, खुटेही, रीवा
24/7 Our Services Dialysis (डायलिसिस)
रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें 9174566996 7771009417
नवीनतम मशीन द्वारा हीमो डायलेसिस
Hepatitis C (HCV) मरीजों के लिए अलग से समर्पित मशीन
अन्य सुविधाएं: 24x7 मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. ईशान गोयल, 24x7 स्त्री रोग विशेषज्ञ, वेंटिलेटर एवं Bipap, 24x7 मेडिकल स्टोर

कामता मल्टी स्पेशलिटी क्लीनिक एन्ड डायग्नोस्टिक, रीवा में
ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग परामर्श OPD 20 अप्रैल, रविवार
डॉ. सचिन सिंह
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) मो.: 9399312433, 9981287311

भानू मोटर्स गोरइया
लेकर आये है आपके लिए
किफायती दर, आकर्षक फाइनेंस, कम डाउन पेमेंट
होण्डा गाडियों के समस्त कलर एवं मॉडल उपलब्ध
साईन 100 सीसी में 7000 की नकद छूट आफर केवल 30 अप्रैल 2025 तक
गोरइया गजिगवां रोड, सतना (म.प्र.) मो. 7898621161, 7047586640

भोपाल के हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ रीवा में
20 अप्रैल रविवार, रीवा में नियमित OPD प्रत्येक रविवार को
डॉ. पवन कुमार मिश्रा
ट्रामा, आर्थोस्कोपिक एण्ड ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) 9399312433 9981287311

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ: IUI, IVF, ICSI; फ्रोजन एंब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET); एग फ्रीजिंग; एंब्रियो फ्रीजिंग; स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

कॉस्मेटिक स्किन एंड प्लास्टिक सर्जरी क्लीनिक
डॉ. सौरभ सक्सेना
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (सर्जरी), MCH (प्लास्टिक सर्जरी)
07662.352194, 9827268788, 9825935433
समय: 4:00 PM से 7:30PM सोमवार से शनिवार, रविवार 12 PM- 02:00PM
पता-साक्षी मेडिकोज के बगल में, LIC क्र.-1 के नीचे, सिरमौर चौराहा, रीवा (म.प्र.)

DTE - काउंसिलिंग कोड 608
श्री रामकृष्ण कॉलेज ऑफ फार्मेसी
पीसीआई/9649 द्वारा अनुमोदित, आरजीपीवी भोपाल द्वारा संबद्ध
डी.फार्मा
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-
पता- ग्राम देवरा, गुरुकुल स्कूल के पास, चोरहटा, रीवा (म.प्र.)
मो.: 9584324641,6262084843,7470944611

LOVED IN 100 COUNTRIES
BAJAJ THE WORLD'S FAVOURITE INDIAN
2 CRORE pulsar CELEBRATION
SPECIAL CELEBRATION PRICES SAVE UP TO ₹5 555/-*
भारत की नंबर 1 स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल, पल्सर ने 2 करोड़ मोटरसाइकिल की बिक्री का कारनामा कर दिखाया है और अब हम इसका जश्न मना रहे हैं! अपने ग्राहकों का आभार व्यक्त करने के लिए हम पेश कर रहे हैं ऐसे स्पेशल दाम जो पहले कभी न देखे गए. तो आइए और पल्सरमेनियाक्स की गैंग में शामिल हो जाइए.
डाउन-पेमेंट शुरू ₹5 108/-

	125 NEON	125 CARBON FIBRE	NS 125 BASE	N160 TWIN DISC	N160 USD
बचत	₹2 310/-	₹2 000/-			₹5 594/-
स्पेशल कीमत (बचत के बाद)	₹83 494/-	₹92 013/-	₹99 994/-	₹1 23 720/-	₹1 37 952/-

*एक्स-शोरूम कीमत
pulsar DEFINITELY DARING
72198 21111 BAJAJ SECURE
Authorised Dealers for Bajaj Auto Ltd.: Balaghat: SAI BAJAJ 9425822517 • Chatarpur: TIKARIYA BAJAJ 7470901984• Satna: FOUZDAR BAJAJ 223925, 8109073002, AA Autorider: 9098500556 9098500557 Rewa UPPAL BAJAJ 07662-408300, 9301991092, 9424822015 • Seoni FRONTIER A S BAJAJ 9302893612• Sidhi JL Motors 9303942425 6269279293• Shahdol: JAYSHREE BAJAJ 7879858023 • Singroli: Waidhan JAISWAL BAJAJ 7354131415 • Tikamgarh: TIKARIYA BAJAJ 7999169461. Authorised Service Centre : Amanganj 9893548076, Anuppur 9826688221, Badamalehra 9425142655, Barghat 9303455660, Baihar 9555367761, Bijuri 8827988201, Birsinghpur Pali 6264386139, Chhapara 9713908909, Dhanpuri 7489650025, Gadimalehra 9425813772, Gunour 9977430543, 9977430543 Jaisingh Nagar 9425472262, Jawa 9229666311, 9229841089 Kharagpur 9893140200, Kirnapur 9009464748 Kotma 9329404241, Lakhnadon 9303396981, Loundi 9826226345, Maihar 8982435888, 8770913699 Manpur 9993009143, Nowgong 9425404025, Nowrozabad 7697487999, Palera 9993748907, Palari 9165621818, Prathvipur 9893640577, Raj Milan 9977650255, Ramnagar 8871600496 Rampur Baghelan 9425839938, Singroli 9425161696, Umaria 9302281902, Waraseoni 9425822517. Niwas 9755432031, Papaundh 9754290155, Keswahi 9669691764, Nagod 8818808182, Hanumana 9893918391, Rampunaikin 8461961616, Bahri 9340485487, 9589121525 Bargawan 8450081056, 9301456998 Mauganj 8349224040 Unchehara 9981751821, Pawai 9981763204, Adegaon 9926964389 Chakghat 9893634134 Majhauli (Sidhi) 9755088493 Mada 7089153247 Madwas 7869015572 Panna 9424332185.

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com